ಶುಭ್ ಲಾಭ್

खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

DAILY

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

बोम्मई ने 60 प्रतिशत कमीशन का सबूत मांगने पर सिद्धारमैया की आलोचना की @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । मंगलवार, 07 जनवरी, 2025 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 ।✻। मूल्य-6 रु.। वर्ष-7 । अंक-7

हमारे देश में अब 1000 किमी से अधिक मेट्रो नेटवर्क : मोदी

देश में पहली बुलेट ट्रेन चलाने का समय दूर नहीं

नई दिल्ली, 6 जनवरी (एजेंसियां) । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को भारत के परिवहन बुनियादी ढांचे, विशेष रूप से मेट्रो नेटवर्क और भारतीय रेलवे में एक महत्वपूर्ण विकास पर प्रकाश डाला, जिसमें कहा गया कि देश में अब 1000 किलोमीटर मेट्रो सेवाएं हैं। तेलंगाना, ओड़ीशा और जम्मू-कश्मीर के लिए कई रेलवे परियोजनाओं की आधारशिला रखते हुए और उनका उद्घाटन करते हुए, पीएम मोदी ने इस बात पर जोर दिया कि ये परियोजनाएँ देश की प्रगति का प्रतिनिधित्व करती हैं और सबका साथ सबका विकास के सिद्धांत को प्रदर्शित करती हैं।

उन्होंने कहा कि हमारे देश में अब 1000 किलोमीटर से अधिक मेट्रो नेटवर्क है...आज तेलंगाना, ओड़ीशा और जम्मू-कश्मीर के लिए जिन परियोजनाओं का उद्घाटन किया गया है, वे कनेक्टिविटी में एक बहुत बड़ा मील का पत्थर हैं। यह दर्शाता है कि देश एक साथ आगे बढ़ रहा है। यह सबका साथ, सबका विकास है। विशेष रूप से, प्रधान मंत्री ने तेलंगाना में न्यू जम्मू रेलवे डिवीजन, चेर्लापल्ली न्यू टर्मिनल स्टेशन का उद्घाटन किया और ईस्ट कोस्ट रेलवे के रायगढ़ रेलवे डिवीजन बिल्डिंग की आधारशिला रखी। इसके अलावा, पीएम मोदी ने पिछले एक दशक में भारतीय रेलवे में आए बदलावों पर भी बात की और इसे स्पष्ट बदलाव का दौर बताया, जिसने देश की छवि को बेहतर बनाया है और भारतीय लोगों का आत्मविश्वास बढ़ाया है।

पीएम मोदी ने वंदे भारत ट्रेन के नए स्लीपर वर्जन के बारे में बात की, जिसके बारे में उनका दावा है कि यह ट्रायल के दौरान 180 किमी/घंटा की गति से सफलतापूर्वक चली। ▶10पर

अफगानिस्तान पर पाक की एयर स्ट्राइक की भारत ने खोल दी पोल

यह पाकिस्तान की पुरानी आदत...

नई दिल्ली, 6 जनवरी (एजेंसियां) । पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच तनाव बढ़ता जा रहा है । दोनों ही देश एक-दूसरे पर हमले कर चुके हैं। हाल ही में पाकिस्तान ने अफगानिस्तान के पक्तिका प्रांत में एयर स्ट्राइक की। जिसमें महिलाओं और बच्चों समेत 46 लोगों की मौत हो गई। पाकिस्तान की इस हरकत पर भारत के विदेश मंत्रालय ने भी प्रतिक्रिया दी है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि हमने अफगान नागरिकों पर एयर स्ट्राइक की मीडिया रिपोर्ट्स देखी हैं। इस एयर स्ट्राइक में महिलाओं और बच्चों समेत कई निर्दोष लोगों की जान गई है।

जायसवाल ने पाकिस्तान के हमलों की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि हमने अफगान नागरिकों पर हवाई हमलों की मीडिया रिपोर्ट्स देखी हैं। जिनमें महिलाओं और बच्चों सहित कई निर्दोष लोगों की जान गई है। हम किसी भी निर्दोष नागरिक पर हमले की कड़ी निंदा करते हैं। यह पाकिस्तान की पुरानी आदत है कि वह अपनी आंतरिक विफलताओं के लिए पड़ोसी देशों को दोषी ठहराता है। हमने इस मामले पर अफगान प्रवक्ता की प्रतिक्रिया को भी नोट किया है।

पाकिस्तान ने 24 दिसंबर की रात अफगानिस्तान के पक्तिका प्रांत के बर्मल जिले में हवाई हमले

किए। इन हमलों में कम से कम 46 लोग मारे गए। जिनमें कई महिलाएं और बच्चे शामिल थे। तालिबान सरकार के प्रवक्ता ने बताया कि हमलों में छह अन्य लोग घायल हुए, जिनमें ज्यादातर बच्चे हैं। हमले से सात गांव प्रभावित हुए। जिनमें लामन गांव को सबसे ज्यादा नुकसान हुआ। यहां एक ही परिवार के पांच सदस्यों की जान चली गई। इस घटना ने स्थानीय लोगों को झकझोर कर रख दिया है। हमलों के बाद अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बीच सीमा पर तनाव बढ़ गया। पाकिस्तान के एक अर्धसैनिक जवान की मौत हो गई और सात अन्य घायल हो गए। यह घटना तब हुई जब सैकड़ों अफगान नागरिकों ने पाकिस्तान के हवाई हमलों के खिलाफ प्रदर्शन किया। दोनों देशों के सुरक्षा अधिकारियों ने बताया कि सीमा पर भारी हथियारों के साथ झड़पें हुईं। यह झड़पें पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत और अफगानिस्तान के खोस्त प्रांत ▶10पर

राष्ट्रगान अपमान : राज्यपाल रवि ने विधानसभा में अभिभाषण का किया बहिष्कार

चेन्नई, 6 जनवरी (एजेंसियां) । तमिलनाडु के राज्यपाल आरएन रवि विधानसभा सत्र के दौरान राष्ट्रगान के कथित अपमान से नाराज हो गए और विधानसभा सत्र को बिना संबोधित किए ही सदन से चले गए। तमिलनाडु विधानसभा के साल 2025 के पहले विधानसभा सत्र की सोमवार से शुरुआत हुई। नियमों के तहत विधानसभा सत्र की शुरुआत राज्यपाल आरएन रवि के संबोधन से होनी थी। मीडिया

रिपोर्ट्स के अनुसार, विधानसभा सत्र की शुरुआत में तमिलनाडु सरकार के राज्य गीत तमिल थाई वजथु का गायन हुआ।

मीडिया रिपोर्ट्स में कहा गया है कि राज्यपाल आरएन रवि ने तमिलनाडु के राज्य गीत के बाद राष्ट्रगान वादन की मांग की, लेकिन उनकी मांग नहीं मानी गई। इस बात से राज्यपाल इस कदर नाराज हो गए कि विधानसभा सत्र को संबोधित किए बिना ही सदन से चले गए। तमिलनाडु राजभवन ने पूरे विवाद पर बयान जारी किया है। सोशल मीडिया पर साझा बयान में राजभवन ने कहा कि 'भारत के संविधान और राष्ट्रगान का एक बार फिर तमिलनाडु विधानसभा में अपमान हुआ है। संविधान में पहला मौलिक कर्तव्य राष्ट्रगान का सम्मान बताया गया है। सभी राज्य विधानसभाओं में सत्र की शुरुआत और समापन पर राष्ट्रगान का गायन होता है। आज सदन में राज्यपाल के आने पर सिर्फ तमिल थाई वजथु का ही गायन हुआ। ▶10पर

बीजापुर में सुरक्षाबलों की गाड़ी पर नक्सलियों का हमला, 8 जवान शहीद

बीजापुर (छत्तीसगढ़), 6 जनवरी (एजेंसियां)। एक हैरान करने वाली घटना में, सोमवार को छत्तीसगढ़ के बीजापुर में नक्सलियों ने आईईडी विस्फोटक का उपयोग करके अपने वाहन को उड़ा दिया, जिसमें आठ जवान और एक ड्राइवर की मौत हो गई। पुलिस अधिकारियों ने इस बात की जानकारी दी है। विस्फोट में कई अन्य लोगों के घायल होने की खबर है। शुरुआती जानकारी के मुताबिक, यह धमाका बीजापुर

जिले के बेदरे-कुटरू रोड पर उस वक्त हुआ जब जवान एक ऑपरेशन से लौट रहे थे। हताहतों की संख्या और बढ़ सकती है।

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि पूरा देश जानता है कि हमारी सरकार को सत्ता में आये एक साल से ज्यादा हो गया है। हमारे जवान नक्सलवाद के खिलाफ मजबूती से लड़ रहे हैं, केंद्रीय गृह मंत्री भी मार्च 2026 तक नक्सलवाद को खत्म करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। मुझे विश्वास है कि उनका संकल्प पूरा होगा। बीजापुर आईईडी ब्लास्ट पर आईजी बस्तर पी सुंदरराज ने कहा कि पिछले 3 दिनों से नारायणपुर जिले, दंतेवाड़ा और बीजापुर क्षेत्र में नक्सल विरोधी अभियान चल रहा था। इस ऑपरेशन के दौरान हमने 5 नक्सलियों के शव बरामद किए थे और एक जवान की जान चली गई थी। उन्होंने कहा कि जब टीम वापस लौट रही थी तो बीजापुर के अंबेली इलाके में नक्सलियों ने आईईडी ब्लास्ट किया था।

▶10पर

असम के दीमा हसाओ में कोयला खदान में कई लोग फंसे!

दीमा हसाओ (असम), 6 जनवरी (एजेंसियां) । अधिकारियों ने सोमवार को कहा कि असम के दीमा हसाओ जिले में एक कोयला खदान के अंदर कई लोगों के फंसे होने की आशंका है।

अधिकारियों के अनुसार, यह घटना जिले के उमरंगसो इलाके में एक कोयला खदान में हुई। दीमा हसाओ जिले के उमरंगसो इलाके में एक कोयला खदान में कई लोगों के फंसे होने की आशंका है। दीमा हसाओ के पुलिस अधीक्षक (एसपी) मयंक कुमार झा ने एएनआई को बताया कि हम अभी सटीक संख्या नहीं बता सकते । विस्तृत जानकारी का इंतजार है।

एचएमपीवी के बढ़ते मामलों लेकर सरकार अलर्ट

मंत्रालय ने जारी की एडवाइजरी, अस्पतालों को अलर्ट मोड में रहने के आदेश

नई दिल्ली, 6 जनवरी (एजेंसियां) । ह्यूमन मेटान्यूमोवायरस (एचएमपीवी) ने दुनिया में दहशत पैदा कर दी है। लोगों के मन में सवाल उठने लगा है कि क्या एक बार फिर कोरोना जैसा कहर लोगों पर टूटने वाला है। कोरोना महामारी से अभी दुनिया पूरी तरह उबरी नहीं है कि एचएमपीवी नाम के इस नए वायरस ने लोगों को डरा दिया है। भारत में इसके चार मामले सामने आ चुके हैं। दो मामले कर्नाटक में मिले हैं, तीसरा केस गुजरात के अहमदाबाद में और चौथा कोलकाता में सामने आया है।

देश और दुनिया भर में स्थिति को बिगड़ता देख अब केंद्र सरकार पूरी तरह से अलर्ट हो गई है। अधिकारियों को दिशा-निर्देश जारी किए जा रहे हैं। स्वास्थ्य विभाग की ओर से एचएमपीवी को लेकर लोगों के लिए एडवाइजरी जारी की गई है। इस

एडवाइजरी में बताया गया है कि लोगों को क्या करना चाहिए और क्या नहीं करना चाहिए। भारत में एचएमपीवी के दस्तक के बाद स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा है कि इसे लेकर पैनिक होने की जरुरत नहीं है। ये वायरस भारत में पहले से ही मौजूद है। फिलहाल हेल्थ मिनिस्ट्री पूरे मामले को मॉनिटर कर रही है और लोगों को भी सावधानी बरतने की सलाह दी गई है।

एडवाइजरी में कहा गया है कि बीमारी को लेकर समुचित हाईजीन का पूरा ख्याल रखा जाए। इसके अलावा गंभीर मरीजों के लिए किसी भी तरह से वेंटिलेटर की कमी न हो, इसके लिए पहले से सुनिश्चित कर लें। हर तरह से डॉक्टर और पैरामेडिकल स्टाफ को तैयार कर के रखें। सरकार ने इसके लिए हेल्पलाइन नंबर भी बनाया है। हेल्पलाइन नंबर है- डीजीएचएस, मुख्यालय का हेल्पलाइन नंबर - 011-22307145, 011-22300012. वहीं, कोलकाता में एचएमपीवी वायरस से पीड़ित साढ़े 5 महीने की बच्ची ठीक हो गई है। उसका एक प्राइ-वेट अस्पताल में चल रहा था। स्वस्थ होने के बाद वह मुंबई लौट गई है। 12 नवंबर को मुंबई निवासी एक बच्ची को बाईपास के एक प्राइवेट अस्पताल में ▶10पर

भारत दौरे पर आए अमेरिकी एनएसए सुलिवन का बड़ा बयान

असैन्य परमाणु सहयोग में बाधाओं को दूर करने के लिए अमेरिका उठा रहा है कदम

नई दिल्ली, 6 जनवरी (एजेंसियां) । राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेक सुलिवन ने अपनी भारत यात्रा के दौरान घोषणा की कि संयुक्त राज्य अमेरिका भारतीय परमाणु संस्थाओं और अमेरिकी कंपनियों के बीच नागरिक परमाणु सहयोग में बाधा डालने वाले लंबे समय से चले आ रहे नियमों को हटाने को अंतिम रूप दे रहा है। सुलिवन ने इस कदम को द्विपक्षीय साझेदारी को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया, जिसके बारे में उन्होंने कहा कि यह लंबे समय से अपेक्षित था।

सुलिवन ने कहा कि पूर्व राष्ट्रपति बुश और पूर्व प्रधान मंत्री मनमोहन सिंह ने लगभग 20 साल पहले असैन्य परमाणु सहयोग का एक दृष्टिकोण रखा था, लेकिन हमें अभी भी इसे पूरी तरह से साकार नहीं किया जा सका है। उन्होंने कहा कि बिडेन प्रशासन ने निर्धारित किया है कि अगला कदम उठाने का समय आ गया है। उन्होंने पुष्टि की कि आवश्यक कागजी कार्रवाई को अंतिम रूप दिया जा रहा है, जिससे पहले से प्रतिबंधित अमेरिकी सूची में शामिल भारतीय संस्थाओं को अमेरिकी निजी क्षेत्र के खिलाड़ियों, वैज्ञानिकों और प्रौद्योगिकीविदों के साथ सहयोग करने में सक्षम बनाया जा सकेगा।

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 78,980/- (प्रति 10 ग्राम)

चाँदी : 90,500/- (प्रति किलोग्राम)

मौसम बेंगलूरु

अधिकतम : 30⁰

न्यूनतम : 19⁰

औपनिवेशिक युग के आपराधिक कानूनों की जगह पर तीन नये आपराधिक कानून लागू

नई दिल्ली, 6 जनवरी (एजेंसियां) । एक सदी से भी अधिक पुराने तीन औपनिवेशिक युग के आपराधिक कानूनों की जगह पर वर्ष 2024 में तीन नए आपराधिक कानून- भारतीय न्याय संहिता 2023, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 और भारतीय साक्ष्य अधिनियम 2023 को लागू किया गया।

केंद्रीय विधि एवं न्याय मंत्रालय का कहना है कि ये कानून पहले के उन कानूनों की जगह हुए बड़े बदलाव को दर्शाते हैं, जिनका उद्देश्य औपनिवेशिक हितों को पूरा करना था। उनका निरस्तीकरण उस विरासत के अवशेषों को हटाने की दिशा में एक और कदम है। तीनों कानूनों को एक जुलाई 2024 से लागू किए जाने से पहले विभाग ने नए कानूनों के कार्यान्वयन में शामिल सभी हितधारकों के लिए आपराधिक न्याय प्रणाली के प्रशासन में भारत का प्रगतिशील पथ' विषय पर सम्मेलनों की श्रृंखला आयोजित की। ये सम्मेलन अप्रैल से जून 2024 तक नई दिल्ली, गुवाहाटी, कोलकाता, चेन्नई और मुंबई में आयोजित किए गए। इनमें बड़ी संख्या में लोगों और प्रतिष्ठित अतिथियों ने भाग लिया। इन सम्मेलनों में भारत के मुख्य न्यायाधीश, माननीय विधि एवं न्याय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), विभिन्न राज्यों के माननीय राज्यपाल और माननीय मंत्री, सर्वोच्च न्यायालय के माननीय न्यायाधीश, ▶10पर

'एक राष्ट्र, एक चुनाव' विधेयक

2024 में केंद्रीय विधि एवं न्याय मंत्रालय की उल्लेखनीय उपलब्धि

नई दिल्ली, 6 जनवरी (एजेंसियां) । केंद्रीय विधि एवं न्याय मंत्रालय के लिए एक राष्ट्र, एक चुनाव संविधान संशोधन विधेयक को लोक सभा में पेश किया जाना वर्ष 2024 उल्लेखनीय उपलब्धियों में रहा।

देश में त्रिस्तरीय चुनाव एक साथ कराने पर सिफारिश के लिए पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की अध्यक्षता में गठित उच्च स्तरीय समिति ने पिछले साल 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' से संबंधित अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत की थी। उसके आधार पर कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने संसद के गत शीतकालीन सत्र में 17 दिसंबर, 2024 को 129 वें विधेयक को लोक सभा में रखा।लोक सभा में इसको पेश किए जाने का कांग्रेस समेत सभी विपक्षी दलों के इस विधेयक को प्रस्तुत किए जाने का विरोध किया था। इस पर सदन में काफी तीखी बहस के बाद इसे व्यापक समीक्षा के लिए संसद के दोनों सदनों (लोक सभा और राज्य सभा) की संयुक्त संसदीय समिति को भेज दिया गया है।

इस विधेयक में संविधान के अनुच्छेद 82ए (लोक सभा और विधान सभाओं के चुनाव एक साथ कराने की व्यवस्था) जोड़ने तथा अनुच्छेद 172 और अनुच्छेद 327 में संशोधन के प्रस्ताव हैं। ▶10पर

कार्टून कॉर्नर

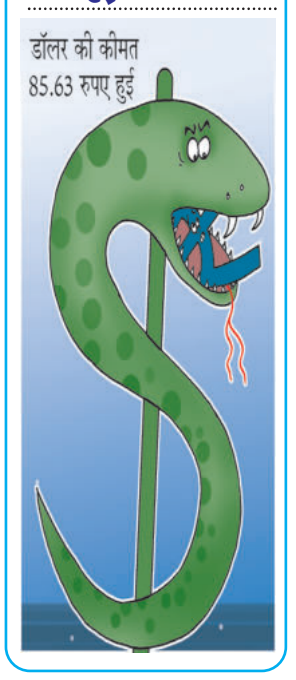

श्री उत्सव मेला का आयोजन

महिलाओं के सशक्तिकरण का यह प्रयास भविष्य का शुभ सूचक: एम.जी बालकृष्ण

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। एबीटीएमएम द्वारा निर्देशित महिलाओं के सशक्तिकरण, आत्मनिर्भर आत्मविश्वास को और पुष्ट करने के उद्देश्य से श्री उत्सव, एक कदम स्वावलंबन की ओर, मेला का आयोजन तेरापंथ महिला मंडल आर.आर नगर द्वारा आर.आर नगर तेरापंथ भवन में किया गया। श्री उत्सव का उद्घाटन उम्मेद अजय जय पटावरी परिवार ने किया। मंडल की बहनों द्वारा प्रेरणा गीत से मंगलाचरण का संगान हुआ। अध्यक्ष सुमन पटावरी ने सभी का स्वागत करते हुए श्री उत्सव से जुड़े सभी कार्यकर्ताओं की प्रशंसा की। मुख्य अतिथि के रूप में एफकेसीसीआई के अध्यक्ष एम.जी बालकृष्ण एवं डायरेक्टर पी.ए राजपुरोहित पहुंचे थे, जिनका परिचय रश्मि बोथरा ने दिया। मुख्य अतिथियों ने मंडल के प्रति शुभकामनाएं संप्रेषित की। मंडल द्वारा महिलाओं के सशक्तिकरण के इस प्रयास को उन्होंने भविष्य के लिए शुभ सूचक बताया। अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल की परामर्शक लता जैन, कार्यकारिणी सदस्य मधु कटारिया, वीना बैद, पूर्व अध्यक्ष कंचन छाजेड़, सरोज आर. बैद, लता बाफना ने संगठित श्रम से गौरव की अनुभूति की बात रखी।

तेरापंथ सभा ट्रस्ट अध्यक्ष मनोज डागा, सभा अध्यक्ष राकेश छाजेड़, युवक परिषद अध्यक्ष बिकास छाजेड़ ने अपने विचार व्यक्त किए। अतिथि के रूप में जीतो नॉर्थ विंग की अध्यक्ष लक्ष्मी बाफना, ईएनटी स्पेशलिस्ट डॉक्टर मीरा देवी भी उपस्थित रहीं। सदस्यों द्वारा विविध प्रकार के 50 स्टॉल लगाए गए। डिजाइनर कुर्ती, साड़ी, बेड शीट, हस्त निर्मित वस्तुएं, टैरोट रीडिंग, कैनवस पेंटिंग, रियल एस्टेट, मंडाला आर्ट, बच्चों के लिए खेल मेले का मुख्य आकर्षण रहा। विविध प्रकार के पकवान के स्टॉल भी लगाए गए थे। बेंगलूरु के अतिरिक्त अन्य शहरों की महिला उद्यमी ने भी प्रदर्शनी में भाग लिया। कुछ जरूरतमंद महिलाओं को स्वावलंबित करने के लिए स्टॉल निशुल्क भी दिए गए। महिलाओं के लिए सर्वाइकल कैंसर परीक्षण पैकेज पर 50 प्रतिशत की छूट दी गयी। प्रति घंटे लकी ड्रॉ रखा गया। अंत में बंपर ड्रॉ भी किया गया, जिसमें आकर्षक इनाम दिए गए। आ.भा.ते.यु.प उपाध्यक्ष पवन मंडोत एवं कार्यकारिणी सदस्य, बजरंग जैन, सुरक्षा मुणोत, विमल कटारिया, संजय बैद, बिंदु राय सोनी के आने से प्रदर्शनी की शोभा बढ़ी। श्री उत्सव को भव्य और आकर्षक रूप देने में सुनील नाहटा, सिलवोरियम, विमल बाठिया, पारस बाफना, सुरेश दक, बजरंग कुंडलिया, राजेश चावत, उम्मेद नाहटा, उत्तमचंद प्रवीण गन्ना, शुभकरण भंसाली, कमल पटावरी, रंजीत चौरडिया, पदम श्यामसुखा, सिपानी ज्वेलर्स, झिनकार देवी चौरडिया, अरुण कोठारी, सुशीला देवी दुगड़ और नवीन बेगानी का आर्थिक सौजन्य प्राप्त हुआ। संयोजिका आशा लोढा एवं सह-संयोजिका श्वेता कोठारी ने मेले को आकर्षक एवं व्यवस्थित भव्य रूप दिया। स्टॉल बुकिंग में निशा छाजेड़ एवं दीप-ाली गोलछा का सहयोग रहा। रुचिका पटावरी का पूर्ण सहयोग रहा। सुंदर संचालन आशा लोढ़ा एवं श्वेता कोठारी ने किया। प्रदर्शनी में लगभग हजार लोगों की उपस्थिति रही। मंत्री पदमा महेर ने सभी का आभार व्यक्त किया।

बिग ब्रांड सूत्र कार्यक्रम का सफल आयोजन

बिग ब्रांड सूत्र जीतो बेंगलूरु नॉर्थ चैप्टर के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि: विमल कटारिया

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। जीतो बेंगलूरु नॉर्थ चैप्टर के तत्वावधान में रेस कोर्स रोड में स्थित एक होटल में बिग ब्रांड सूत्र कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। इस विशेष सत्र में देश के प्रख्यात ब्रांडिंग विशेषज्ञ हिमाद्री शैलेंद्र सिन्हा ने अपनी उपस्थिति से कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई।

कार्यक्रम की शुरुआत नवकार मंत्र के मंगल उच्चारण और दीप प्रज्वलन के साथ हुई। जीतो बेंगलूरु नॉर्थ चैप्टर के चेयरमैन विमल कटारिया, महामंत्री विजय सिंघवी और पूरी टीम की उपस्थिति में इस कार्यक्रम का उद्घाटन किया गया। विमल कटारिया ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की और सभी उप-स्थित सदस्यों का हार्दिक स्वागत किया। कार्यक्रम में पर्सनल ब्रांडिंग, बिजनेस ब्रांडिंग और प्रोफेशनल ब्रांडिंग के विभिन्न पहलुओं पर गहन चर्चा की गई। मुख्य वक्ता हिमाद्री शैलेंद्र सिन्हा ने कहा आज के समय में ब्रांडिंग केवल कंपनियों तक सीमित नहीं है, बल्कि हर व्यक्ति का अपना व्यक्तिगत ब्रांड होता है। सही ब्रांडिंग रणनीति हमें प्रतिस्पर्धा में अलग पहचान दिलाती है और अवसरों के नए द्वार खोलती है। उन्होंने बताया कि पर्सनल, बिजनेस और प्रोफेशनल ब्रांडिंग के माध्यम से व्यक्ति अपने करियर और व्यवसाय को नई ऊंचाइयों तक ले जा सकता है। सिन्हा ने कई महत्वपूर्ण रणनीतियाँ साझा कीं, जो प्रतिभागियों के व्यक्तिगत और व्यावसायिक विकास के लिए लाभकारी सिद्ध होंगी। विमल कटारिया ने कहा बिग ब्रांड सूत्र जीतो बेंगलूरु नॉर्थ चैप्टर के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। हिमाद्री शैलेंद्र सिन्हा जैसे अनुभवी विशेषज्ञ ने हमारे मंच से जो ज्ञान साझा किया, वह हमारे व्यवसायों और व्यक्तिगत विकास में सहायक होगा। महामंत्री विजय सिंघवी ने कहा आज के प्रतिस्पर्धात्मक युग में खुद को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करना आवश्यक है।

इस कार्यक्रम के माध्यम से हमें ब्रांडिंग के महत्व को समझने का सुनहरा अवसर मिला। कार्यक्रम का संचालन मुख्य सचिव विजय सिंघवी ने प्रभावशाली ढंग से किया। संयोजक सतीश पोरवाल ने ब्रांडिंग के महत्व पर प्रकाश डाला, जबकि सह-संयोजक प्रमित बाफना ने आयोजन की सफलता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस आयोजन में बड़ी संख्या में उद्योगपति, पेशेवर और युवा उद्यमियों ने भाग लिया। प्रतिभागियों ने कार्यक्रम को अत्यंत लाभकारी बताया और इसे एक महत्वपूर्ण नेटवर्किंग अवसर माना। कार्यक्रम के अंत में अशोक भंडारी ने आभार व्यक्त किया। जीतो बेंगलूरु नॉर्थ ने भविष्य में भी ऐसे ज्ञानवर्धक और प्रेरणादायक कार्यक्रम आयोजित करने का संकल्प लिया। आगामी सत्रों में नए कार्यक्रमों की भी घोषणा की गई। इस आयोजन में जीतो पूर्व अध्यक्ष प्रकाशचंद सिंघवी, दिनेश बोहरा, जीतो एपेक्स मंत्री श्रीपाल बछावत, केकेजी जोन महामंत्री दिलीप जैन, जयचंद बाफना, जेएलडब्लू अध्यक्षा लक्ष्मी बाफना सहित कई प्रतिष्ठित गणमान्य व्यक्ति उप-स्थित थे। बिग ब्रांड सूत्र कार्यक्रम जीतो बेंगलूरु नॉर्थ की उद्यमशीलता को बढ़ावा देने और सदस्यों को सशक्त बनाने की प्रतिबद्धता का प्रतीक है।

भारत म्हारो नाम का ऑडियो रिलीज

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। राजस्थान के पाली जिले के लाम्बिया गांव में संत गुलाराम आश्रम में आयोजित मेला सत्संग समारोह में हजारों श्रद्धालुओं की उपस्थिति में फिल्म निर्माता महेंद्र मुणोत, संत सुरजन दास, पुखराज पटेल, पाली नगर निगम की पूर्व महापौर रेखा भाटी, संत गुलाराम, आश्रम के अध्यक्ष मोहनलाल भायल एवं अन्य लोगों ने मैं भारत हूं फाउंडेशन भारतीय संस्कृति की ओर अग्रसर द्वारा राजस्थानी भाषा में भारत नाम सम्मान गीत भारत म्हारो नाम का ऑडियो रिलीज किया।

मैं भारत हूं फाउंडेशन के अध्यक्ष विजय कुमार जैन पिछले एक दशक से भारत को भारत ही बोले जन जागृति अभियान चला रहे हैं। लेखिका लता हया की रचना, दिलीप सेन द्वारा संगीत बद्ध, विजय कुमार जैन की अवधारणा भारत मेरा नाम हिंदी गीत को प्रसिद्ध गायक मोहम्मद सलामत एवं रेखा राव ने आवाज दी। जिसके ऑडियो का निर्माण अरुण मुंद्रा हॉस्टन एवं वीडियो निर्माण आनंद सिनेमा के बैनर तले हुआ। जिसमें मुख्य भूमिका महेंद्र मुणोत एवं कोमल विवेक जैन ने निभाई। इस गीत को दर्शकों से भरपूर सराहना मिली। लेखिका लाता हया ने ही इस गीत को राजस्थानी में अनुवादित किया। गायक दीपक एवं गायिका रेखा राव ने आवाज दी, जिसका ऑडियो कार्यक्रम में प्रसारित किया गया।

नववर्ष के उल्लास से सजी काव्य संध्या

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। राष्ट्रीय चेतना परिवार अभिव्यक्ति काव्य मंच की 34वीं काव्य गोष्ठी का आयोजन रविवार को ऑनलाइन गूगल मीट पर हुआ। सचिव स्वीटी सिंघल ने संचालन की बागडोर सँभालते हुए सभी का स्वागत किया। अनुराधा के. ने कन्नड़ में सभी का स्वागत किया। अभिव्यक्ति मंच की अध्यक्षा डॉ. मंजु गुप्ता लता ने संस्था के उद्देश्यों की जानकारी दी। स्वीटी सिंघल ने कार्यक्रम अध्यक्ष राजेश कुमार श्रीवास्तव का, उपाध्यक्ष अनीता तोमर ने मुख्य अतिथि अनीता पंडा अन्वी का तथा अनुराधा ने विशिष्ट अतिथि डॉ. सांवरमल सांगानेरिया का परिचय दिया। कार्यक्रम का शुभारंभ डॉ. मंजु लता की सुमधुर सरस्वती वंदना से हुआ। काव्य संध्या में मेरठ से वरिष्ठ कवि राम गोपाल भारतीय, मैसूरु से श्रीलाल जोशी, मेंगलूरु से कन्नड़ कवि राममूर्ती सोमनहल्ली के अतिरिक्त बेंगलूरु के अनेक वरिष्ठ कवि-कवयित्रियों की उपस्थित रही, जिसमें लेफ्टिनेंट किशोर सिंह राठौड़, गिरिजा कुलश्रेष्ठ, मृदुला चौहान, रघुबीर अग्रवाल बंधु, सुशील कुमार निर्झर, राधेश्याम यादव सुदर्शन, अमित भारतीय अनंत, मीना गुप्ता, प्रो. सौभाग्य कोराले, उषा गुप्ता, भगवती सक्सेना गौड़, कनु सिंह, ऋचा पाठक, आशा रानी शरण तथा कनक लता तिवारी शामिल थी। सभी प्रतिभागियों ने नववर्ष की शुभकामनाओं के साथ सुन्दर गीत, गजल और कविताओं से समां बाँध दिया। मुख्य अतिथि अनीता पंडा और अध्यक्ष राजेश श्रीवास्तव ने सभी की प्रशंसा करते हुए अपनी उत्कृष्ट रचनाएँ प्रस्तुत कीं। संस्था की संरक्षक डॉ. मैथिली पी. राव ने सफर में होते हुए भी कार्यक्रम में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। मंजु गुप्ता ने सभी का आभार व्यक्त किया तथा राष्ट्रगान के साथ गोष्ठी का समापन हुआ।

श्याम मंदिर के वार्षिकोत्सव पर आज बहेगी भजनों की गंगा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। नेशनल पार्क के सामने खाटू श्याम मन्दिर का बाहरवां वार्षिकोत्सव मंगलवार को बड़े ही धूमधाम से मनाया जाएगा। इस वार्षिकोत्सव के लिए मन्दिर कमेटी पिछले 3-4 महीनों से तैयारियों में लगी हुई है। बेंगलूरु ही नहीं पूरे कर्नाटक से बड़ी संख्या में भक्त अपने बाबा के दर्शन करने को उत्साहित होकर मंदिर पहुँचते है। मन्दिर कमेटी ने बताया कि प्रातः 9 बजे चंद्रप्रकाश रामसिसरिया गौशाला बन्नेरघट्टा से विशाल निशान यात्रा गाजेबाजे के साथ शुरू होगी और खाटू श्याम मन्दिर पहुँच कर बाबा को निशान अर्पण किया जाएगा।

दोपहर 3 बजे से मंदिर प्रांगण में भजनों की गंगा बहेगी जिसमें कोलकाता के भजन प्रवाहक जय शंकर चौधरी व सौरभ शर्मा अपनी प्रस्तुति से रिझाएंगे। इस वार्षिक उत्सव के लिए मन्दिर कमेटी ने आने वाले भक्तों को आराम से दर्शन हो के लिए विभिन्न व्यवस्थाएं की हैं। भक्तों से आह्वान किया है कि मन्दिर कमेटी को सहयोग करें और पूरे मन्दिर परिसर को साफ सुथरा रखें।

पूरे मंदिर परिसर की साज सजावट की गई है। मंदिर के संस्थापक सदस्य रेवंत मल झँवर ने बताया कि इस बार वार्षिकोत्सव खाटू धाम के प्रताप सिंह चौहान के सानिध्य में मनाया जाएगा।

अभिनव सामायिक फेस्टिवल का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद के तत्वावधान में तेयुप एचबीएसटी हनुमंत नगर एवं तेयुप विजयनगर द्वारा अभिनव सामायिक फेस्टिवल का आयोजन युगप्रधान आचार्य श्री महाश्रमण जी की विदुषी सुशिष्या साध्वी सिद्धप्रभा जी के पावन सानिध्य में किया गया। अभातेयुप के वरिष्ठ उपाध्यक्ष पवन मांडोत की अध्यक्षता में तेरापंथ सभा भवन हनुमंतनगर में इसका आयोजन हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत साध्वी के नवकार महामंत्र के मंत्रोचार से हुआ। विजयगीत का संगान महाश्रमण सुर संगम के सदस्यों द्वारा किया गया। तेयुप हनुमंतनगर अध्यक्ष कमलेश झाबक एवं तेयुप विजयनगर के अध्यक्ष कमलेश चोपड़ा ने सभी का स्वागत करते हुए नव वर्ष पर अभिनव सामायिक फेस्टिवल उत्सव विश्व मैत्री के लिए सभी को शुभकामनाएं प्रेषित की। साध्वी सिद्धप्रभा जी ने प्रवचन में कर्म निर्जरा के लिए सामयिक की महत्ता के बारे में प्रेरणा देते हुए, सामायिक विधि की जानकारी बताई। साध्वी आस्थाप्रभा जी ने अभिनव सामयिक का प्रयोग त्रिपदी वंदना विधि, जप का प्रयोग करवाया। पवन मांडोत ने अपने व्यवक्त में कहा कि अभातेयुप के निर्देशन में आज सम्पूर्ण भारत एवं नेपाल में अभिनव सामायिक फेस्टिवल का आयोजन किया जा रहा है। सभा अध्यक्ष गौतम दक ने अपने विचार व्यक्त किये। कार्यक्रम में अभातेयुप से सामायिक साधक कर्नाटक राज्यप्रभारी गौतम खाब्या, सभा मंत्री हेमराज मांडोत, विजयनगर सभा अध्यक्ष मंगल कोचर, महिलामंडल अध्यक्ष सरोज दुगड़, मंत्री मीनाक्षी देरासरिया, ज्ञानशाला से मंजू दक, तेयुप परामर्शक प्रकाश बोल्या, बालचंद चावत, पूर्व अध्यक्ष महावीर चावत, उपाध्यक्ष राहुल मेहता, मंत्री संदीप चौधरी, सहमंत्री प्रथम नवरतन बोल्या, कोषाध्यक्ष धवल बोल्या आदि लोगों की उपस्थिति रही। कार्यक्रम का सफल संचालन तेयुप हनुमंतनगर सहमंत्री रक्षित लोढा ने किया।

श्री जैन मदारिया ओसवाल साजनान संघ कमेटी के अध्यक्ष का अभिनंदन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री जैन मदारिया ओसवाल साजनान संघ, कमेटी के अध्यक्ष ईश्वरमल श्रीमाल अपने संगठन यात्रा के तहत बेंगलूरु पहुंचे। जहां पर बेंगलूरु मदारिया मंत्री मंडल की ओर से उनका स्वागत सम्मान किया गया।

बेंगलूरु मदारिया मंत्री मंडल के अध्यक्ष ललित मांडोत ने बेंगलूरु मदारिया टीम द्वारा अब तक के कार्यो की जानकारी देते हुए शादी में 41 आइटम की सीमा, दिन में शादी का रिसेप्शन, शादी में जमीकंद रहित भोजन, गुप्त चिकित्सा सेवा आदि संस्था द्वारा लिए गए निर्णय की विस्तृत जानकारी प्रदान की। विभिन्न प्रकल्पों के संयोजकों की जानकारी व सभी संयोजकों द्वारा दायित्व निर्वहन के आश्वासन की जानकारी दी। अध्यक्ष ईश्वरमल श्रीमाल ने बेंगलूरु टीम द्वारा हर एक क्षेत्र की गई संगठन यात्रा की प्रशंसा करते हुए कहा कि किसी भी संस्था द्वारा यह कार्य प्रथम बार हुआ कि हर वार्ड में अध्यक्ष व टीम स्वयं पहुंचकर जागरूकता का परिचय दे रहे हैं। पूरे बेंगलूरु मदारिया समाज को जोड़ने का यह प्रयत्न प्रशंसनीय है एवं पूरे भारत में इसका अनुसरण रहेगा। संगठन मंत्री प्रवीण दक के संगठन के क्षेत्र में कार्यो की प्रशंसा की। धर्मीचंद बम्बकी को सरक्षक, मूलचंद पोरवाड़ को उपाध्यक्ष, सुरेश दक को परामर्शक एवं प्रवीण दक को श्री जैन मदारिया ओसवाल साजनान संघ, कमेटी के मंत्री पद पर स्थान दिया। उपाध्यक्ष सुरेश मेहता, सरक्षक धर्मचंद बंबकी ने अपने विचार रखे। मेवाड़ रेल विकास परिषद, बेंगलूरु के अध्यक्ष प्रकाश मांडोत ने मेवाड़ प्रांत में मदारिया क्षेत्र में रेल की सुलभ यात्रा हेतु भारत सरकार द्वारा रेल व्यवस्था की जानकारी दी। इस अवसर पर वरिष्ठ पर्यवेक्षक सुवालाल दक, भवरलाल पीतलिया, बाबुलाल दक, उपाध्यक्ष मूलचंद पोरवार, तेजमल दक, शांतिलाल मेहता, संगठन मंत्री प्रवीण दक, प्रचार प्रसार मंत्री प्रवीण बोहरा, मेडिकेयर से अमृत दलाल सहित कैबिनेट टीम की विशेष उपस्थिति रही।

दिव्यांगों को दिए कृत्रिम पैर

हुब्बल्ली/शुभ लाभ ब्यूरो। ऑल इंडिया जैन युथ फेडरेशन महावीर लिंब सेंटर के निदेशक दिवंगत जितेंद्र पोरवाल के जन्मदिन के अवसर पर महावीर लिंब सेंटर द्वारा जरूरतमंद दिव्यांगों को कृत्रिम पैर प्रदान किये गए। शिविर का उद्घाटन पोरवाल के पुत्र योजित पोरवाल और महावीर लिंब सेंटर के संस्थापक अध्यक्ष महेन्द्र सिंघी ने दिव्यांगों को कृत्रिम पैर प्रदान कर किया। फेडरेशन के संस्थापक अध्यक्ष महेंद्र सिंघी ने अपने उद्बोधन में कहा कि दिवंगत जीतू भाई सदैव महावीर लिंब सेंटर में सेवा कार्य के लिए तत्पर रहते थे। हुब्बल्ली ही नहीं हुब्बल्ली के बाहर भी कोई भी शिविर आयोजित किया जाता तो वे सदैव साथ जाने के लिए तत्पर रहते थे। उनका निधन हम सभी के लिए एक गहरी क्षति है। फेडरेशन के कार्यदर्शी प्रकाश कटारिया ने कहा वे सदैव मुस्कुराते रहते थे और दूसरों की मदद के लिए हमेशा तत्पर रहते थे। उनका हंसमुख और मिलनसार स्वभाव हर किसी को प्रभावित करता था। इस अवसर पर लिंब सेंटर के कन्वीनर सुभाष चंद्रा डंक सहित अन्य सदस्य व पदाधिकारी उपस्थित थे।

बोम्मई ने 60 प्रतिशत कमीशन का सबूत मांगने पर सिद्धरामैया की आलोचना की

40 प्रतिशत के दावे पर उठाए सवाल

हुब्बल्ली/शुभ लाभ ब्यूरो।

गरीबों को मकान बांटने में 60 प्रतिशत कमीशन लेने के मामले में केंद्रीय मंत्री और जेडीएस नेता एच.डी. कुमारस्वामी से सबूत मांगने के लिए मुख्यमंत्री सिद्धरामैया पर हमला बोलते हुए भाजपा नेता और पूर्व मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई ने सोमवार को जानना चाहा कि क्या सिद्धरामैया या कांग्रेस नेताओं ने उनकी सरकार के खिलाफ 40 प्रतिशत कमीशन लेने के मामले में कोई सबूत दिया है। यहां सोमवार को मीडियाकर्मियों से बात करते हुए उन्होंने कहा सिद्धरामैया का कुमारस्वामी से सबूत मांगना हास्यास्पद है, जबकि उन्होंने या उनकी पार्टी के नेताओं ने भाजपा सरकार के खिलाफ 40 प्रतिशत कमीशन लेने के मामले में कोई सबूत नहीं दिया है। हावेरी के भाजपा सांसद ने कहा कि कांग्रेस सरकार में सभी विभागों में भ्रष्टाचार व्याप्त है और विकास संबंधी कोई भी गतिविधि नहीं हो रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस शासन में ठेकेदार और लोग भ्रष्टाचार का बोझ महसूस कर रहे हैं। कांग्रेस पार्टी के इस दावे पर कि सरकार ने गारंटी के अपने चुनावी वादों को लागू किया है, बोम्मई ने कहा कि लोग परेशान हैं क्योंकि गारंटी के तहत मिलने वाले लाभ लाभार्थियों तक नहीं पहुँच रहे हैं। झूठे वादों वाली कांग्रेस सरकार के विपरीत, उन्होंने कहा कि बी एस येदियुरप्पा सरकार ने किसानों के सिंचाई पंपसेट के लिए मुफ्त बिजली और बालिकाओं के लिए भाग्यलक्ष्मी योजना लागू की है। उन्होंने कहा कि भाजपा ने किसानों के बच्चों के लिए विद्यानिधि योजना शुरू की है। भाजपा नेता ने डॉ. बी आर अंबेडकर के नाम का जाप करने संबंधी टिप्पणी को लेकर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर निशाना साधने के लिए कांग्रेस पार्टी की आलोचना की। बोम्मई ने कहा कि कांग्रेस का विरोध निरर्थक है क्योंकि पूरा देश जानता है कि पार्टी ने भारतीय संविधान के निर्माता के जीवित रहते उनके साथ कैसा व्यवहार किया था। कांग्रेस नेता अपनी कमियों और डॉ. अंबेडकर के अपमान को छिपाने के लिए अमित शाह पर निशाना साध रहे हैं। उन्होंने कहा अगर कांग्रेस वास्तव में डॉ. अंबेडकर के बारे में चिंतित है, तो पार्टी को अतीत में कांग्रेस नेताओं की गलतियों के लिए पश्चाताप करना चाहिए। बोम्मई ने बस किराए में 15 प्रतिशत की वृद्धि के लिए सरकार पर निशाना साधा और इसे जनविरोधी बताया। उन्होंने कहा कि राज्य में बस किराए में वृद्धि की तुलना भारतीय रेलवे के किराए में वृद्धि से नहीं की जा सकती। उन्होंने मुख्यमंत्री से कहा कि वे बेमतलब के मुद्दे उठाकर ध्यान भटकाने की कोशिश करने के बजाय राज्य के लोगों की समस्याओं पर ध्यान दें। उन्होंने कहा कि उचित सड़कें और कुशल सार्वजनिक परिवहन प्रणाली प्रदान करने के बजाय, सरकार द्वारा सड़कों पर गड्ढों का बचाव करते हुए यह कहना हास्यास्पद है कि चांद पर भी गड्ढे हैं। बाद में वे हावेरी जिले के हनागल तालुक में 6 करोड़ रुपये की लागत से शुरू किए गए पदुबिद्री-चिक्कलगुड्डा सड़क कार्यों का निरीक्षण करने गए।

बिना दस्तावेज के आरोप लगाना विपक्षी नेताओं के लिए सही नहीं

इससे पहले राज्य के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने केंद्रीय मंत्री एचडी कुमारस्वामी को चुनौती दी है, जिन्होंने आरोप लगाया है कि राज्य में 60 प्रतिशत कमीशन का कारोबार चल रहा है। यहां पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि बिना दस्तावेज के आरोप लगाना विपक्षी नेताओं के लिए सही नहीं है। यदि भ्रष्टाचार और 60 प्रतिशत कमीशन का धंधा चल रहा है तो उसे दस्तावेजों से साबित करना चाहिए। उन्होंने कहा कि बिना दस्तावेजों के जुबानी तौर पर आरोप लगाना ठीक नहीं है। उन्होंने कहा कि वह मार्च महीने में राज्य का बजट पेश करेंगे और इसकी तैयारी के लिए प्रारंभिक चर्चा शुरू करने के बाद इसकी जानकारी देंगे। ट्रांसपोर्ट कंपनियों के किराये में बढ़ोतरी तो हुई ही है। बस खरीद मूल्य और कर्मचारियों के वेतन में भी वृद्धि हुई है। बस किराए को 2015 में संशोधित किया गया था। उन्होंने कहा कि लंबे समय से किराया संशोधन की मांग हो रही थी क्योंकि परिवहन निगम संकट में थे। राज्य सरकार ने किराये में बढ़ोतरी को मंजूरी दे दी है। उन्होंने कहा कि इस पर आलोचना करने वाले भाजपा और जेडीएस ने किराया नहीं बढ़ाया?

भाजपा एमएलसी के नाम पर तीन लोगों को पार्सल भेजने के आरोप में युवक गिरफ्तार

शिवमोग्गा/शुभ लाभ ब्यूरो।

शिवमोग्गा पुलिस ने भाजपा एमएलसी डॉ. धनंजय सरजी के नाम से शिवमोग्गा में तीन लोगों को संदिग्ध पार्सल भेजने के आरोप में भद्रावती से एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। शिवमोग्गा निवासी 26 वर्षीय आरोपी सौहार्द पटेल ने कथित तौर पर राष्ट्रीय शिक्षा संस्थान के सचिव एस.एन. नागराज और शहर के दो मनोचिकित्सकों को पार्सल भेजे थे। पार्सल मिठाई के डिब्बे जैसे दिख रहे थे, जिस पर भाजपा विधायक की ओर से नए साल की शुभकामनाएं लिखी हुई थीं। नागराज को डिब्बे में रखी मिठाई बहुत खट्टी लगी, तो उन्होंने धनंजय सरजी को इसकी जानकारी दी, जिन्होंने बताया कि उन्होंने कोई डिब्बा नहीं भेजा है। बाद में शिवमोग्गा में कोटे पुलिस में शिकायत दर्ज कराई गई। जांच के बाद पुलिस ने पाया कि सौहार्द पटेल ने तीनों के साथ व्यक्तिगत मतभेदों के चलते दवा मिली मिठाई पैक की थी। वह नागराज से तब से नाराज था, जब वह सोसायटी द्वारा संचालित एक कॉलेज में छात्र था। नागराज ने कथित तौर पर कॉलेज में उसके आचरण को लेकर उसे डांटा था। पुलिस को पता चला कि सौहार्द पटेल डिप्रेशन का इलाज करवा रहा था। उसने पहले मनोचिकित्सकों से सलाह ली थी, जिन्हें उसने डिप्रेशन के इलाज के लिए इस्तेमाल की जाने वाली गोलियों से भरी मिठाइयों से भरे डिब्बे भेजे थे। उसने धनंजय सरजी के नाम से पार्सल भेजने के लिए भद्रावती में एक कूरियर सेवा एजेंसी का इस्तेमाल किया। उसने सोचा कि अगर पार्सल भाजपा विधायक के नाम से भेजा गया तो रिसीवर उसे गंभीरता से लेंगे। आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

एचएमपीवी चिंता का विषय नहीं, यह एक मौजूदा वायरस: स्वास्थ्य मंत्री

बच्चे का कोई यात्रा इतिहास नहीं था

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक के स्वास्थ्य मंत्री दिनेश गुंडू राव ने सोमवार को कहा कि एचएमपीवी चिंता का विषय नहीं है क्योंकि यह एक मौजूदा वायरस है, और यह कहना सही नहीं है कि कर्नाटक में एचएमपीवी के पहले मामले सामने आए हैं। यहां मीडियाकर्मियों से बात करते हुए उन्होंने कहा रिपोर्टें सामने आई हैं कि भारत में एचएमपीवी का यह पहला मामला है, जो सच नहीं है क्योंकि एचएमपीवी एक मौजूदा वायरस है और कुछ प्रतिशत लोग इससे प्रभावित होते हैं और यह कोई नई बात नहीं है। वायरस के लिए सकारात्मक परीक्षण करने वाले आठ महीने के शिशु के मामले का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि बच्चे का कोई यात्रा इतिहास नहीं था।

वे (परिवार) स्थानीय लोग हैं और वे चीन या मलेशिया या किसी अन्य देश से नहीं आ रहे हैं। इसलिए मुझे नहीं लगता कि इसका इससे कोई संबंध है। वे कह रहे हैं कि चीन में प्रकोप एचएमपीवी के एक नए प्रकार के कारण है।

हमारे पास पूरी जानकारी नहीं है, और भारत सरकार ने अभी तक हमें पूरी जानकारी नहीं दी है और शायद वे और जानकारी प्राप्त करने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि एचएमपीवी लंबे समय से मौजूद है, जिससे सर्दी और खांसी के फ्लू जैसे लक्षण होते हैं। यह एक स्व-सीमित वायरस है, इसलिए यह कुछ समय बाद ठीक हो जाता है। मुझे नहीं लगता कि हमें इसे पहला मामला कहना चाहिए। मुझे लगता है कि इसे रिपोर्ट करने का यह गलत तरीका है।

गुंडू राव ने यह भी कहा कि केंद्र इस मुद्दे को देख रहा है और कोई भी अनावश्यक तूफान या दहशत पैदा नहीं करना चाहता। चीन में जो हो रहा है, उस पर वे (केंद्र) नजर रख रहे हैं। मैंने अपने अधिकारियों से कहा है कि वे आईसीएमआर और भारत सरकार से बात करें। यह देखने के लिए कि क्या कोई और नई जानकारी आई है और हमें कोई और कदम उठाने हैं। उन्होंने कहा कि यह अभी तय नहीं हुआ है कि यह एक गंभीर सार्वजनिक स्वास्थ्य चिंता है या नहीं और क्या पीसीआर परीक्षण की आवश्यकता है। मुझे नहीं लगता कि हमें बस परीक्षण शुरू कर देना चाहिए। उन्होंने कहा हमें पहले यह भी जानना होगा कि चीन में कौन सा स्ट्रेन है। यह जानकारी पहले आनी चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि लोगों को सामान्य सावधानी बरतने की जरूरत है, जैसा कि वे किसी भी वायरल संक्रमण के लिए करते हैं।

विदेश यात्रा से लौटते ही शिवकुमार ने सीधे हाईकमान से मुलाकात की

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार एक सप्ताह की विदेश यात्रा के बाद भारत लौट आए हैं और दिल्ली में सीधे आलाकमान नेताओं से मुलाकात की। राज्य की राजनीति में पिछले एक हफ्ते में पर्दे के पीछे खूब राजनीतिक गतिविधियां देखने को मिलीं। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के नेतृत्व में पिछड़ा वर्ग के मंत्रियों ने अलग से बैठक की।

इसके बाद ओक्कालिगा समुदाय के विधायकों और मंत्रियों ने भी बैठक कर एसएम कृष्णा के मेधावी कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर मंत्रणा की।

उधर, लिंगायत समुदाय के मंत्री और विधायक भी बैठक करने की तैयारी में हैं। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया की अध्यक्षता में हुई बैठक में मुख्य रूप से पिछड़ा वर्ग आयोग की रिपोर्ट पर चर्चा हुई। राज्य की

राजनीति में आयोग की रिपोर्ट सरकार के लिए मुसीबत बन गई है।

कई समुदाय इसके कार्यान्वयन का विरोध कर रहे हैं क्योंकि कांताराजू की अध्यक्षता वाले आयोग द्वारा पहले एकत्र किए गए आंकड़े वैज्ञानिक नहीं हैं। इसके बावजूद अहिंदा वर्ग कांग्रेस पार्टी का दामन थाम रहा है। इसका उदाहरण पिछले उपचुनाव में तीनों विधानसभा क्षेत्रों में कांग्रेस की जीत है। मुख्यमंत्री की अगुवाई में हुई बैठक में इस बात पर चर्चा हुई कि विधानसभा चुनाव से पहले घोषणापत्र में किये गये वादे के साथ पिछड़ा वर्ग की रिपोर्ट लागू की जाये। इसके अलावा कांग्रेस में एक व्यक्ति एक पद के नियम को लागू करने को लेकर भी चर्चा हुई। बैठक का निशाना परोक्ष रूप से डीके शिवकुमार थे। डीके शिवकुमार पिछले सवा तीन साल से केपीसीसी अध्यक्ष और उपमुख्यमंत्री दोनों पद संभाल रहे हैं। इस पृष्ठभूमि में, कई लोग डीके शिवकुमार की शक्तियों को लेकर अधीर हैं। पार्टी के कुछ नेताओं ने जाति के आधार पर अतिरिक्त उपमुख्यमंत्रियों का पद सृजित करने का दबाव बनाना शुरू कर दिया।

इसके चलते लोकसभा और उपचुनाव से पहले काफी असमंजस की स्थिति रही। अंतत: हाईकमान ने स्वयं हस्तक्षेप कर विवादास्पद चर्चाओं पर विराम लगा दिया। अब सारे चुनाव खत्म हो चुके हैं और राजनीतिक मुद्दों पर चर्चा का समय आ गया है। इसी पृष्ठभूमि में कांग्रेस नेता एक के बाद एक अपनी राय रख रहे हैं। एक तरफ जहां गुपचुप चर्चाएं हैं कि ढाई साल बाद नेतृत्व परिवर्तन होगा, वहीं दूसरा गुट इसका मुकाबला करने के लिए डीके शिवकुमार की ताकत में कटौती करने की कोशिश कर रहा है।

अपने दो बच्चों की हत्या करने के बाद

सॉफ्टवेयर प्रोफेशनल और पत्नी ने आत्महत्या की

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

शहर में सोमवार को एक सॉफ्टवेयर प्रोफेशनल और उसकी पत्नी द्वारा अपने दो बच्चों की हत्या करने के बाद आत्महत्या करने की दुखद घटना सामने आई है। यह चौंकाने वाली घटना बेंगलूरु के सदाशिवनगर पुलिस स्टेशन की सीमा में हुई। मृतकों की पहचान उत्तर प्रदेश के सॉफ्टवेयर प्रोफेशनल 38 वर्षीय अनूप, उनकी पत्नी 35 वर्षीय राखी, उनके बच्चों पांच वर्षीय अनुप्रिया और दो वर्षीय प्रियांश के रूप में हुई है। घरेलू सहायक ने पुलिस को बताया कि चूंकि दंपति की सबसे बड़ी बेटी अनुप्रिया विशेष जरूरतों वाली बच्ची थी, इसलिए युवा माता-पिता परेशान थे। पुलिस के अनुसार, अनूप एक निजी कंपनी में सॉफ्टवेयर कंसल्टेंट के रूप में काम करता था।

घरेलू सहायक ने पुलिस को बताया कि शनिवार रात तक सब कुछ सामान्य लग रहा था और दंपति खुश लग रहे थे। हत्या-सह-आत्महत्या का मामला तब सामने आया जब सोमवार सुबह घरेलू सहायक आया और उसे परिवार की ओर से कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली। पुलिस को संदेह है कि अनुप्रिया की हालत से दुखी होकर दंपति ने अपनी जान लेने और उससे पहले अपने बच्चों को मारने का फैसला किया था। उन्होंने पहले अपने बच्चों को खाने में जहर देकर मार डाला और बाद

में अपने घर पर ही फांसी लगा ली। परिवार में तीन नौकरानियाँ थीं और अनूप ने उन्हें सोमवार को जल्दी आने के लिए कहा था क्योंकि वे पुदुचेरी शहर जाने की योजना बना रहे थे। पुलिस ने बताया कि दंपति ने रविवार को ही कर्मचारियों से पैकिंग करवा ली थी। दो कर्मचारियों को खाना बनाने के लिए रखा गया था और एक को बच्चों की देखभाल के लिए रखा गया था। परिवार की आर्थिक स्थिति ठीक होने के कारण सहायकों को हर महीने 15,000 रुपये का वेतन मिल रहा था।

हालांकि, सदाशिवनगर पुलिस सभी पहलुओं की जांच कर रही है और जांच कर रही है कि परिवार कर्ज में डूबा हुआ था या आर्थिक तंगी से गुजर रहा था। 3 अगस्त, 2023 को बेंगलूरु के कडुगोडी पुलिस स्टेशन की सीमा में एक 31 वर्षीय सॉफ्टवेयर पेशेवर द्वारा अपनी पत्नी और दो बेटियों की हत्या करने के बाद खुदकुशी करने की चौंकाने वाली घटना सामने आई थी। मृतक तकनीकी विशेषज्ञ की पहचान आंध्र प्रदेश के वीरअर्जुन विजय के रूप में हुई है। उसने अपनी पत्नी हेमावती (29) और अपनी दो नवजात बेटियों की हत्या कर दी थी, जिनकी उम्र क्रमशः 18 महीने और 8 महीने थी। पुलिस के अनुसार, यह घटना तब प्रकाश में आई जब पड़ोसियों ने पुलिस से शिकायत की कि जिस अपार्टमेंट में परिवार रहता था, वहां से दुर्गंध आ रही थी। एक अन्य घटना में, एक प्रतिष्ठित आईटी कंपनी में काम करने वाले 24 वर्षीय तकनीकी विशेषज्ञ ने 20 अगस्त, 2024 को बेंगलूरु के एक होटल में हीलियम गैस के कारण आत्महत्या कर ली थी।

अश्वथ नारायण ने कांग्रेस सरकार पर 100 फीसदी कमीशनखोरी का लगाया आरोप

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

पूर्व मंत्री और विधायक अश्वथ नारायण ने गंभीर आरोप लगाया कि हर विभाग में व्यवस्थित भ्रष्टाचार है और कांग्रेस 100 प्रतिशत कमीशन वाली सरकार है। केंद्रीय मंत्री एचडी कुमारस्वामी द्वारा मौजूदा सरकार पर 60 फीसदी कमीशनखोरी का आरोप लगाने के बाद उन्होंने कहा कांग्रेसी 100 फीसदी कमीशनखोरी में सीमित नहीं हैं। उन्होंने कहा एचडी कुमारस्वामी ने ऐसे ही सरकार पर कोई आरोप नहीं लगाया है। कोई हिट एंड रन नहीं है। सभी विभागों में आयोग का संचालन व्यवस्थित रूप से होता रहता है। इसमें कोई झूठ नहीं है। विधान सौधा के खंभे कांग्रेस

सरकार के भ्रष्टाचार से भरे हुए हैं। उन्होंने पूछा कि इसके अलावा और क्या सबूत चाहिए। यह सरकार शुरू से ही घोटालों पर घोटाले करती आ रही है। भ्रष्टाचार महज आरोप नहीं है। सभी विभागों में भ्रष्टाचार हो रहा है। उन्होंने स्वयं वाल्मीकि कॉर्पोरेशन में 100 प्रतिशत भ्रष्टाचार स्वीकार किया। यह मामला चन्द्रशेखर की आत्महत्या के बाद सामने आया। परसुराम ने आत्महत्या क्यों की? एसआई पद पर ट्रांसफर के लिए 35 लाख, क्या इसका भी कोई सबूत नहीं? मुडा में इसका प्रमाण भी है। ठेकेदार सचिन आत्महत्या मामले में भी सबूत हैं। उत्पाद शुल्क और स्वास्थ्य विभाग में कमीशनखोरी और भ्रष्टाचार जारी है। जाति के नाम का प्रयोग भ्रष्टाचार के लिए भी किया जाता है। वे जाति के नाम पर भ्रष्टाचार कर रहे हैं। उन्होंने 40 प्रतिशत के लिए हमें दोषी ठहराया था। लोकायुक्त ने अब हमारे ऊपर लगे आरोप को क्लीन चिट दे दी है। अब उन पर लगे आरोपों का रिकॉर्ड मौजूद है। वे लाइसेंस देने में भी भ्रष्टाचार कर रहे हैं।

वायरस के प्रसार को रोकने के लिए प्रयास किए जाएंगे: मुख्यमंत्री

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक में एचएमपी वायरस के दो मामले सामने आने के बाद मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने कहा कि वायरस के प्रसार को रोकने के लिए प्रयास किए जाएंगे। यहां विधान सौधा में पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि चीन में सामने आए इस वायरस के कर्नाटक में भी दो मामले सामने आए हैं। स्वास्थ्य विभाग को इसके प्रसार को रोकने के लिए एहतियाती कदम उठाने को कहा गया है। उन्होंने कहा स्वास्थ्य विभाग और चिकित्सा शिक्षा विभाग संयुक्त रूप से कार्रवाई करेंगे। यह पूछे

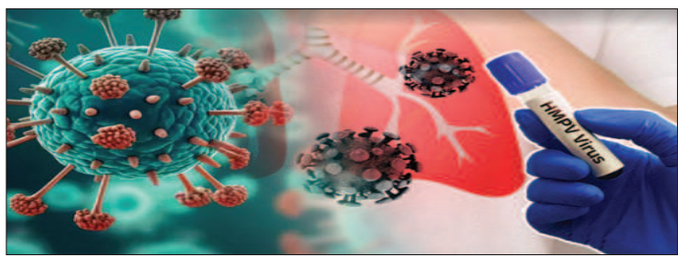

जाने पर कि क्या हवाई अड्डों पर वायरस की जांच की जाएगी, मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वास्थ्य मंत्री की अध्यक्षता में होने वाली बैठक में इस तरह की कार्रवाई पर फैसला लिया जाएगा। कर्नाटक में नक्सलियों के आत्मसमर्पण के बारे में पूछे गए सवाल पर सिद्धरामैया ने कहा कि इस बात की संभावना है कि नक्सली अपना मन बदल सकते हैं और सरकार के सामने आत्मसमर्पण कर सकते हैं और उन्होंने उनसे आत्मसमर्पण करने की अपील भी की है। नक्सलियों को समाज की मुख्यधारा में लाने के प्रयास जारी हैं।

कर्नाटक सरकार की अपील के बाद

वांछित माओवादी हथियार डालकर मुख्यधारा में शामिल होने की बना रहे योजना

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
कर्नाटक के पश्चिमी घाट, पहाड़ी और तटीय क्षेत्र के घने जंगलों में सक्रिय मोस्ट वांटेड माओवादियों ने मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के नेतृत्व वाली कर्नाटक कांग्रेस सरकार की अपील के बाद हथियार डालने और मुख्यधारा में शामिल होने का फैसला किया है।

सूत्रों के अनुसार माओवादियों ने विक्रम गौड़ा की मुठभेड़ और पश्चिमी घाट क्षेत्र में एंटी-नक्सल फोर्स (एएनएफ) और कर्नाटक पुलिस द्वारा लगातार तलाशी अभियान के बाद यह फैसला लिया है। सूत्रों ने बताया कि राज्य में तुंगा नक्सल विंग का नेतृत्व करने वाली शीर्ष नेता मुंडागारू लता, दक्षिण भारत की मोस्ट वांटेड माओवादी सुंदरी, वनजाक्षी, जीशा, आंध्र प्रदेश की के. वसंता और मारेप्पा अरोली ने आत्मसमर्पण करने और हथियार डालने का फैसला किया है। माओवादी नेता सुंदरी के भाई आनंद, जो खुद भी नक्सली थे और मुख्यधारा में लौट आए हैं, ने कहा अगर वह हथियार डालने का फैसला करती हैं तो वे उनका घर में स्वागत करेंगे। उन्हें और उनके साथियों को संघर्ष बंद कर देना चाहिए और आम लोगों की तरह रहना चाहिए। उसे घर से गए 17 साल हो गए हैं। अगर वह हमारे पास वापस आती है तो हमें

खुशी होगी। मेंगलूरु जिले के कुटलुर में उन्होंने अपील की सुंदरी, सरकार के सामने आत्मसमर्पण कर दो और घर वापस आ जाओ। सूत्रों ने पुष्टि की है कि आत्मसमर्पण की प्रक्रिया दो से तीन दिनों में पूरी हो जाएगी। सूत्रों ने यह भी बताया कि माओवादियों ने इस संबंध में प्रगतिशील संगठन नागरिक मंच को एक पत्र लिखा है और मंच के सदस्यों ने मुख्यमंत्री सिद्धरामैया से इस मामले पर चर्चा की है। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने प्रस्ताव का स्वागत किया और अधिकारियों को आत्मसमर्पण की प्रक्रिया शुरू करने के लिए हरी झंडी दे दी। माओवादियों ने मांग की है कि आत्मसमर्पण की प्रक्रिया गरिमापूर्ण तरीके से होनी चाहिए और उनके आत्मसम्मान को ठेस नहीं पहुंचाई जानी चाहिए। उन्होंने यह भी मांग की है कि उन्हें लोकतांत्रिक व्यवस्था के तहत अपने अधिकारों का प्रयोग करने से नहीं रोका जाना चाहिए। माओवादियों ने यह भी मांग की है कि उन्हें जेलों में बंद नहीं किया जाना चाहिए। उनके खिलाफ झूठे मामले बंद किए जाने चाहिए और आत्मसमर्पण के बाद जमानत प्राप्त करने के लिए उनके साथ सहयोग किया जाना चाहिए। यह भी मांग की गई है कि सभी मामलों को एक ही अदालत में लाया जाना चाहिए और सुनवाई में तेजी लानी चाहिए। उन्होंने अपने जीवन को बेहतर बनाने के लिए सरकार से वित्तीय सहायता की भी मांग की है। यह पैकेज उन अन्य आत्मसमर्पण करने वाले माओवादियों पर भी लागू होना चाहिए जो वर्तमान में जेल में हैं। उन्होंने यह भी स्पष्ट करने की मांग की है कि क्या कर्नाटक, तमिलनाडु और केरल राज्य इस मामले में एक ही रुख अपनाएंगे। माओवादियों ने विक्रम गौड़ा मुठभेड़ की न्यायिक जांच की भी मांग की है।

बेंगलूरु में एचएमपीवी का पहला मामला सामने आया

वैश्विक चिंताओं के बीच सरकार ने शांति बनाए रखने की अपील की

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
बेंगलूरु में आठ महीने के बच्चे में ह्यूमन मेटान्यूमोवायरस (एचएमपीवी) पाया गया है, जिससे चीन में एचएमपीवी के प्रकोप की खबरों के बीच चिंता बढ़ गई है।

सूत्रों के अनुसार बैपटिस्ट अस्पताल में इस मामले की पहचान की गई। हालांकि रिपोर्ट के अनुसार, कर्नाटक राज्य स्वास्थ्य विभाग ने स्पष्ट किया कि नमूने का परीक्षण उनकी प्रयोगशाला में नहीं किया गया था। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने लोगों को आश्वस्त किया है कि घबराने की कोई जरूरत नहीं है। अधिकारियों ने कहा कि भारत कई चैनलों के माध्यम से वैश्विक एचएमपीवी की स्थिति की बारीकी से निगरानी कर रहा है और विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) से नियमित अपडेट मांगा है। एहतियाती कदम के तौर पर, मंत्रालय एचएमपीवी मामलों की जांच के लिए सुसज्जित प्रयोगशालाओं की संख्या बढ़ाने की योजना बना रहा है। इसके अतिरिक्त, भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) को रुझानों को ट्रैक करने और तत्परता सुनिश्चित करने के लिए साल भर निगरानी का काम सौंपा गया है।

कांग्रेस की गारंटी कर्नाटक के विकास को कर रही प्रभावित: विधायक

कोप्पल/शुभ लाभ ब्यूरो।
कोप्पल से कांग्रेस विधायक और मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के करीबी राघवेंद्र हितनल ने चौंकाने वाला खुलासा करते हुए कहा कि पांच गारंटी योजनाओं के क्रियान्वयन से विकास में बाधा उत्पन्न हुई है। वे तालुक के कुनीकेरी में नए डाकघर भवन के लिए भूमि पूजन करने के बाद एक सभा को संबोधित कर रहे थे। हितनल ने कहा गांव (कुनीकेरी) के लिए कई कार्यक्रम/परियोजनाएं तैयार की गई हैं। लेकिन राज्य सरकार द्वारा पांच गारंटी योजनाओं के क्रियान्वयन के कारण काम धीमी गति से चल रहा है। कांग्रेस विधायक ने कहा गारंटियों पर 54,000 करोड़ रुपये खर्च किए जा रहे हैं। धन के डायवर्जन ने निश्चित रूप से विकास कार्यों में बाधा उत्पन्न की है। हितनल ने कहा कि गारंटी योजनाओं का लाभ सीधे गरीबों तक पहुंच रहा है।

जगदीप धनखड़ आज धर्मस्थल में कतार परिसर का करेंगे उद्घाटन

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ मंगलवार को श्री क्षेत्र धर्मस्थल में एक कतार प्रणाली परिसर श्री सानिध्य का उद्घाटन करेंगे। धर्माधिकारी डी. वीरेंद्र हेगड़े ने श्री मंजूनाथ स्वामी के दर्शन के लिए आने वाले भक्तों के लिए प्रतीक्षा अनुभव को बेहतर बनाने के इरादे से एक समकालीन कतार परिसर के निर्माण की कल्पना की थी। श्री क्षेत्र धर्मस्थल में आने वाले भक्तों को देवता के दर्शन करने में कोई बाधा न हो, यह सुनिश्चित करने के लिए दशकों पहले कतार परिसर की शुरुआत की गई थी। हालाँकि, व्यस्त समय के दौरान, लंबी प्रतीक्षा अवधि अपरिहार्य हो गई। जबकि मंदिर के अधिकारियों ने पानी, भोजन और अन्य सुविधाएँ प्रदान कीं, वीरेंद्र हेगड़े ने प्रतीक्षा प्रणाली में सुधार करने की मांग की। कतार परिसर में 275,177 वर्ग फुट की इमारत है, जिसमें तीन मंजिला संरचना, 16 हॉल हैं, जिसमें 600-800 भक्तों को समायोजित करने की

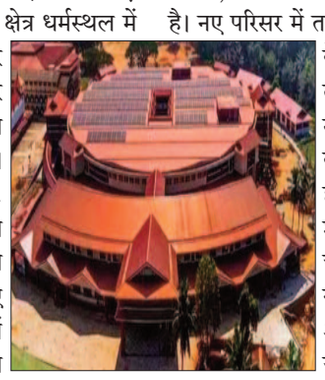

क्षमता है। एक बार में 10,000 से 12,000 भक्तों की कुल क्षमता है। नए परिसर में तापमान नियंत्रण के लिए उन्नत तकनीक के साथ बड़े वातानुकूलित हॉल, शौचालय, चाइल्डकेयर रूम, पेयजल और कैफेटेरिया जैसी सुविधाएं, मनोरंजन और सूचना के लिए डिजिटल टीवी और ऑडियो सिस्टम, बॉश द्वारा कतार प्रबंधन प्रणाली (क्यूएमएस) और कतार नियंत्रण और सुरक्षा के लिए एआई-आधारित कैमरा निगरानी है। इसके अलावा, क्यूएमएस को पहली बार धर्मस्थल में पेश किया जाएगा। भक्तों की सुविधा के लिए, सॉफ्टवेयर परिसर में प्रवेश करने और छोड़ने वाले लोगों की संख्या के आधार पर प्रभावी ढंग से हॉल आवंटित करता है। यह प्रणाली सुनिश्चित करती है कि भक्तों को बिना किसी देरी के सुचारू प्रवाह बनाए रखते हुए निर्धारित समय पर दर्शन के लिए उपयुक्त हॉल में निर्देशित किया जाए।

मेंगलूरु में अनुपचारित पानी की आपूर्ति के आरोपों पर कांग्रेस तथ्यान्वेषण समिति करेगी गठित

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
एमएलसी इवान डिसूज़ा ने घोषणा की कि मेंगलूरु सिटी कॉरपोरेशन (एमसीसी) के 50 प्रतिशत क्षेत्रों में अनुपचारित पानी की आपूर्ति के आरोपों की जांच के लिए कांग्रेस पार्षदों और विशेषज्ञों की एक तथ्यान्वेषण समिति गठित की जाएगी। समिति सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) के खराब रखरखाव की भी जांच करेगी, जिसके कारण सीवेज सीधे शहर के राजकालुवे और बाद में नदियों में बह रहा है। इन विसंगतियों को उजागर करने वाली एक विस्तृत रिपोर्ट 17 जनवरी को मेंगलूरु की अपनी यात्रा के दौरान मुख्यमंत्री सिद्धरामैया को सौंपी जाएगी। डिसूज़ा ने कहा कि एमसीसी द्वारा प्रत्येक एसटीपी के रखरखाव के लिए सालाना 1.50 करोड़ रुपये आवंटित करने के बावजूद, सुविधाएं उपेक्षित हैं। एसटीपी के साथ-साथ, गीले कुएं भी कथित तौर पर काम नहीं कर रहे हैं। उन्होंने इसे भाजपा के नेतृत्व वाली एमसीसी प्रशासन की पूरी तरह विफलता बताया। हाल ही में आई एक रिपोर्ट में खुलासा हुआ है कि नेत्रावती समेत कर्नाटक की 13 नदियां प्रदूषित हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि नेत्रावती में प्रदूषण के सबूत होने के बावजूद,

मेंगलूरु के प्राथमिक जल स्रोत नेत्रावती में कोई सुधारात्मक उपाय नहीं किए गए हैं। यह जानकर हैरानी हुई कि निवासियों को अनुपचारित पानी की आपूर्ति की जा रही है। जबकि मेयर ने दावा किया है कि केवल प्राथमिक उपचारित पानी ही वितरित किया जाता है, उन्होंने इन दावों की पुष्टि के लिए तथ्य-खोज करने की विपक्ष की मांग को खारिज कर दिया है। स्वच्छ पेयजल तक पहुंच सड़कों और स्ट्रीट लाइटों की तरह ही आवश्यक है। एमसीसी क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व करने वाले दो भाजपा विधायक इस मुद्दे पर चुप क्यों रहे? खराब एसटीपी और गीले कुओं के कारण, गुज्जराकेरे और कावूर केरे जैसी झीलें प्रदूषित बनी हुई हैं, जबकि उनके विकास पर करोड़ों रुपये खर्च किए गए हैं। कांग्रेस नागरिकों को आपूर्ति किए जा रहे अनुपचारित पानी के मुद्दे पर समझौता नहीं करेगी। हम इस मामले को जनता के सामने लाएंगे। एमएलसी ने शहरी विकास मंत्री से स्थिति का आकलन करने और उपचारित जल की आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए सक्रिय उपायों को लागू करने के लिए मेंगलूरु में निर्वाचित प्रतिनिधियों की एक बैठक बुलाने का आग्रह किया। उन्होंने एमसीसी आयुक्त से शहर के विभिन्न हिस्सों में आपूर्ति किए जाने वाले प्रारंभिक उपचारित जल पर यादृच्छिक परीक्षण करने और परिणामों को सार्वजनिक करने का भी आग्रह किया। इसके अतिरिक्त, आयुक्त से राज्य सरकार को गैर-कार्यात्मक एसटीपी पर एक रिपोर्ट प्रस्तुत करने का आग्रह किया गया। उन्होंने खुलासा किया कि अधिकारियों के अनुसार, एसटीपी को अपग्रेड करने और भूमिगत जल निकासी (यूजीडी) लाइनों के पुनर्वास के लिए अनुमानित 250 से 300 करोड़ रुपये की आवश्यकता है। परिषद में विपक्ष के नेता अनिल कुमार ने पचनाडी एसटीपी की अपनी यात्रा को याद किया, जहां उन्होंने मारवूर बांध से जुड़े राजकालुवे से प्रदूषित पानी बहते देखा। उन्होंने कहा शहर में एक भी राजकालुवे ऐसा नहीं है जिसमें सीवेज का पानी दूषित न हो। कांग्रेस पार्षद शशिधर हेगड़े ने बताया कि एसटीपी का रखरखाव करने वाले ठेकेदार निविदा शर्तों का पालन करने में विफल रहे हैं। कुडसीएमपी, अमृत और स्मार्ट सिटी मिशन जैसी योजनाओं के तहत महत्वपूर्ण निवेश के बावजूद, गीले कुएं और एसटीपी का प्रदर्शन खराब बना हुआ है। पार्षद प्रवीणचंद्र अल्वा ने इस बात पर प्रकाश डाला कि एसटीपी और गीले कुओं में पंप और एरेटर काम नहीं कर रहे हैं। उन्होंने जेप्पिनामोगारू गीले कुएं का उदाहरण देते हुए बताया कि इसकी खराबी के कारण गीले कुओं से सीवेज बहकर राजकालुवे में चला जाता है, जिससे पंपवेल से लेकर नेत्रावती तक का इलाका दूषित हो जाता है।

स्कॉर्पियो में अचानक लगी आग, सवार सुरक्षित बचे

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो। उडुपी और मेंगलूरु के बीच एनएच 66 पर चल रही एक स्कॉर्पियो गाड़ी में तेनका एरमालु के पास आग लग गई। आग गाड़ी के इंजन डिब्बे में लगी, जो कथित तौर पर बालकुंजे के निवासियों की थी।

त्वरित सोच का परिचय देते हुए, चालक और दो अन्य लोग तुरंत गाड़ी से बाहर निकल गए, ताकि कोई चोट न लगे। स्थानीय लोगों की समय पर सहायता और उडुपी जिला अग्निशमन सेवा कर्मियों की त्वरित प्रतिक्रिया से आग को सफलतापूर्वक बुझा दिया गया।

सीसीटीवी निगरानी से बिजड़ी के पास अवैध मवेशी तस्करी नाकाम

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो। कुंदापुर में बिजड़ी जंक्शन के पास अवैध मवेशी तस्करी को नाकाम कर दिया गया, जिसका श्रेय रियल-टाइम सीसीटीवी निगरानी को जाता है। रविवार सुबह करीब 3 बजे कुंदापुर के अंकादकट्टे में साइन-इन सिक्योरिटी द्वारा प्रबंधित सीसीटीवी कैमरों ने संदिग्ध गतिविधि रिकॉर्ड की। फुटेज में सड़क किनारे मवेशियों को बांधते और उन्हें वाहन में लादने का प्रयास करते हुए लोग दिखाई दिए। लाइव फीड से सतर्क होकर सुरक्षा कर्मियों ने तुरंत पुलिस को सूचित किया। हालांकि पुलिस अधिकारी बीट ड्यूटी के लिए एक अलग मार्ग पर तैनात थे, लेकिन उन्होंने घटनास्थल पर जाने के दौरान अपडेट की निगरानी की। पहुंचने पर तस्कर मवेशियों को छोड़कर अपने वाहन में भाग गए। अधिकारी अब संदिग्धों की पहचान करने, शामिल मवेशियों की संख्या निर्धारित करने, उनके मूल का पता लगाने और तस्करी के प्रयास के इच्छित गंतव्य का पता लगाने के लिए घटना की जांच कर रहे हैं।

प्रोटोकॉल विवाद

एचडी कुमारस्वामी ने पूर्व सांसद की कार का इस्तेमाल करने से किया इनकार: कृषि मंत्री

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
कर्नाटक सरकार ने सोमवार को केंद्रीय भारी उद्योग एवं इस्पात मंत्री एच. डी. कुमारस्वामी की प्रोटोकॉल उल्लंघन के मुद्दे पर आपत्तियों को खारिज कर दिया। कुमारस्वामी ने अपनी नाराजगी तब जाहिर की थी, जब उन्हें सरकारी गाड़ी मुहैया नहीं कराई गई और उनसे पूर्व सांसद सुमालता अंबरीश की गाड़ी इस्तेमाल करने को कहा गया। कृषि राज्य मंत्री एन. चालुवरायस्वामी ने सोमवार को कहा कि कांग्रेस सरकार को कुमारस्वामी के आरोपों पर यकीन करना मुश्किल लग रहा है। मंत्री ने कहा कुमारस्वामी ने मांड्या की पूर्व सांसद सुमलता अंबरीश की गाड़ी इस्तेमाल करने से इनकार कर दिया। हम क्या कर सकते हैं? हमें समझ में नहीं आ रहा है कि कुमारस्वामी उस गाड़ी का इस्तेमाल क्यों नहीं करना चाहते, जिसका इस्तेमाल पूर्व सांसद और वरिष्ठ भाजपा नेता सुमलता अंबरीश करती थीं। चालुवरायस्वामी ने दावा किया हमने कुमारस्वामी को कभी गाड़ी

देने से इनकार नहीं किया। उन्होंने खुद सरकार द्वारा पेश की गई गाड़ी को ठुकरा दिया था। राज्य मंत्री ने आगे बताया हमें नई गाड़ी मिलने में एक साल लग गया। मैंने पूर्व मंत्री द्वारा इस्तेमाल की गई पुरानी गाड़ी का इस्तेमाल तब तक किया जब तक मुझे नई गाड़ी नहीं मिल गई।

जब मैं सांसद था, तब मैंने दिवंगत पूर्व सांसद अंबरीश द्वारा इस्तेमाल की गई गाड़ी का इस्तेमाल किया था। बाद में मुझे नई गाड़ी मिली। नए सांसद को शुरू में पुरानी गाड़ी देने की परंपरा है और उसके बाद कैबिनेट नई गाड़ी के लिए मंजूरी देती है। शनिवार को मांड्या में मीडिया से बात करते हुए केंद्रीय मंत्री कुमारस्वामी ने कहा राज्य सरकार ने अब तक गाड़ी मुहैया नहीं कराई है। नतीजतन, मैं केंद्र सरकार द्वारा आवंटित गाड़ी में यात्रा कर रहा हूं, जो मुझे भारी उद्योग विभाग से मिली है। जब उनसे पूछा गया कि क्या उन्हें राज्य सरकार द्वारा उपेक्षित महसूस होता है, तो कुमारस्वामी ने जवाब दिया कि कांग्रेस के नेतृत्व वाली कर्नाटक सरकार को इस मुद्दे पर ध्यान देना चाहिए। भाजपा की वरिष्ठ नेता सुमलता अंबरीश पहले मांड्या लोकसभा सीट का प्रतिनिधित्व करती थीं, जो अब केंद्रीय मंत्री कुमारस्वामी के पास है। सुमलता ने 2019 के चुनावों में कुमारस्वामी के बेटे निखिल कुमारस्वामी के खिलाफ शानदार जीत दर्ज की थी। मंत्री चालुवरायस्वामी पहले पूर्व सीएम कुमारस्वामी के दाहिने हाथ हुआ करते थे। हालांकि, उन्होंने जेडी(एस) पार्टी छोड़ दी और पूर्व पीएम एचडी देवगौड़ा के परिवार के सदस्यों के वर्चस्व पर सवाल उठाते हुए कांग्रेस पार्टी में शामिल हो गए।

कोर्ट ने अतुल सुभाष की पत्नी के खिलाफ एफआईआर रद्द करने से किया इनकार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
कर्नाटक उच्च न्यायालय ने सोमवार को बेंगलूरु के तकनीकी विशेषज्ञ अतुल सुभाष की कथित आत्महत्या मामले में निकिता सिंघानिया के खिलाफ दर्ज एफआईआर को रद्द करने से इनकार कर दिया। सूत्रों के अनुसार, जांच को रद्द करने की निकिता की याचिका पर सुनवाई करते हुए उच्च न्यायालय ने कहा कि प्रथम दृष्टया साक्ष्य चल रही जांच का समर्थन करते हैं और अधिकारियों को साक्ष्य एकत्र करने के प्रयासों में तेजी लाने का निर्देश दिया। यह घटना शनिवार को बेंगलूरु की एक अदालत द्वारा तकनीकी विशेषज्ञ अतुल सुभाष आत्महत्या मामले में तीन आरोपियों को जमानत दिए जाने के तीन दिन बाद हुई है। अदालत का यह फैसला अतुल सुभाष की पत्नी निकिता सिंघानिया, सास निशा सिंघानिया और साले अनुराग सिंघानिया द्वारा दायर जमानत याचिकाओं पर सुनवाई के बाद आया। रिपोर्ट्स के अनुसार, 29वीं सीसीएच अदालत में जमानत याचिकाओं की सुनवाई के दौरान विशेष लोक अभियोजक (एसपीपी) ने आरोपियों को जमानत दिए जाने के खिलाफ दलील दी, लेकिन अदालत ने आखिरकार उन्हें जमानत देने का आदेश दिया। उल्लेखनीय रूप से, हाई-प्रोफाइल तकनीकी विशेषज्ञ आत्महत्या का मामला अतुल सुभाष को उनकी पत्नी निकिता सिंघानिया और उनके परिवार के सदस्यों द्वारा कथित रूप से परेशान करने के इर्द-गिर्द घूमता है, जिसके कारण उन्होंने आत्महत्या कर ली। अतुल का परिवार न्याय की मांग कर रहा है, उनके पिता ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से अपने पोते की कस्टडी सुनिश्चित करने की अपील की है। अतुल की पत्नी निकिता

सिंघानिया, उनकी मां निशा सिंघानिया और उनके भाई अनुराग सिंघानिया ने 19 दिसंबर को सत्र न्यायालय के समक्ष संयुक्त जमानत याचिका दायर की थी। निकिता सिंघानिया ने अपने और अपने परिवार के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने के मामले को रद्द करने के लिए कर्नाटक उच्च न्यायालय का भी रुख किया है। उच्च न्यायालय ने इससे पहले 31 दिसंबर को सत्र न्यायालय को 4 जनवरी तक जमानत याचिका पर फैसला करने का निर्देश दिया था। राज्य अभियोजक ने शुरू में मामले में आपत्ति दर्ज करने के लिए 6 जनवरी तक का समय मांगा था। अतुल सुभाष के भाई द्वारा बेंगलूरु के मराठाहल्ली पुलिस स्टेशन में दर्ज कराई गई शिकायत के आधार पर पिछले महीने बेंगलूरु पुलिस ने तीनों आरोपियों को दिल्ली और उत्तर प्रदेश से गिरफ्तार किया था। उन्होंने सत्र न्यायालय के समक्ष तर्क दिया कि उनकी गिरफ्तारी अवैध थी, क्योंकि पुलिस द्वारा गिरफ्तारी के लिए कोई कारण नहीं बताए गए थे। निकिता सिंघानिया को हरियाणा के गुरुग्राम से गिरफ्तार किया गया था, और निशा सिंघानिया और अनुराग सिंघानिया को 15 दिसंबर को उत्तर प्रदेश के इलाहाबाद से गिरफ्तार किया गया था। गिरफ्तारी के बाद तीनों को बेंगलूरु की एक अदालत में पेश किया गया और न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

मार्च 2026 तक भारत की धरती से नक्सलवाद का खात्मा हो जाएगा : अमित शाह

नई दिल्ली, 06 जनवरी (एजेंसियां)।

सोमवार को छत्तीसगढ़ के बीजापुर आईईडी विस्फोट में जिला रिजर्व गार्ड (डीआरजी) के जवानों की जान जाने पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने केंद्र सरकार की प्रतिबद्धता की पुष्टि करते हुए आश्वासन दिया कि इन सैनिकों का बलिदान व्यर्थ नहीं जाएगा और मार्च 2026 तक भारतीय धरती से नक्सलवाद का उन्मूलन कर दिया जाएगा । शाह ने दुखद घटना के बारे में खबर फैलने के बाद शोक संतप्त परिवारों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की, जिसमें डीआरजी के आठ जवान और उनके नागरिक चालक की जान चली गई, जब नक्सलियों ने

बीजापुर जिले के कुटरू-बेदरे मार्ग पर उनके वाहन को निशाना बनाकर एक इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) विस्फोट किया। शाह ने कहा, बीजापुर (छत्तीसगढ़) में आईईडी विस्फोट में डीआरजी जवानों के शहीद होने की खबर से मुझे गहरा दुख हुआ है। मैं वीर जवानों के परिवारों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त करता हूं। इस दुख को शब्दों में व्यक्त करना असंभव है, लेकिन मैं आपको विश्वास दिलाता हूं कि हमारे जवानों का बलिदान व्यर्थ नहीं जाएगा। हम मार्च 2026 तक भारतीय धरती से नक्सलवाद का खात्मा कर देंगे ।

यह हमला उस समय हुआ जब डीआरजी की टीम नक्सल विरोधी अभियान से लौट रही थी। शक्तिशाली विस्फोट ने वाहन को पूरी तरह से नष्ट कर दिया, जिससे सभी नौ लोग तत्काल मारे गए। यह हाल के दिनों में क्षेत्र में सुरक्षा बलों पर सबसे घातक हमलों में से एक है।

यह हमला क्षेत्र में पिछले नक्सली हमलों की याद दिलाता है। गौरतलब है कि 26 अप्रैल, 2023 को पड़ोसी दंतेवाड़ा जिले में इसी तरह के आईईडी विस्फोट में दस पुलिस कर्मियों और एक नागरिक चालक की मौत हो गई थी। डीआरजी, छत्तीसगढ़ पुलिस की एक विशेष इकाई है, जिसमें आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों सहित स्थानीय रंगरूट शामिल हैं, और यह राज्य में नक्सल विरोधी अभियानों में सबसे आगे है । इलाके और गुरिल्ला रणनीति के बारे में उनका गहन ज्ञान नक्सल विद्रोहियों के खिलाफ कई सफल अभियानों में सहायक रहा है। हमले के जवाब में, बस्तर संभाग में सुरक्षा बढ़ा दी गई है, और अपराधियों को पकड़ने के लिए अतिरिक्त बल तैनात किए गए हैं। राज्य सरकार ने क्षेत्र में शांति और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए नक्सली तत्वों के खिलाफ मजबूत अभियान जारी रखने का अपना संकल्प दोहराया है।

उच्चतम न्यायालय ने अमेज़ॅन, वॉलमार्ट से जुड़ी याचिकाएं कर्नाटक उच्च न्यायालय हस्तांतरित की

नई दिल्ली, 06 जनवरी (एजेंसियां)।

उच्चतम न्यायालय ने अमेज़ॅन और वॉलमार्ट के फ्लिपकार्ट ई-कॉमर्स प्लेटफार्मों की कथित प्रतिस्पर्धा-विरोधी प्रथाओं से संबंधित सभी याचिकाओं को सोमवार को कर्नाटक उच्च न्यायालय की एकल पीठ को निर्णय के लिए स्थानांतरित कर दिया। न्यायमूर्ति अभय ओका और न्यायमूर्ति पंकज मिथल की पीठ ने संबंधित पक्षों की दलीलें सुनने के बाद यह आदेश पारित किया।

पीठ ने सभी संबंधित पक्षों द्वारा उच्च न्यायालय के समक्ष इस तरह के हस्तांतरण के लिए सहमति जताने के बाद मामलों को स्थानांतरित करने का निर्देश दिया।

भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) ने मामले को स्थानांतरित करने की मांग की थी क्योंकि जनहित से जुड़ी याचिकाएं दिल्ली, पंजाब और हरियाणा, कर्नाटक और इलाहाबाद के विभिन्न उच्च न्यायालयों में लंबित थीं।

शीर्ष अदालत ने पहले अटॉर्नी जनरल आर वेंकटरामनी को दो दर्जन से अधिक याचिकाओं को कर्नाटक उच्च न्यायालय की एकल न्यायाधीश पीठ में स्थानांतरित करने के लिए सी-सीआई से निर्देश लेने के लिए कहा था।

याचिकाओं में कहा गया है कि दो प्रमुख प्लेटफार्मों द्वारा दी जाने वाली ई-कॉमर्स सेवाओं से संबंधित पूछताछ बहुत सामान्य महत्व की है क्योंकि अगर इन प्लेटफार्मों पर किसी भी प्रतिस्पर्धा-विरोधी गतिविधि को जारी रखने की अनुमति दी जाती है तो यह हर गुजरते दिन लाखों नहीं तो करोड़ों आम लोगों को नुकसान पहुंचाती है। उन्हें प्रभावित करती हैं।

इसमें कहा गया है कि भले ही जांच 2020 में शुरू होनी थी लेकिन मुकदमेबाजी के पहले दौर में अमेज़ॅन और फ्लिपकार्ट के पक्ष में दिए गए स्थानादेश के कारण इसमें काफी देरी हुई।

सीसीआई ने अपनी स्थानांतरण याचिका में कहा, चार साल बीत चुके हैं और वर्तमान मामले में अंतिम आदेश पारित किया जाना बाकी है।

सीसीआई ने अमेज़ॅन और फ्लिपकार्ट द्वारा प्रतिस्पर्धा अधिनियम 2002 के उल्लंघन के दिल्ली व्यापार संघ के आरोपों को प्रथम दृष्टया सही बताया।

इसमें आरोप लगाया गया कि ई-कॉमर्स कंपनियां प्रतिस्पर्धा कानून का उल्लंघन करते हुए विशेष व्यवस्था, भारी छूट आदि में शामिल रहीं।

सीसीआई ने महानिदेशक द्वारा जांच का आदेश दिया जिसे अमेज़ॅन और फ्लिपकार्ट ने चुनौती दी।कर्नाटक उच्च न्यायालय ने सितंबर में अमेज़ॅन के खिलाफ आगे की कार्यवाही पर रोक लगा दी। इसके बाद अन्य सभी उच्च न्यायालयों में भी इसी तरह के आदेश पारित हुए।

शेख हसीना को बड़ा झटका : अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण ने जारी किया दूसरा अरेस्ट वारंट

नई दिल्ली, 06 जनवरी (एजेंसियां)।

बांग्लादेश के अंतर्राष्ट्रीय आपराधिक न्यायाधिकरण (आईसीटी) ने सोमवार को अपदस्थ प्रधान मंत्री शेख हसीना और पूर्व सैन्य जनरलों और एक पूर्व पुलिस प्रमुख सहित 11 अन्य लोगों के खिलाफ जबरन गायब होने की घटनाओं में उनकी कथित भूमिका के लिए गिरफ्तारी वारंट जारी किया। यह हसीना के खिलाफ आईसीटी द्वारा दूसरा गिरफ्तारी वारंट था, जो पिछले साल अगस्त में अभूतपूर्व सरकार विरोधी प्रदर्शनों के बाद अवामी लीग शासन के पतन के बाद भारत भाग गई थी। ट्रिब्यूनल ने अब तक उसके खिलाफ तीन मामले दर्ज किए हैं।

आईसीटी के एक अधिकारी ने कहा न्यायाधिकरण के अध्यक्ष न्यायमूर्ति एमडी गोलाम मुर्तुजा मजूमदार ने अभियोजन याचिका पर सुनवाई के बाद गिरफ्तारी वारंट जारी किया। पुलिस महानिरीक्षक को कई सौ लोगों के जबरन गायब होने की शिकायतों पर दायर मामले में हसीना सहित बारह लोगों को गिरफ्तार करने और 12 फरवरी को न्यायाधिकरण के समक्ष पेश करने का आदेश दिया गया था। मामले में नामित लोगों में अपदस्थ प्रधानमंत्री के तत्कालीन रक्षा सलाहकार मेजर जनरल (सेवानिवृत्त) तारिक अहमद सिद्दीकी और पूर्व आईजीपी बेनजीर अहमद भी शामिल हैं। सिद्दीकी फिलहाल हिरासत में है, जबकि अहमद फरार माना जा रहा है।

भारतीय मूल के अमेरिकी वैज्ञानिक ने औषधियों में नाइट्रोजन तत्व संयोजन की नयी तकनीक विकसित की

नई दिल्ली, 06 जनवरी (एजेंसियां)।

भारतीय मूल के अमेरिकी वैज्ञानिक डॉ इंद्रजीत शर्मा ने कैंसर और न्यूरोलॉजिकल बीमारियों जैसे गंभीर रोगों के इलाज में काम आने वाली दवाओं के लिये एक नयी खोज करने का दावा किया है जो इन औषधियों को ज्यादा असरदार, सस्ती और सुरक्षित बनाने में सक्षम होगी।

डॉ शर्मा ने सोमवार को यहां संवाददाताओं को बताया कि उन्होंने और उनकी टीम ने दवाओं में नाइट्रोजन तत्व को बेहतर तरीके से जोड़ने की नयी तकनीक विकसित की है। इस शोध को प्रतिष्ठित पत्रिका साइंस में प्रकाशित किया गया है।

उन्होंने कहा, नाइट्रोजन हमारे जीवन प्रक्रियाओं के लिये जरूरी है, यह डीएनए, प्रोटीन और लगभग 80 प्रतिशत आधुनिक दवाओं का मुख्य हिस्सा है। इस तकनीक से दवाओं को बनाने में लगने वाली लागत 100 से 200 गुना तक घटाई जा जा सकती है।

डॉ. शर्मा ने कहा, हमारे तरीके से न केवल दवाओं को ज्यादा असरदार बनाया जा सकता है, बल्कि इन्हें दूसरी बीमारियों के इलाज में भी इस्तेमाल किया जा सकता है। उदाहरण के लिये, एक दवा जो ब्रेस्ट कैंसर के लिये बनी है, उसे इस प्रक्रिया के जरिये ब्रेन कैंसर के इलाज के लिये भी उपयोगी बनाया जा सकता है।

इस मौके पर अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नयी दिल्ली के प्रो विक्रम सैनी, चेक टेक्निकल विश्वविद्यालय, प्राग से प्रो रुपेंद्र शर्मा, चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ से प्रो संजीव शर्मा और स्वास्थ्य नीति और नव-ाचार के विशेषज्ञ कविंद्र तल्यान भी मौजूद थे। संवाददाता सम्मेलन में विशेषज्ञों ने कहा कि यह तकनीक कैंसर और टीबी जैसी गंभीर बीमारियों के इलाज में क्रांति ला सकती है। वर्तमान में इस्तेमाल हो रही कई दवाओं में धातु-आधारित यौगिक होते हैं, जो शरीर में विषाक्तता और साइड इफेक्ट बढ़ाते हैं। प्रो. सैनी ने नाइट्रोजन की महत्वपूर्ण भूमिका को समझाते हुये कहा, यह शोध न केवल दवाओं को बेहतर बनाता है, बल्कि उन्हें ज्यादा सुरक्षित और सस्ती भी बनाता है। कैंसर और टीबी जैसी बीमारियों के इलाज में यह एक बड़ा कदम है।

दिल्ली चुनाव: कांग्रेस ने प्यारी दीदी योजना की घोषणा की

महिलाओं को 2,500 रुपए देने का वादा

नई दिल्ली, 06 जनवरी (एजेंसियां)।

दिल्ली विधानसभा चुनाव से पहले, कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने राष्ट्रीय राजधानी में कांग्रेस की पहली गारंटी, प्यारी दीदी योजना की घोषणा की, जिसके तहत वहां की महिलाओं को 2,500 रुपये दिए जाएंगे। दिल्ली कांग्रेस अध्यक्ष देवेंद्र यादव के साथ एक संयुक्त संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए, कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री शिवकुमार ने कहा कि आज, मैं प्यारी दीदी योजना का शुभारंभ करने के लिए यहां आया हूं। मुझे विश्वास है कि कांग्रेस दिल्ली में सरकार बनाएगी और हम महिलाओं को 2,500 रुपये प्रदान करेंगे , और यह कैबिनेट की पहली बैठक में ही तय किया जाएगा - उसी मॉडल पर जो हमने कर्नाटक में लागू किया था। शिवकुमार ने यह भी कहा कि पार्टी ने जो भी वादा किया था, उसे पूरा किया है। शिवकुमार ने कहा, हमने जो भी वादा किया था, कांग्रेस ने उसे पूरा किया है। कांग्रेस की ताकत देश की ताकत है, कांग्रेस का इतिहास देश का इतिहास है।

दिल्ली कांग्रेस अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने कहा कि उनकी पार्टी ने अपने सभी वादे पूरे किए हैं, जिससे लोगों का कांग्रेस पर भरोसा बढ़ा है। यादव ने कहा, चाहे कर्नाटक हो, तेलंगाना हो, हिमाचल प्रदेश हो, झारखंड हो, राजस्थान हो या छत्तीसगढ़ हो, हमने जो भी वादे किए, उन्हें पूरा किया है और कहीं न कहीं इसी वजह से लोगों का कांग्रेस पर भरोसा बढ़ रहा है। यादव ने आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल

पर भी कटाक्ष करते हुए कहा कि राष्ट्रीय राजधानी के लिए उन्होंने जो भी सपने दिखाए थे, वे सभी अब टूट रहे हैं। यादव ने कहा, सपनों का सौदागर... लगातार लोगों को सपने दिखा रहा है। हालांकि, 11 साल बाद शहर की स्थिति खराब होती जा रही है।

दिल्ली के लिए उन्होंने जो भी सपने दिखाए थे, वे अब टूट रहे हैं। 11 साल में चाहे शिक्षा मॉडल हो, मुफ्त बिजली, मुफ्त पानी, भ्रष्टाचार खत्म करना हो, अरविंद केजरीवाल इन सभी पहलुओं पर पूरी तरह विफल रहे हैं। दिल्ली में विधानसभा चुनाव फरवरी में होने की संभावना है। दिल्ली में लगातार 15 साल तक सत्ता में रही कांग्रेस ने पिछले दो विधानसभा चुनावों में खराब प्रदर्शन किया है और एक भी सीट नहीं जीत पाई है। 2020 के विधानसभा चुनावों में आपा ने 70 में से 62 सीटें जीतीं और भाजपा ने आठ सीटें हासिल कीं।

दिल्ली विधानसभा चुनाव : चुनाव आयोग ने जारी की अंतिम मतदाता सूची

एक करोड़ से अधिक मतदाता पंजीकृत

नई दिल्ली, 06 जनवरी (एजेंसियां)।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और आम आदमी पार्टी (आपा) के बीच चल रही जुबानी जंग के बीच दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए अंतिम मतदाता सूची जारी कर दी गई है। भारत निर्वाचन आयोग ने सोमवार को दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए अंतिम मतदाता सूची जारी करते हुए बताया कि कुल 1 करोड़ 55 लाख 24 हजार 858 मतदाता पंजीकृत हैं।

इसमें से 84 लाख 49 हजार 645 पुरुष मतदाता हैं, जबकि 71 लाख 73 हजार 952 महिला मतदाता हैं।

दिल्ली विधानसभा चुनाव फरवरी 2025 में होने की उम्मीद है, हालांकि चुनाव आयोग ने अभी तक आधिकारिक तारीखों की घोषणा नहीं की है।

4 जनवरी आम आदमी पार्टी (आपा) के राज्यसभा सांसद संजय सिंह और राघव चड्ढा ने जामनगर हाउस में नई दिल्ली के जिला मजिस्ट्रेट से मुलाकात कर कथित मतदात-ाओं के नाम हटाए जाने की शिकायत दर्ज कराई थी।

उनके आरोपों को नई दिल्ली जिला निर्वाचन अधिकारी ने निराधार बताया है।नई दिल्ली जिला निर्वाचन अधिकारी के एक्स अकाउंट से एक पोस्ट शेयर कर आरोपों को निराधार बताया गया है। पोस्ट में कहा गया है, राज्यसभा सांसद संजय सिंह का आरोप है कि जिला निर्वाचन अधिकारी (डीईओ), नई दिल्ली ने आपत्तिकर्ताओं का विवरण नहीं दिया और दावा किया कि डीईओ जानबूझकर मतदाता सूची से मतदाताओं के नाम हटा रहे हैं, यह तथ्यात्मक रूप से सही नहीं है और निराधार है। दिल्ली में लगातार 15 साल तक राज करने वाली कांग्रेस को पिछले दो विधानसभा चुनावों में करारी हार का सामना करना पड़ा है और वह एक भी सीट हासिल करने में विफल रही है। वहीं 2020 के चुनाव में आप ने 70 में से 62 सीटें जीतीं, जबकि भाजपा आठ सीटें हासिल करने में सफल रही।

कमेटी से बातचीत को राजी हुए आंदोलनकारी किसान

पंजाब सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में दी जानकारी

चंडीगढ़, 06 जनवरी (एजेंसियां)।

सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को पंजाब-हरियाणा सीमा पर लंबे समय से चल रहे किसानों के विरोध प्रदर्शन को संबोधित करने में प्रगति के लिए आशा व्यक्त की, जब पंजाब सरकार ने बताया कि प्रदर्शनकारी किसानों का एक वर्ग बातचीत के लिए अदालत द्वारा नियुक्त पैनल के अध्यक्ष से मिलने के लिए सहमत हो गया है। किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल के नेतृत्व में किसान, जो 41 दिनों से भूख हड़ताल पर हैं, प्रणालीगत कृषि सुधारों और न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) के लिए कानूनी गारंटी की मांग को लेकर फरवरी 2024 से सीमा पर डेरा डाले हुए हैं।

पंजाब सरकार द्वारा पीठ को सफलता के बारे में सूचित करने के बाद न्यायमूर्ति सूर्यकांत और एन कोटिस्वर सिंह की पीठ ने टिप्पणी करते हुए कहा कि हमें उम्मीद है कि बेहतर समझ कायम होगी...बातचीत अच्छा आकार लेगी। पीठ ने पंजाब सरकार का प्रतिनिधित्व करने वाले वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल के एक बयान के बाद सकारात्मक नतीजों की उम्मीद जताई। सिब्बल ने अदालत को सूचित किया कि कुछ प्रदर्शनकारी चर्चा के लिए समिति के अध्यक्ष न्यायमूर्ति नवाब सिंह से मिलने के लिए सहमत हुए हैं।

हम किसी तरह कुछ प्रदर्शनकारियों को मनाने में कामयाब रहे। सिब्बल ने कहा कि कुछ अतिक्रमणकारी और प्रदर्शनकारी आज दोपहर 3 बजे जस्टिस नवाब सिंह से मुलाकात कर रहे हैं।

हमें उम्मीद है कि कोई सफलता मिलेगी। कृपया, हमें कुछ समय दें। पीठ ने इस दलील को स्वीकार करते हुए सुनवाई 10 जनवरी तक के लिए स्थगित कर दी।

सीएम योगी के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश बना श्रमिक कल्याण का मॉडल राज्य

लखनऊ, 06 जनवरी (एजेंसियां)।

योगी सरकार श्रमिक कल्याण के क्षेत्र में अहम कदम उठाते हुए भवन एवं अन्य सन्निर्माण श्रमिकों और मनरेगा श्रमिकों के पंजीकरण को प्राथमिकता दी है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सभी सम्बन्धित अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं कि मनरेगा श्रमिकों का उत्तर प्रदेश बिल्डिंग एंड अदर कंस्ट्रक्शन वेलफेयर बोर्ड (इजउथ) पोर्टल पर अनिवार्य रूप से पंजीकरण हो। जिससे कई भी श्रमिक बीओसीडब्ल्यू बोर्ड की योजनाओं के लाभ से वंचित न रहें।

योगी सरकार का यह कदम न केवल श्रमिकों को योजनाओं का सीधा लाभ पहुंचाने में सहायक है, बल्कि उनके जीवन स्तर को ऊपर उठाने और सामाजिक सुरक्षा प्रदान करने की दिशा में भी एक महत्त्वपूर्ण प्रयास है। इस दिशा में, मनरेगा योजना के अंतर्गत जॉब कार्ड धारकों को पोर्टल पर पंजीकरण कराने के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। ग्राम्य विकास मुख्यालय स्तर से जनपदों के अधिकारियों को पंजीकरण के कार्य को तेज गति से पूरा करने के निर्देश दिए गए हैं साथ ही इसी बकायदा मॉनिटरिंग भी की जा रही है। आंकड़ों पर नजर डालें तो प्रदेश में वित्तीय वर्ष 2024-25 में अब तक 1.29 लाख से अधिक श्रमिकों का पंजीकरण कराया जा चुका है। शेष श्रमिकों का पंजीकरण शीघ्र कराने के लिए अधिकारी सक्रिय रूप से कार्यरत हैं।

योगी सरकार श्रमिकों के कल्याण के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। पंजीकरण प्रक्रिया में पारदर्शिता और सुगमता सुनिश्चित करने के लिए तकनीकी साधनों का उपयोग किया जा रहा है। सभी अधिकारियों को यह निर्देश दिए गए हैं कि श्रमिकों के पंजीकरण में किसी भी प्रकार की लापरवाही न हो। साथ ही, नियमित समीक्षा बैठकों के माध्यम से प्रगति की निगरानी की जा रही है। बीओसीडब्ल्यू बोर्ड के तहत चलाई जा रही योजनाएं श्रमिकों और उनके परिवारों को सामाजिक और आर्थिक सुरक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से बनाई गई हैं। इनमें मातृत्व, शिशु एवं बालिका मदद योजना शामिल है, जो महिलाओं और बालिकाओं को स्वास्थ्य और आर्थिक सहायता प्रदान करती है। कन्या विवाह सहायता योजना गरीब श्रमिक परिवारों की बेटियों के विवाह में आर्थिक मदद प्रदान करती है। संत रविदास शिक्षा प्रोत्साहन योजना श्रमिकों के बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए प्रोत्साहित करती है, जबकि अटल आवासीय विद्यालय योजना उन्हें बेहतर शिक्षा और आवासीय सुविधा प्रदान करती है। निर्माण कामगार मृत्यु एवं दिव्यांगता सहायता योजना दुर्घटनाओं की स्थिति में आर्थिक सहायता प्रदान करती है। महात्मा गांधी पेंशन योजना आर्थिक रूप से कमजोर श्रमिकों को नियमित पेंशन सुविधा प्रदान करती है। आपदा राहत सहायता योजना प्राकृतिक आपदाओं में श्रमिकों को राहत प्रदान करती है, और गंभीर बीमारी सहायता योजना श्रमिकों को इलाज के लिए वित्तीय सहायता देती है। इसके अतिरिक्त, पंडित दीनदयाल उपाध्याय चेतना योजना श्रमिकों के सशक्तिकरण और कल्याण के लिए विशेष सहायता प्रदान करती है।

श्रमिकों को योजनाओं का लाभ पहुंचाना केवल आर्थिक सहायता प्रदान करने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह उन्हें आत्मनिर्भर और सशक्त बनाने का प्रयास है। सरकार यह सुनिश्चित कर रही है कि श्रमिक अपने अधिकारों और योजनाओं की जानकारी से अवगत हों। इसके लिए जागरूकता अभियान भी चलाए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अगुवाई में उत्तर प्रदेश सरकार श्रमिकों की भलाई के लिए ठोस कदम उठा रही है। यह पहल न केवल श्रमिकों को सामाजिक और आर्थिक सुरक्षा प्रदान करेगी, बल्कि उनके जीवन को भी सरल और सम्मानजनक बनाएगी।

शहीद पिता के पुत्र और शहीद पुत्रों के पिता हैं गुरु गोबिंद सिंह महाराज: सीएम योगी

श्री गुरु गोबिंद सिंह जी के प्रकाश पर्व में सम्मिलित हुए मुख्यमंत्री

लखनऊ, 06 जनवरी (एजेंसियां)।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि गुरु गोबिंद सिंह महाराज शहीद पिता के पुत्र हैं और शहीद पुत्रों के पिता भी हैं। गुरु तेग बहादुर जी महाराज ने देश व धर्म के लिए शहादत दी।

गुरु गोबिंद सिंह जी महाराज उस समय गुरु तेग बहादुर महराज को प्रेरित कर रहे थे कि देश व धर्म पर संकट है, यदि किसी महान आत्मा का बलिदान होगा तो जो विधर्मी हमारे देश व धर्म को नष्ट करते हुए उतावले दिखाई दे रहे हैं, वे बेनकाब होंगे और देश इसके खिलाफ खड़ा होगा। महान बलिदान के लिए आपसे उपयुक्त कौन हो सकता है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सोमवार को डीएवी कॉलेज में श्री गुरु गोबिंद सिंह जी के प्रकाश पर्व में शामिल हुए।

सीएम योगी ने समागम में आए बच्चों का कुशलक्षेम जाना और टॉफी-चॉकलेट वितरित किया। उन्होंने कहा कि 26-27 दिसंबर को पूरे देश ने गुरु गोबिंद सिंह जी महाराज के चारों साहिबजादों (बाबा अजीत सिंह, बाबा जुझार सिंह, बाबा जोरावर सिंह, बाबा फतेह सिंह) के साथ जुड़ते हुए उनकी स्मृतियों को नमन किया और मां गुजरी के प्रति श्रद्धा व्यक्त की।

सीएम ने कहा कि गुरु तेग बहादुर सिंह ने अपना शीश दिया, लेकिन भारत का शीश बचा

दिया।

कश्मीर को बचाया, जो आज भी भारत का हिस्सा है। वजीर खान गुरु गोबिंद सिंह के छोटे साहिबजादों (जोरावर सिंह-फतेह सिंह) से कहता है कि इस्लाम स्वीकार कर लो, लेकिन इन लोगों ने कहा कि यह नहीं हो सकता। इस पर उन्हें जीवित ही दीवारों में चुनवा दिया गया। चमकौर युद्ध में बड़े साहिबजादों (बाबा अजीत सिंह व जुझार सिंह) ने शहादत को प्राप्त किया। इस दुख में मां गुजरी देवी का प्राणोत्सर्ग हुआ।

सीएम ने कहा कि विपरीत परिस्थितियों से आगे बढ़ते हुए सब कुछ खोने के बाद भी गुरु गोबिंद सिंह ने एक ही बात कही कि चार मुए तो क्या हुआ, जीवित कई हजार... यह मंत्र आज भी पूरे भारत के लिए नई प्रेरणा है। 'सवा लाख से एक लड़ाऊं, तब गुरु गोबिंद सिंह नाम कहाऊं...' गुरु परंपरा के प्रति श्रद्धा का यह भाव नई ऊर्जा का संचार और आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करता है।

सीएम ने कहा कि गुरु गोबिंद सिंह महाराज ने जातिभेद, छूआछूत की भावना को सर्वथा समाप्त करने और देश-धर्म को बचाने के लिए खालसा पंथ की स्थापना की। उन्होंने 'सकल जगत में, खालसा पंथ गाजे' का उद्घोष कर देश व धर्म के मार्ग में बाधक उस समय की विधर्मी ताकतों को रास्ते से हटने के लिए कहा।

महाकुम्भ के लिए अद्भुत कलाकृतियों से सजे प्रयागराज के रेलवे स्टेशन

प्रयागराज की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक छवि को निभा रहा भारतीय रेलवे

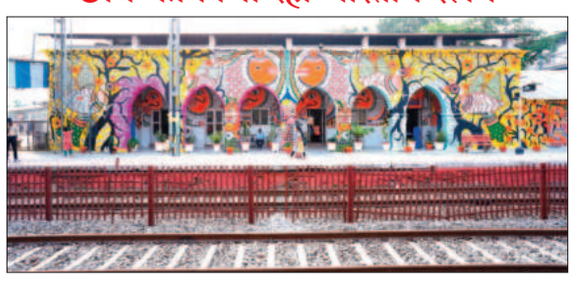

महाकुम्भनगर, 06 जनवरी (एजेंसियां)। महाकुम्भ 2025 की तैयारियों को डबल इंजन की सरकार भव्य स्वरूप दे रही है। खासतौर पर पूरे शहर का सौंदर्यीकरण किया गया है, जिससे प्रयागराज का कायाकल्प स्पष्ट रूप से बाहर से आने वाले श्रद्धालुओं को भी नजर आ रहा है। इसी क्रम में भारतीय रेलवे भी प्रयागराज की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक छवि को निखारने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। पेंट माई सिटी अभियान के तहत प्रयागराज के सभी रेलवे स्टेशनों को कला और संस्कृति के अद्भुत केंद्रों में परिवर्तित कर दिया गया है।

प्रयागराज के रेलवे स्टेशन जिनमें प्रयागराज जंक्शन, नैनी जंक्शन, फाफामऊ, प्रयाग जंक्शन, झूंसी रेलवे स्टेशन, रामबाग रेलवे स्टेशन, छिवकी रेलवे स्टेशन, प्रयागराज संगम रेलवे स्टेशन और सूबेदारगंज रेलवे स्टेशन महाकुम्भ के दृष्टिगत भारत की कला और संस्कृति का अद्भुत दृश्य प्रस्तुत कर रहे हैं। इन स्टेशनों की दीवारों पर हिंदू पौराणिक कथाओं और भारतीय परंपराओं को चित्रित करने वाली भव्य और आकर्षक कलाकृतियां बनाई गई हैं। रामायण, कृष्ण लीला, भगवान बुद्ध, शिव भक्ति, गंगा आरती और महिला सशक्तिकरण जैसे विषयों पर आधारित ये कलाकृतियां श्रद्धालुओं और पर्यटकों को प्रयागराज की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक धरोहर से परिचित कराती हैं। रेलवे की यह पहल केवल सौंदर्यीकरण तक सीमित नहीं है, बल्कि यह प्रयागराज की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक परंपराओं को भी दर्शाती है। इन कलाकृतियां में ऋषि परंपरा, गुरु-शिष्य परंपरा, ज्ञान और त्याग के महत्व को दिखाया गया है, जो प्रयागराज के आध्यात्मिक स्वरूप को और भी उजागर करते हैं। ये कलाकृतियां महाकुम्भ 2025 के लिए आने वाले लाखों श्रद्धालुओं और पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित कर रही हैं । भारतीय रेलवे का यह प्रयास कला और विकास का संगम प्रस्तुत करता है।

पशुपालन से जुड़ी महिलाओं पर बरसेगी बाबा गोरखनाथ की 'कृपा'

गोरखपुर, 06 जनवरी (एजेंसियां)।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के दिशानिर्देश पर राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन की एक खास पहल ने गोरखपुर मंडल में नारी स्वावलंबन का नया दौर शुरू किया है। इस पहल का संवाहक बनी है महिलाओं द्वारा और महिलाओं के लिए ही बनी श्री बाबा गोरखनाथ कृपा मिल्क प्रोड्यूसर कंपनी। इस कंपनी का गठन दूध उत्पादन, संकलन के क्षेत्र में नजीर बनी बुंदेलखंड की बलिनी मिल्क प्रोड्यूसर कंपनी की तर्ज पर किया गया है। दो साल पहले गठित और सालभर से क्रियाशील श्री बाबा गोरखनाथ कृपा मिल्क प्रोड्यूसर कंपनी में मंडल के 400 गांवों की 14000 से अधिक पशुपालक महिलाएं सदस्य (शेयरहोल्डर) बन चुकी हैं। इन महिला सदस्यों के जरिये प्रतिदिन 48000 लीटर दूध का संग्रह कर आत्मनिर्भरता की कहानी रची जा रही है। सीएम योगी की मंशा के अनुरूप बन रही कार्ययोजना से अगले दो साल में महिलाओं की यह मिल्क प्रोड्यूसर कंपनी प्रतिदिन 300000 लीटर दूध का संग्रह करने में सक्षम हो जाएगी।

यूपी में महिलाओं द्वारा संचालित मिल्क प्रोड्यूसर कंपनी का उत्कृष्ट मॉडल बुंदेलखंड की बलिनी मिल्क प्रोड्यूसर कंपनी है। 2019 में सिर्फ पांच महिलाओं द्वारा शुरू किए गए इस कंपनी में वर्तमान में 71000 महिलाएं शेयरहोल्डर हैं। बलिनी के जरिये प्रतिदिन 250000 लीटर दूध का संग्रहण होता है। इस कंपनी ने 1225 करोड़ रुपये का टर्नओवर करके 24 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ कमाया है। बलिनी में महिलाओं की सफल भागीदारी देखकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के महिला समर्थ योजना के अंतर्गत प्रदेश में पांच मिल्क प्रोड्यूसर कंपनी बनाने के निर्देश दिए थे। इनमें से एक कंपनी श्री बाबा गोरखनाथ कृपा मिल्क प्रोड्यूसर कंपनी का गठन 2022 में गोरखपुर में किया गया है। इस कंपनी का कार्यक्षेत्र मंडल के चार जिलों गोरखपुर, महराजगंज, देवरिया और कुशीनगर है। इस मिल्क प्रोड्यूसर कंपनी ने विगत एक साल से कार्य करना शुरू किया है और इस कम अवधि में ही चारों जिलों में 400 गांवों की 14000 से अधिक महिलाएं शेयरहोल्डर बनकर प्रतिदिन 48000 लीटर दूध का संग्रह कर रही हैं। इस कंपनी ने गोरखपुर के कैम्पियरगंज, खजनी, बड़हलगंज, देवरिया के रुद्रपुर, पथरदेवा, भाटपार और कुशीनगर के कसया में दूध अवशीतन केंद्रों (मिल्क चिलिंग सेंटर्स) भी खोल दिया है जहां गांवों में सदस्य महिलाओं द्वारा संग्रहित दूध को प्रोसेस किया जा रहा है। श्री बाबा गोरखनाथ कृपा मिल्क प्रोड्यूसर कंपनी और इसके सात मिल्क चिलिंग सेंटर्स का औपचारिक लोकार्पण मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विगत दिनों गोरखपुर में ग्रामीण आजीविका मिशन के एक खास समारोह में किया था।

श्री बाबा गोरखनाथ कृपा मिल्क प्रोड्यूसर कंपनी के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) धनराज साहनी बताते हैं कि अभी कंपनी की शेयरहोल्डर महिलाओं द्वारा संग्रहित दूध की आपूर्ति मदर डेयरी की इटावा और मोतिहारी प्लांट को किया जा रहा है। स्थानीय स्तर पर दूध की आपूर्ति के लिए गोरखपुर के गीडा में स्थापित पेप्सिको की फ्रेंचाइजी वरुण बेवरेजेज और ज्ञान डेयरी से भी बातचीत चल रही है। दूध संग्रह बढ़ने के साथ यह बातचीत भी फलदायी हो जाने की उम्मीद है। सीईओ के मुताबिक मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अधिक से अधिक पशुपालक महिलाओं को शेयरहोल्डर बनाने और दूध संग्रह बढ़ाने के निर्देश दिए हैं। इसके लिए राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के अधिकारियों की मदद ली जा रही है। पूरी उम्मीद है कि मार्च 2025 तक शेयरहोल्डर की संख्या मंडल के पांच सौ गांवों में कम से कम 20000 तथा प्रतिदिन दूध संग्रह 70000 लीटर हो जाएगी। कंपनी ऐसी कार्ययोजना पर काम कर रही है जिससे अगले दो साल में दूध संग्रह प्रतिदिन 300000 लीटर हो जाए। कंपनी को अपना काम आगे बढ़ाने में नेशनल डेयरी डेवलपमेंट बोर्ड का भी सहयोग मिल रहा है।

नागा संन्यासियों के श्री तपोनिधि आनंद अखाड़े ने किया महाकुम्भ में भव्य छावनी प्रवेश

प्रयागराज के नगरवासियों और मेला प्रशासन ने पुष्पवर्षा कर किया साधु संतों का स्वागत

महाकुम्भनगर, 06 जनवरी (एजेंसियां)।

ग्रह-नक्षत्रों के विशिष्ट खगोलीय संयोग से 144 वर्ष बाद पड़ रहे महाकुम्भ 2025 के दिव्य-भव्य आयोजन में सभी अखाड़े तिथि और परंपरा अनुसार महाकुम्भ मेला क्षेत्र में छावनी प्रवेश कर रहे हैं। इसी क्रम में भगवान सूर्य को अपना इष्टदेव मानने वाले श्री तपोनिधि आनंद अखाड़े ने सोमवार को परंपरा अनुसार महाकुम्भ में छावनी प्रवेश किया। शैव परंपरा के श्री तपोनिधि आनंद अखाड़े ने हाथी, घोड़ों, रथ, ऊंट पर सवार नागा संन्यासियों, आचार्य, मण्डलेश्वर, महामण्डलेश्वरों ने बाजे-गाजे के साथ मेला क्षेत्र में प्रवेश किया। छावनी प्रवेश यात्रा में साधु-

संन्यासियों का नगर और मेला प्रशासन ने माल्यार्पण और पुष्पवर्षा कर स्वागत किया तो वही प्रयागराजवासियों ने भी नागा संन्यासियों का दुलर्भ दर्शन और आशीर्वाद प्राप्त किया।

सनातन धर्म और संस्कृति के रक्षक श्री तपोनिधि आनंद आखड़े ने सोमवार को परंपरा और क्रम के अनुसार महाकुम्भ 2025 के मेला क्षेत्र में दिव्य-भव्य छावनी प्रवेश किया। आनंद अखाड़े की छावनी प्रवेश यात्रा मठ बाघम्बरी गद्दी से निकल कर भारद्वाजपुरम के लेबर चौराहे से मटियारोड होते हुए अलोपी देवी चौरहे पहुंची। अलोपी देवी से छावनी प्रवेश यात्रा दारंगज के दशाश्वमेध घाट से मुड़ कर शास्त्री ब्रिज के नीचे से होते हुए संगम क्षेत्र में प्रवेश कर गई। छावनी यात्रा का जगह-जगह नगरवासियों और नगर प्रशासन ने पुष्प वर्षा कर स्वागत किया। संगम क्षेत्र में छावनी यात्रा के दौरान मेला प्रशासन के अधिकारियों ने अखाड़े के साधु-संन्यासियों और मण्डलेश्वर, महामण्डलेश्वरों का स्वागत और अभिनंदन किया।

आनंद अखाड़े की भव्य शोभा यात्रा में बाजे-गाजे के साथ सबसे आगे धर्म ध्वजा चल रही थी। उसके पीछे धर्म के रक्षक नागा संन्यासियों की टोली हाथों में भाले, बरछी, तलवार लेकर इष्टदेव भगवान सूर्य का विग्रह लेकर चल रहे थे। छावनी प्रवेश यात्रा में भगवान सूर्य के साथ गुरु निशान लेकर चल रहे थे जो मेला क्षेत्र के अखाड़े में स्थापित की गई। भगवान सूर्य के जयघोष के साथ अखाड़े के आचार्य, मण्डलेश्वर, महामण्डलेश्वर अपने-अपने रथों, हाथी, घोड़ों पर सवार हो कर छावनी यात्रा की शोभा बढ़ा रहे थे। छावनी यात्रा में अखाड़े के अध्यक्ष शंकरानंद गिरि, आचार्य महामण्डलेश्वर बालकानंद गिरि के मार्गदर्शन में महामण्डलेश्व सुरेन्द्रानंद गिरि, सचिव बरेली के कालू गिरि महाराज के साथ ही महिला महामण्डलेश्वर साध्वी मंजू, श्री जी आदि साधु-संन्यासियों ने नगर वासियों को आशीर्वाद देते हुए मेला क्षेत्र में प्रवेश किया।

योगी के मंत्रियों ने सिक्किम की जनता को दिया महाकुम्भ-2025 का निमंत्रण

गंगटोक, 06 जनवरी (एजेंसियां)।

कैबिनेट मंत्री ओम प्रकाश राजभर और राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) जेपीएस राठौर ने सिक्किम की राजधानी गंगटोक में प्रयागराज महाकुम्भ-2025 रोडशो का नेतृत्व किया। मंत्रियों ने कहा कि महाकुम्भ- 2025 भारत की विविधता में एकता का उत्सव है। इसे दिव्य, भव्य और डिजिटल बनाने के लिए सरकार प्रतिबद्ध है। मंत्रियों ने राज्यपाल ओम प्रकाश माथुर एवं मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग तथा सिक्किम राज्य की सम्मानित जनता को महाकुम्भ में आने के लिए आमंत्रित किया। रोडशो के दौरान प्रेसवार्ता में मंत्रियों ने बताया कि 13 जनवरी से 26 फरवरी 2025 तक आयोजित महाकुम्भ में 45 करोड़ श्रद्धालुओं के आने की संभावना है। पर्यावरण अनुकूल महाकुम्भ के लिए सिंगल-यूज प्लास्टिक पर प्रतिबंध और 3 लाख पौधों का रोपण किया गया है। मेला क्षेत्र में स्वच्छता अभियान के तहत चार लाख बच्चों और नागरिकों को जोड़ा गया है। श्रद्धालुओं की स्वास्थ्य सुविधा के लिए 100-बेड के अस्पताल समेत छोटे आईसीयू बनाए गए हैं। महाकुम्भ की डिजिटल विशेषताओं में एआई चैटबॉट, क्यूआर-आधारित पास, बहुभाषीय खोया-पाया केंद्र और गूगल मैप इंटीग्रेशन शामिल हैं। श्रद्धालुओं की गिनती के लिए आरएफआईडी रिस्ट बैंड, कैमरों से ट्रैकिंग और मोबाइल ऐप का उपयोग होगा। रिवर फ्रंट, शुद्ध पेयजल और 44 घाटों पर पुष्प वर्षा की विशेष व्यवस्था की गई है। 15.25 किमी लंबा रिवर फ्रंट, स्मार्ट पार्किंग स्थल, और अपग्रेडेड कंट्रोल सेंटर भी कुंभ की तैयारियों का हिस्सा हैं।

संपादकीय

चीन में कोरोना-सा वायरस!

क्या चीन में एक बार फिर कोरोना वायरस अथवा उसके जैसा ही खतरनाक, जानलेवा वायरस फैला है? चीन खामोश क्यों है? क्या चीन इस बार भी संक्रमण के विस्फोट और विस्तार को छिपाए रखेगा? भारत सरकार ने विश्व स्वास्थ्य संगठन से इन सवालों के स्पष्टीकरण मांगे हैं। क्या यह संगठन पुष्टि करेगा कि चीन में किस तरह का संक्रमण फैला है और वह भारत सरीखे पड़ोसी देशों के लिए कितना भयावह साबित हो सकता है? भारत का 'नेशनल सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल (एनसीडीसी) देश में सांस और मौसमी इन्फ्लूएंजा के मामलों पर करीबी नजर रखे है। संयुक्त निगरानी समिति जांच कर रही है कि देश पर किसी तरह के वायरस का प्रभाव शुरू हुआ है या नहीं! अलबत्ता जनता को आश्वस्त किया जा रहा है कि फिलहाल चिंता और दहशत की स्थिति नहीं है। चीन में 'ह्यूमन मेटापन्यूमो वायरस' (एचएमपीवी) के संक्रमण फैलने की खबर ही पुष्टि हुई है। यह वायरस भी कोरोना महामारी के वायरस जैसा ही बताया जा रहा है। टीवी चैनलों पर कुछ वीडियो सार्वजनिक हुए हैं, जिनमें चीन के अस्पताल खचाखच भरे दिखाई दे रहे हैं। भीड़ का सैलाब उमड़ा है। लोगों ने मास्क पहने हुए हैं। कुछ चीख-पुकार और कुछ बदहवासी का माहौल दिख रहा है। ऐसी भी सूचनाएं सार्वजनिक हुई हैं कि चीन में वायरस से मौतों का सिलसिला भी शुरू हो चुका है, लेकिन अभी तक कोई भी आंकड़ा घोषित या सत्यापित नहीं किया गया है। चीन सरकार इस बार भी खामोश है। चीन ने अपने यहां फ्लू के बड़े प्रकोप की खबरों को खारिज किया है। उसका यह रवैया नवंबर, 2019 में भी लगभग यही था, जब कोरोना वायरस का पहला केस, चीन के ही वुहान शहर में, सामने आया था। तब उसे 'रहस्यमयी निमोनिया' करार दिया गया था। चीन में ही कोरोना से हुई पहली मौत भी दर्ज की गई थी। कोरोना वैश्विक महामारी दुनिया भर ने झेली और 71 लाख से अधिक मौतें हुईं। भारत में भी करीब 5.5 लाख लोग कोरोना वायरस के संक्रमण के कारण मारे गए। इस त्रासदी को 'अभूतपूर्व' माना गया। दुनिया में गैर-सरकारी संगठनों और एजेंसियों ने मौत के आंकड़े कई गुना अधिक बताए थे। बहरहाल कोरोना संक्रमण के तनाव, भय, दंश, मौतों से लेकर आर्थिक तालाबंदी का वह दौर इतना भयावह था कि हम भूल नहीं सकते। भूलना भी नहीं चाहिए। बहरहाल चीन खुद को एक किले में बंद रखता आया है। वहां सामान्य मीडिया, सोशल मीडिया ही नहीं, लोगों पर भी पाबंदियां हैं कि वे किसी भी तरह की सूचना को सार्वजनिक नहीं कर सकते। जो कहना है, वह चीन सरकार ही कहेगी। वहां जो वायरस फैला है, उसके लक्षण भी कोरोना सरीखे ही हैं। लोगों में तेज बुखार देखा जा रहा है। फेफड़ों में संक्रमण और सांस लेने में परेशानी की खबरें भी आई हैं, लेकिन चीन में इस वायरस का प्रभाव कुछ अलग देखा जा रहा है कि संक्रमण 5 साल की उम्र से छोटे बच्चों में फैल रहा है। कोरोना संक्रमण से बच्चे प्रभावित नहीं हुए थे। उनकी रोग प्रतिरोधक क्षमता जन्म से ही मजबूत आंकी गई थी। कोरोना संक्रमण के शिकार बड़ी उम्र के लोग और अधिकतर बुजुर्ग लोग ही हुए। चीन ने अभी तक सांस संबंधी सामान्य संक्रमण को ही स्वीकार किया है। वहां के विदेश मंत्रालय ने कहा है कि विदेशियों के लिए चीन की यात्रा बिलकुल सुरक्षित है। प्रवक्ता के मुताबिक, सर्दियों के मौसम में संक्रमण चरम पर होता है, लेकिन बीते वर्ष की तुलना में बीमारियां छोटे स्तर पर ही फैल रही हैं। बहरहाल अब दायित्व विश्व स्वास्थ्य संगठन का है कि वह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्पष्ट करे कि चीन में कोरोना सरीखे वायरस की मौजूदा स्थिति क्या है।

चीन में 'ह्यूमन मेटापन्यूमो वायरस' (एचएमपीवी) के संक्रमण फैलने की खबर ही पुष्टि हुई है। यह वायरस भी कोरोना महामारी के वायरस जैसा ही बताया जा रहा है। टीवी चैनलों पर कुछ वीडियो सार्वजनिक हुए हैं, जिनमें चीन के अस्पताल खचाखच भरे दिखाई दे रहे हैं। भीड़ का सैलाब उमड़ा है। लोगों ने मास्क पहने हुए हैं। कुछ चीख-पुकार और कुछ बदहवासी का माहौल दिख रहा है। ऐसी भी सूचनाएं सार्वजनिक हुई हैं कि चीन में वायरस से मौतों का सिलसिला भी शुरू हो चुका है, लेकिन अभी तक कोई भी आंकड़ा घोषित या सत्यापित नहीं किया गया है। चीन सरकार इस बार भी खामोश है। चीन ने अपने यहां फ्लू के बड़े प्रकोप की खबरों को खारिज किया है। उसका यह रवैया नवंबर, 2019 में भी लगभग यही था, जब कोरोना वायरस का पहला केस, चीन के ही वुहान शहर में, सामने आया था। तब उसे 'रहस्यमयी निमोनिया' करार दिया गया था। चीन में ही कोरोना से हुई पहली मौत भी दर्ज की गई थी। कोरोना वैश्विक महामारी दुनिया भर ने झेली और 71 लाख से अधिक मौतें हुईं। भारत में भी करीब 5 .5 लाख लोग कोरोना वायरस के संक्रमण के कारण मारे गए।

बीते वर्ष में यद्यपि शहरी बेरोजगारी में कमी आई, लेकिन असंगठित सेक्टर में रोजगार के मौके घट गए

नए वर्ष में बेहतर होगी आर्थिकी

डा. जयंतीलाल भंडारी

नए वर्ष में भारतीय अर्थव्यवस्था बीते वर्ष 2024 से मिली आर्थिक और वित्तीय चुनौतियों का सफलतापूर्वक सामना करते हुए आगे बढ़ेगी और दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था के रूप में रेखांकित होगी। यदि हम नए वर्ष 2025 को बीते वर्ष 2024 से मिलने वाली आर्थिक विरासत को देखें तो पाते हैं कि इस विरासत में जहां कई चुनौतियां हैं, वहीं विकास के कई मजबूत आर्थिक आधार भी हैं। यद्यपि बीते वर्ष 2024 की शुरुआत 8 फीसदी विकास दर के साथ हुई थी, लेकिन बीते वर्ष की जुलाई से सितंबर की तिमाही में महज 5 .4 फीसदी की विकास दर के कारण कई आर्थिक गणित गडबड़ा गए। बीते वर्ष में भारत के आर्थिक परिदृश्य पर प्रमुखतया महंगाई तथा रोजगार चिंताजनक मुद्दे रहे हैं।

यकीनन वैश्विक आर्थिक और वित्तीय संगठनों के द्वारा नए वर्ष 2025 की आर्थिक संभावनाओं पर प्रकाशित विभिन्न रिपोर्टों के मुताबिक नया वर्ष 2025 भारत के लिए उजली आर्थिक संभावनाओं वाला वर्ष होगा। नए वर्ष में भारतीय अर्थव्यवस्था बीते वर्ष 2024 से मिली आर्थिक और वित्तीय चुनौतियों का सफलतापूर्वक सामना करते हुए आगे बढ़ेगी और दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था के रूप में रेखांकित होगी। यदि हम नए वर्ष 2025 को बीते वर्ष 2024 से मिलने वाली आर्थिक विरासत को देखें तो पाते हैं कि इस विरासत में जहां कई चुनौतियां हैं, वहीं विकास के कई मजबूत आर्थिक आधार भी हैं। यद्यपि बीते वर्ष 2024 की शुरुआत 8 फीसदी विकास दर के साथ हुई थी, लेकिन बीते वर्ष की जुलाई से सितंबर की तिमाही में महज 5.4 फीसदी की विकास दर के कारण कई आर्थिक गणित गडबड़ा गए। बीते वर्ष में भारत के आर्थिक परिदृश्य पर प्रमुखतया महंगाई तथा रोजगार चिंताजनक मुद्दे रहे हैं। महंगाई के मोर्चे पर मुश्किलें लगभग अधिकांश महीनों में बनी रहीं। खासतौर से नवंबर 2024 के बाद एक बार फिर थोक एवं खुदरा महंगाई बढने लगी और महंगाई रिजर्व बैंक के निर्धारित दायरे से बाहर रही। बीते वर्ष में यद्यपि शहरी बेरोजगारी में कमी आई, लेकिन असंगठित सेक्टर में रोजगार के मौके घट गए। बीते वर्ष में विदेश व्यापार घाटा भी बढ़ा। बीते हुए वर्ष में रुपया वर्षभर लुढक़ता रहा। वर्षभर डॉलर की तुलना में रुपए की कीमत घटती गई और दिसंबर 2024 में डॉलर के मुकाबले रुपया लुढक़कर 85 से भी नीचे के स्तर पर पहुंच गया। वर्ष 2024 में देश के विदेशी मुद्रा भंडार में भी कभी कमी तो कभी वृद्धि होती रही। दिसंबर 2024 में विदेशी मुद्रा कोष घटते हुए करीब 652 अरब डॉलर के स्तर पर पहुंच गया। निश्चित रूप से नए वर्ष 2025 को पिछले बीते वर्ष से आर्थिक विकास के ठोस आधार भी मिले हैं। अर्थविशेषज्ञ एक मत से कारोबारी और वित्तीय ऊंचाई को लेकर आशावादी हैं और वे विकास मूलक संकेत देते हुए देश की मजबूत बैलेंस शीट प्रस्तुत कर रहे हैं। कहा जा रहा है कि कृषि, खनन, निर्माण तथा औद्योगिक उत्पादन को तेज रफ्तार मिलेगी। नई द्विपक्षीय व्यापार वार्ताएं व नए मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) आकार लेते हुए दिखाई देंगे। खासतौर से सीमेंट, इलेक्ट्रिसिटी, होटल, ट्रांसपोर्ट, ऑटो मोबाइल, फॉर्मा, केमिकल, फूड प्रोसेसिंग, टेक्सटाइल, ई-कॉमर्स, बैंकिंग, मार्केटिंग, डेटा एनालिसिस, सायबर

सिक्योरिटी, आईटी, टूरिज्म, रिटेल ट्रेड आदि क्षेत्रों में तेज विकास होगा। इससे रोजगार और स्वरोजगार के मौके बढ़ते हुए दिखाई देंगे। नए वर्ष 2025 में सेंसेक्स और निफ्टी नई ऊंचाइयों पर पहुंचते हुए दिखाई देंगे। साथ ही सोना, चांदी के भावों की नई उड़ान भी दिखाई देगी। गौरतलब है कि नए वर्ष 2025 में स्थानीय और घरेलू बाजार की मजबूती अर्थव्यवस्था के लिए लाभप्रद होगी। पिछले 10 साल में देश जिस तेजी से आत्म निर्भरता की नीति और वोकल फॉर लोकल के मंत्र के साथ आगे बढ़ा है, उससे नए वर्ष में देश अधिक लाभान्वित होगा। डेलॉइट इंडिया की इंडियाज होम एंड हाउसहोल्ड मार्केट रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत का घरेलू बाजार 10 फीसदी से अधिक की चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर (सीएजीआर) से बढ़ेगा और इस तेज गति से वर्ष 2030 तक भारत का घरेलू बाजार लगभग 237 अरब डॉलर की ऊंचाई पर पहुंच सकता है। निश्चित रूप से नए वर्ष में देश के कोने-कोने में मेक इन इंडिया अभियान की शक्ति बढ़ेगी। साथ ही भारत दुनिया में सबसे अधिक मांग वाला तीसरा बड़ा विनिर्माण गंतव्य भी उभरकर दिखाई देगा। देश में चीन से आयात किए जाने वाले दवाई, रसायन और अन्य कच्चे माल का विकल्प तैयार करने के लिए लागू प्रोडक्शन लिंक्ड इनसेंटिव (पीएलआई) स्कीम के और अधिक अच्छे परिणाम मिलते हुए दिखाई देंगे। निस्संदेह नए वर्ष 2025 में कृषि और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को बढ़ावा मिलेगा। देश में कृषि उन्नयन, खेती में नवाचार को प्रोत्साहन देने, लागत को कम करते हुए उत्पादन के साथ ही किसानों की आय बढ़ाने का अभूतपूर्व अभियान आगे बढ़ता हुआ दिखाई दे सकेगा। इसमें कोई दोमत नहीं है कि सरकार को बीते हुए वर्ष से जो बेहतर मानसून विरासत में मिला है, उससे नए वर्ष में ग्रामीण अर्थव्यवस्था रफ्तार से बढ़ेगी, ग्रामीण इलाकों में खपत भी बढ़ेगी। देश में कृषि क्षेत्र तेजी से आगे बढ़ेगा। ज्ञातव्य है कि फसल वर्ष 2023-24 में खाद्यान्न उत्पादन रिकॉर्ड 32.22 करोड़ टन के स्तर पर पहुंच गया। वर्ष 2023-24 में गेहूं और चावल का अधिक उत्पादन हुआ है। गेहूं का रिकॉर्ड उत्पादन 1132.92 लाख टन और चावल का उत्पादन 1378.25 लाख टन के स्तर पर पहुंच गया। यह अनुमान किया गया है कि सरकार की नई कृषि विकास रणनीति से नए वर्ष में खाद्यान्न उत्पादन रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच जाएगा। यह स्पष्ट दिखाई दे रहा है कि नए वर्ष 2025 में भारत में कर संग्रह में तेज वृद्धि होगी। उद्योग-कारोबार में बेहतरी से वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) संग्रह में वृद्धि होगी। मौजूदा वित्तीय वर्ष 2024-25 में अप्रैल से नवंबर 2024 के बीच जीएसटी संग्रह पिछले वर्ष की इस अवधि के मुकाबले 9 फसदी बढक़र 14.56 लाख करोड़ रुपए हो गया है। इसी प्रकार मौजूदा वित्त वर्ष 2024-25 में बीते हुए वर्ष से अधिक आयकर रिटर्न और अधिक आयकर प्राप्ति का परिदृश्य उभरकर दिखाई दे रहा है। चालू वित्त वर्ष 2024-25 के लिए 7.28 आयकर रिटर्न दाखिल किए गए। इसमें कोई दो मत नहीं है कि नए वर्ष में दुनिया की तेज बढ़ती भारतीय अर्थव्यवस्था के तहत बढ़ते उद्योग-कारोबार, सर्विस सेक्टर, शेयर बाजार और मध्यम वर्ग की क्रय शक्ति की नई ऊंचाइयों के कारण देश में टैक्स संग्रहण में तेज वृद्धि होगी। वस्तुतः कर संग्रह में तेज वृद्धि से बुनियादी ढांचे, सामाजिक सेवाओं और जीवन की गुणवत्ता में सुधार के लिए सरकार की क्षमता बढ़ेगी। सरकार की मु_यिों में बढ़ता कर राजस्व अर्थव्यवस्था के नवनिर्माण में मदद करेगा। यह बात भी महत्त्वपूर्ण है कि नए वर्ष में निर्यात और विदेशी निवेश की संभावना बढ़ेगी। सरकार की वित्तीय नियंत्रण की नीतियों से नए वर्ष 2025 में भारत राजकोषीय घाटा नियंत्रण में सफल रहते हुए दिखाई देगा। हम उम्मीद करें कि जनवरी 2025 में ट्रंप के अमेरिका के राष्ट्रपति बनने के बाद अमेरिका द्वारा चीन पर भारी व्यापार प्रतिबंधों की संभावना से भारत के नए वैश्विक आपूर्तिकर्ता देश बनने की संभावना बढ़ेगी। नए वर्ष में भारतीय शेयर बाजार की राह कठिन नहीं होगी, शेयर बाजार को सर्वोच्च ऊंचाई पर पहुंचाने में घरेलू फंडों की अहम भूमिका होगी और कारपोरेट आय को बढ़ावा मिलेगा। हम उम्मीद करें कि नए वर्ष 2025 में सरकार के द्वारा आर्थिक और वित्तीय सुधारों, कृषि सुधारों, मेक इन इंडिया, निर्यात बढ़ाने और ग्रामीण क्षेत्रों की आमदनी बढ़ाने के रणनीतिक प्रयासों से देश की अर्थव्यवस्था मजबूत होगी।

दृष्टि कोण

स्कूल ड्रॉप आउट समस्या और उसका समाधान

भारत में हर साल स्कूल ड्रॉप आउट एक प्रमुख समस्या है, जो शिक्षा प्रणाली और समाज दोनों के लिए चिंता का विषय है। यह समस्या बच्चों के व्यक्तिगत और सामाजिक विकास पर प्रतिकूल प्रभाव डालती है। हिमाचल प्रदेश, जो अपनी उच्च साक्षरता दर और शिक्षा के प्रति समर्पण के लिए जाना जाता है, भी इस समस्या से पूरी तरह अछूता नहीं है। हालांकि राज्य ने शिक्षा के क्षेत्र में कई महत्त्वपूर्ण प्रगति की है, फिर भी स्कूल छोडने वाले छात्रों की संख्या में कमी लाने के लिए अभी भी कई चुनौतियां बनी हुई हैं। शिक्षा मंत्रालय की यू-डीआईएसई प्लस रिपोर्ट 2023-24 का बड़ा खुलासा हुआ है। देशभर में स्कूली शिक्षा के नामांकन में 37 लाख से अधिक की गिरावट आई है। सबसे अधिक असर माध्यमिक स्तर पर पड़ा है। यह गिरावट एससी, एसटी, ओबीसी और लड़कियों के वर्ग में सबसे अधिक है। हिमाचल प्रदेश में 4.60 प्रतिशत ड्रॉप रेट है। केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय का जोर स्कूल छोडने वालों की संख्या को कम करना और उन्हें वापस स्कूलों में लाना है। हालांकि, इस रिपोर्ट में बताया गया है कि प्रिपरेटरी स्तर पर 3.7 प्रतिशत और मिडिल स्कूल तक आते-आते 5.2 प्रतिशत बच्चे स्कूल छोड़ देते हैं। सेकेंडरी स्तर पर यह प्रतिशत बढक़र 10.9 हो जाता है। अलग-अलग कारणों से छात्र 9वीं से 12वीं के बीच सबसे ज यदा स्कूल से ड्रॉप आउट होते हैं। हिमाचल प्रदेश में स्कूल ड्रॉप आउट की समस्या के पीछे कई कारक जिम्मेदार हैं। आर्थिक स्थिति एक प्रमुख कारण है, खासकर ग्रामीण क्षेत्रों में, जहां परिवार अपनी वित्तीय स्थिति को मजबूत करने के लिए बच्चों को स्कूल से हटाकर मजदूरी करने के लिए मजबूर कर देते हैं। लड़कियों के ड्रॉप आउट का एक बड़ा कारण पारंपरिक सामाजिक मान्यताएं और विवाह की कम उम्र में जिम्मेदारी का बोझ है। इसके अलावा, स्कूलों की दूरियां और उच्च विद्यालय स्तर पर विज्ञान, गणित और अन्य विषयों के शिक्षकों की कमी भी बच्चों को स्कूल छोडने के लिए मजबूर करती है। समग्र शिक्षा कार्यक्रम की 2023-24 की रिपोर्ट के अनुसार भारत में औसत ड्रॉप आउट दर 12.6 प्रतिशत है, जिसमें बिहार, आंध्र प्रदेश, असम, गुजरात, कर्नाटक, मेघालय और पंजाब जैसे राज्यों में यह दर अधिक है। स्कूल छोडने के प्रमुख कारणों में शिक्षा की बढ़ती लागत, निजी स्कूलों की उच्च फीस, शिक्षकों की कमी, स्कूलों की खराब अवस्थापना और ग्रामीण क्षेत्रों में स्कूलों की दूरी शामिल हैं। इसके अतिरिक्त छात्रों के फेल होने, अनुशासनात्मक कार्रवाइयों, और परिवार की आर्थिक स्थिति भी महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाती है। इस समस्या के समाधान के लिए सबसे पहले शिक्षा की लागत कम करना होगा। सरकारी स्कूलों में मुफ्त या सस्ती शिक्षा प्रदान करना, ताकि आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के बच्चे शिक्षा से वंचित न रहें। शिक्षकों की संख्या बढ़ाना, शिक्षकों की स्थाई भर्ती में तेजी लाना और उनकी गुणवत्ता में सुधार करना, ताकि छात्रों को बेहतर शिक्षा मिल सके। स्कूलों में इंफ्रास्ट्रक्चर, स्कूल भवनों की मरम्मत, आवश्यक सुविधाओं की उपलब्धता, इंटरनेट, खेल मैदान और सुरक्षित परिवहन की व्यवस्था करना इत्यादि। शिक्षा के महत्त्व के बारे में समुदायों में जागरूकता फैलाना, ताकि माता-पिता अपने बच्चों को स्कूल भेजने के लिए प्रेरित हों। इन प्रयासों के माध्यम से हिमाचल प्रदेश में स्कूल ड्रॉप आउट की समस्या को कम किया जा सकता है, जिससे शिक्षा का स्तर और समग्र विकास में सुधार होगा। फिनलैंड देश ने स्कूल ड्रॉप आउट को रोकने के लिए प्रभावी नीतियां बनाई हैं। वहां की शिक्षा प्रणाली व्यक्तिगत विकास और समग्र शिक्षा पर जोर देती है। फिनलैंड में मुफ्त शिक्षा, व्यक्तिगत शिक्षण सहायता और कक्षाओं में कम छात्र संख्या जैसी विशेषताएं शामिल हैं। इसके अलावा कमजोर छात्रों के लिए अतिरिक्त सहायता और परामर्श सेवाएं उपलब्ध हैं। ये नीतियां सुनिश्चित करती हैं कि हर छात्र को सीखने का समान अवसर मिले और ड्रॉप आउट दर न्यूनतम बनी रहे।

कुछ अलग

ताकि बाल मन रहे सुरक्षित

निस्संदेह डिजिटल दौर ने बच्चों के जीवन को गहरे तक प्रभावित किया है। आज सोशल मीडिया युवाओं के संवाद का अभिन्न माध्यम बन गया है। लेकिन इसके साथ तमाम तरह के जोखिम भी जुड़े हैं, जिनसे किशोरों को बचाने की सख्त जरूरत है। भारत में वर्ष 2023 में लाए गए डिजिटल पर्सनल डेटा प्रोटेक्शन एक्ट के नियमों के तहत नाबालिगों के लिये सोशल मीडिया अकाउंट खोलने के लिये माता-पिता या अभिभावकों की सहमति अनिवार्य है। निश्चिय ही यह बच्चों की सुरक्षा से जुड़ा एक सराहनीय कदम है। दुनिया के विभिन्न देशों में ऐसे कानून पहले से ही मौजूद हैं। यूरोपीय संघ के जनरल डेटा प्रोटेक्शन रेगुलेशन के लिये सोलह साल से कम उम्र के उपयोगकर्ताओं के लिये माता-पिता की सहमति अनिवार्य है। वहीं यूएस चिल्ड्रन ऑनलाइन प्राइवेसी प्रोटेक्शन एक्ट में 13 वर्ष के उपयोगकर्ताओं के लिये कड़े नियम लागू किए गए हैं। दरअसल, इन कानूनों का मकसद नाबालिगों को साइबर बुलिंग, शोषण व गोपनीयता के उल्लंघन से बचाना है। भारतीय कानून में भी इन नियमों का ध्यान रखा गया है। दरअसल, इन प्रावधानों की जरूरत इसलिए भी महसूस की जा रही है कि पूरी दुनिया में 58 फीसदी किशोर टिकटॉक जैसे प्लेटफॉर्मों के दैनिक उपयोगकर्ता हैं, जो नुकसानदायक सामग्री के संपर्क में आ सकते हैं। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2023 में दिल्ली के एक व्यक्ति ने डिजिटल माध्यमों की खामियों का लाभ उठाते हुए सात सौ से अधिक महिलाओं को स्नैपचैट का उपयोग करके ब्लैकमेल करने का प्रयास किया था। इसी तरह इंस्टाग्राम पर धमकाने के बाद ब्रिटेन में एक किशोर की दुखद आत्महत्या ने सोशल मीडिया के मनोवैज्ञानिक प्रभावों की घातकता को बताया। दरअसल, भारत के प्रस्तावित नियम भी सोशल मीडिया कंपनियों को मजबूत उपायों के जरिये माता-पिता की सहमति से जवाबदेह बनाने का प्रयास ही है। जिससे अभिभावकों को अपने बच्चों की ऑनलाइन गतिविधियों में भागेदारी में मार्गदर्शन करने का अधिकार मिल सके। इन नियमों को फुलप्रूफ बनाने में एआई संचालित आयु सत्यापन, डिजिटल साक्षरता कार्यशालाएं आयोजित करने और इसके साथ ही पारदर्शी शिकायत तंत्र की महत्वपूर्ण भूमिका हो सकती है। इन उपायों की नियमित निगरानी, हितधारकों की प्रतिक्रिया तथा वैश्विक मानकों के साथ तालमेल से इस ढांचे को प्रभावी बनाया जा सकेगा। निस्संदेह, इन नियमों के अनुपालन से भारत में बच्चों के लिये सुरक्षित ऑनलाइन वातावरण बनाने के साथ ही वैश्विक प्रयासों में योगदान दिया जा सकता है। ऐसे वक्त में जब आज डिजिटल दुनिया से जुड़ाव अपरिहार्य है, बच्चों की सुरक्षा और भलाई को प्राथमिकता बनाना न केवल एक जिम्मेदारी है, बल्कि एक नैतिक अनिवार्यता भी है। इस दिशा में स्थायी परिवर्तन के लिये माता-पिता, शिक्षक और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों के बीच बेहतर तालमेल बनाना वक्त की जरूरत है। साथ ही बच्चों को विवेकशील बनाने की दिशा में पहल की जानी चाहिए ताकि वे अपना भला-बुरा समझ सकें। इस दिशा में निगरानी करने वाली सरकारी एजेंसियों की सजगता भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। यह एक गंभीर विषय है और गंभीरता के साथ चुनौती का सामना करने की जरूरत बताता है।

देश दुनिया से

जरूरत है मृत्युदंड पर पुनर्विचार की

यमन में मृत्युदंड की सज़ा सुनाई भारतीय महिला को बचाने के यत्नों के दौरान हमें यह सोचना चाहिए कि क्या हम को कठोरतम दंड यानी फांसी की सजा देना जारी रखना चाहिए। निमिशा प्रिया नामक नर्स को हत्या का दोषी पाया गया है। उस पर इल्जाम है कि उसने कथित तौर पर पीड़ित (जो कि उसे जानता था) को जेल में मुलाकात के दौरान नशे का इंजेक्शन लगाया था। उसके मृत्यु दंड को रोकने के प्रयास अब तक विफल रहे हैं। एक अंतिम मौका यही बचा था कि मृतक के परिवार को 'खून की कीमत' की पेशकश करना और माफी मांगना। 'खून-माफी' की यह राशि 40,000 डॉलर (लगभग 34 लाख रुपये) आंकी गई है। यह रकम पूरी तो नहीं लेकिन इसका बड़ा हिस्सा नर्स के परिवार द्वारा एक वकील के पास जमा करवा दिया गया है। ऐसा लगता है कि वित्तीय मुआवजे की पेशकश को मान लिया गया है। अब केवल क्षमा-दान का बेसब्री से इंतजार है। हमारी सरकार परिवार की सहायता के लिए हर संभव प्रयास कर रही है। पर हम तो हमेशा से यही कहते आए हैं कि 'कानून को अपना काम करने दें', और इस महिला के मामले में भी यही लागू है। तो फिर हमारी सरकार उसकी मौत की सजा टालने के लिए मदद क्यों कर रही है? क्या इसलिए कि सरकार का मानना है कि वह दोषी नहीं है या उसे निष्पक्ष सुनवाई नहीं मिली? क्या इसलिए कि वह एक भारतीय है और सरकार एक भारतीय नागरिक की जान बचाने के लिए हरसंभव प्रयास करेगी? क्या इसलिए कि सरकार को लगता है कि सज़ा बहुत कठोर है? कारण चाहे जो भी हो, मदद प्रदान करने के लिए सरकार की सराहना की जानी चाहिए। लेकिन इस मामले से सरकार को हमारी कानून की किताबों में मृत्युदंड की आवश्यकता पर विचार करना बनता है। आखिरकार, जब हम किसी व्यक्ति को फांसी देते हैं, तब भी तो हम एक भारतीय नागरिक की जान ले रहे होते हैं। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि उस भारतीय को हमारे अपने देश में फांसी दी जाए या विदेशी धरती पर। यह भी सच है कि हमारी अदालतें मृत्युदंड देने में सतर्क और बेहद सावधान रहती हैं -वे ऐसा दुर्लभतम मामलों में ही करती हैं। लेकिन क्या अभियोजन पक्ष के लिए मृत्युदंड की मांग करने से बचना उचित नहीं होगा? किसी व्यक्ति को फांसी देने से क्या उद्देश्य पूरा हो जाता है? मृत्युदंड पर चर्चा करने पर सामान्य उत्तर यही आता है कि जघन्यतम अपराधों के विरुद्ध ऐसा एक निवारक डर होना जरूरी है। दुर्भाग्य से, इस तर्क का समर्थन करने के पक्ष में कोई सुबूत नहीं है। अमेरिका में मृत्युदंड की सज़ा सुनाए गए लोगों की संख्या बहुत ज़्यादा है, उनमें से बहुत बड़ी संख्या का मृत्युदंड क्रियान्वित किया भी जाता है। लेकिन क्या इससे वहां के स्कूलों में हत्या करने या सामूहिक गोलीबारी करने या हाल ही में न्यू ऑरलियन्स में हुए नरसंहार जैसे अपराध होना रुक गए? दूसरी ओर, ऐसा लगता है कि जिन मुल्कों में मृत्युदंड का प्रावधान हटाया गया है, वहां जघन्य अपराधों के मामलों में वृद्धि नहीं हुई है। फ्रांस ने 1981 में यह विकल्प चुना था, चार दशक से अधिक समय बीतने के बाद, इस बात का कोई प्रमाण नहीं है कि वहां जघन्य जुर्म की संख्या बढ़ी है। जिम्बाब्वे, जिसने पिछले साल दिसंबर में मृत्युदंड पर रोक लगाने के लिए संयुक्त राष्ट्र में पेश हुए प्रस्ताव पर मतदान में अनुपस्थिति दर्ज करवाई थी, ने भी मृत्युदंड को समाप्त कर दिया है। अब देखना यह है कि इस निर्णय का प्रभाव क्या रहेगा। हमारे देश में प्रति वर्ष बलात्कार और हत्या के हज़ारों मामले दर्ज किए जाते हैं। हमारे यहां आतंकवादी हमलों के भी अनेक मामले हैं। मेरा मानना है कि जघन्य अपराधों से जुड़े इन तमाम मामलों में यदि जांच प्रक्रिया तेजी से पूरी कर ली जाए और एक साल के अंदर मुकदमे की सुनवाई पूरी हो जाए, तो काफी हद तक न्याय मिल जाएगा। इसके वास्ते, जहां हमारी पुलिस को अपराधों की जांच करने के लिए उच्च प्रशिक्षित होने की जरूरत है वहीं हमारे अभियोजन पक्ष और अभियोजकों को भी ठोस और वैज्ञानिक सुबूतों से पूरी तरह लैस होना होगा। हाल ही में एक अखबार में छपी एक खबर के अनुसार एक मामले में 49 में से 48 गवाह मुकर गए। यह हमारी आपराधिक न्याय प्रणाली के बारे में क्या बताता है? सिर्फ इतना कि इसमें बड़े पैमाने पर बदलाव की जरूरत है। लेकिन, हो यह रहा है कि हमारे यहां

व्यवस्था को सुधारने के बजाय सबसे कठोरतम सज़ा यानी मृत्युदंड और ज्यादा देने की मांग की जा रही है। इससे व्यवस्था को सुधारने में मदद नहीं मिलेगी। देश भर की अदालतों को आपराधिक मामलों में सुनवाई और अपीलों के निपटारे में तेजी लाने की जरूरत है ताकि फैसले पर जल्दी पहुंचा जा सके। तभी जघन्य या अन्य अपराध करने वालों को यह संदेश मिलेगा कि उन्हें सज़ा जल्द मिल जाएगी और जेल काटनी पड़ेगी। कुछ अदालतों ने यह विचार करना शुरू कर दिया है कि जरूरी नहीं किसी व्यक्ति को फांसी पर लटकाना सबसे अच्छा समाधान है। हाल के दिनों में ऐसे मामले सामने आए हैं जिनमें अदालतों ने मौत की सजा सुनाने की बजाय दोषी को 20-25 साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई है। कुछ मामलों में, बिना किसी राहत के इतनी लंबी जेलबंदी की सजा दी गई है। कुछ केस ऐसे भी रहे, जिनमें दोषी को आजीवन कैद की सजा सुनाई गई है। क्या यह तरीका मौत की सजा जितना कठोर या उससे बढ़िया नहीं? कई देश ऐसा सोचने लगे हैं। मत भूलें कि अबू सलेम को पुर्तगाल से इस शर्त पर प्रत्यर्पित किया गया था कि भारत में उसे मृत्युदंड नहीं दिया जाएगा। इसमें कोई संदेह नहीं है कि मृत्युदंड का उन्मूलन एक बहुत ही विवादास्पद और पेचीदा विषय है, खासकर बलात्कार, हत्या, बच्चों के यौन शोषण और आतंकी हमलों जैसे जघन्यतम मामलों में। फिर भी, हमें इस विषय पर विस्तार से चर्चा करने और किसी तरह की नीति या आम सहमति बनाने की आवश्यकता है, अन्यथा, मृत्युदंड एक जुए का खेल बनकर रह जाएगा। इस बीच, आइए यमन की महिला के लिए प्रार्थना करें।

आप का नजरिया

जे सुक्खू राजी हो जावे

शिमला के आंगन में मुख्यमंत्री के सामने अगर सतिंद्र सरताज गा रहा हो तो इस रजामंदी में इतनी खनक तो है कि सारा रिज मस्त हो जाए। मनोरंजन की इस छांव में पहाड़ी गायक सामने हों या न हों, लेकिन पंजाबी के सुर और गायन की मदहोशी का पागलपन कुछ संस्कृति पसंद प्रशंसकों की कमीजें उतरवा कर उन्हें नचा सकता है। यकीन नहीं होता कि हिमाचल का शिष्टाचार अब इतना बेकाबू हो गया कि हम रिज की गरिमा में बेहूदा नाच कर सकते हैं। शायद करनैल राणा या कुलदीप शर्मा गा रहे होते, तो कम से कम कमीजें तो न उतरतीं। वाकई शिमला अब कॉर्निवाल हो गया या हिमाचल के सांस्कृतिक आयोजनों का यह कमाल हो गया कि हमारे आंगन से हिमाचली कलाकार गायब हो गया। सांस्कृतिक समारोहों के पैमानों में पंजाबी संगीत भरने वालों की इज्जत को यह गंवारा नहीं कि कोई हिमाचली गायक स्टेज पर चढ़े या उसे मेहनताने का प्रतिष्ठित कतरा मिल सके। बेशक सरताज की गायकी का हिंदोस्तान दिवाना है, लेकिन वह हिमाचली संस्कृति का राजदूत नहीं है। यर दीगर है कि हम हिमाचली भाषा को स्वीकार्यता न देने की सियासी मजबूरी के चलते पंजाबी को अपना लें, तो सरकारी समारोहों में रौनक की प्रासंगिकता बढ़ जाएगी, वरना प्रदेश अब सांस्कृतिक ऊर्जा के खाते में तरह-तरह से बीस-पच्चीस करोड़ खर्च इकट्ठा करके भी अंततः अपने ही लोक जीवन को बदल रहा है या बाहरी कलाकारों के नाम दौलत कर रहा है। हम पंजाबी विरोधी नहीं हैं, क्योंकि पंजाबी को भाषा बनाने की मान्यता में आठ हिमाचली बोलियां समाहित हैं, लेकिन अब सांस्कृतिक मंडी में घर और बाहर के कलाकार में फैसले हों तो कम से कम हिमाचली कलाकार का पेट भूखा न रहे। अगर हमारे कहे पर आपको एतराज है तो यह कैसे मुमकिन हो गया कि पिछले एक साल में सतिंदर सरताज की गायकी ने हिमाचल से सवा करोड़ के लगभग बसूल लिया। इतनी ही रकम से अगर हिमाचली कलाकारों को न्यौता देना हो, तो सारे के सारे निपट जाते। क्या बजंतरियों की कला और पौराणिक संगीत को ऐसे कार्निवाल का प्रश्रय नहीं मिलना चाहिए। क्या हमारे ट्राइबल संस्कृति का प्रदर्शन सांस्कृतिक समारोहों में नहीं होना चाहिए। चंबा मिंजर मेले में गाए जाने वाले कुंजड़ी मलहार की मधुर धुनों से क्या हमारे राज्य स्तरीय सांस्कृतिक समारोहों का आगाज नहीं हो सकता। क्या हम हर समारोह को लोक संस्कृति का उत्सव नहीं बना सकते। अंततः साल भर के तमाम उत्सवों, सांस्कृतिक समारोहों और मेलों को एक सूत्र में पिरोकर इन्हें पर्यटन की आचार संहिता में निरुपित करने की आवश्यकता है। प्रदेश की मेला एवं सांस्कृतिक उत्सवों की अपनी एक विरासत, क्षमता और सामाजिक स्वीकार्यता है। हर साल प्रमुख मेलों व सांस्कृतिक समारोहों के अलावा दर्जनों समारोह होने लगे हैं। इनकी आय और व्यय का न कोई ऑडिट और न ही कोई हिसाब है, जबकि छिंज मेलों में ही बाहरी पहलवानों पर बड़े-बड़े इनाम की राशियों का योग करोड़ों में बैठता है। मोटे तौर पर समाज व निजी व्यापारिक संस्थान सहमति या दबाव से करीब पचास करोड़ के आयोजन कर रहे हैं।

मन की आवाज सुनकर कोडिंग और रियल टाइम डिकोडिंग डिवाइस का सफल परीक्षण

बीजिंग, 06 जनवरी (एजेंसियां)।

चीन के वैज्ञानिकों ने ब्रेन कंप्यूटर इंटरफेस की डिवाइस तैयार की है। इसके दो सफल परीक्षण करने में सफलता प्राप्त की है। परीक्षण से यह संभव हो गया है, कि इंसान के मन की आवाज को सुना जा सकता है। उसके साथ संवाद भी बनाया जा सकता है।

चीन के स्टार्टअप न्यूरोएक्सेस ने पहले परीक्षण में यह साबित किया है। मरीज क्या सोच रहा है, इसकी कोडिंग की है। दूसरे परीक्षण में मन के विचारों को रियल टाइम पर

ब्रेन कंप्यूटर इंटरफेस तकनीकी के दो सफल परीक्षण

चीनी भाषा में डिकोड करने में सफलता हासिल की है।

चीन की समाचार एजेंसी शिन्हुआ के अनुसार पिछले वर्ष शंघाई की फुड़ान यूनिवर्सिटी से जुड़े हुआशान हॉस्पिटल के न्यूरोसर्जन की टीम ने मिर्गी के एक मरीज, जिसकी उम्र 21 वर्ष थी।

उसके दिमाग में 256 चैनल का लचीला बीसीआई डिवाइस इंस्टॉल किया था। इसका मकसद दिमाग के मोटर एरिया के ट्यूमर को ठीक करना था।

दिसंबर माह में डिवाइस के जरिए उसके विचार की कोडिंग की गई। 142 चीनी अक्षरों के के रूप में वह सामने आई। इन अक्षरों की डिकोडिंग की गई। एक अक्षर की डिकॉडिंग में 100 मिली सेकंड से भी कम का समय लगा।

न्यूरो एक्सिस के इस काम में लगे वैज्ञानिकों का कहना है। बीसीआई तकनीकी के माध्यम से मरीज के मस्तिष्क को सॉफ्टवेयर के माध्यम से कंट्रोल किया जा सकता है। एआई तकनीकी के माध्यम से बातचीत की जा सकती है।

इस तकनीकी के माध्यम से गंभीर मरीजों के दिमाग से सीधा संपर्क कर, उनके इलाज में ज्यादा बेहतर तरीके से इलाज किया जा सकता है। इस परीक्षण और इसके निष्कर्ष से वैज्ञानिकों की टीम काफी रोमांचित है। जो सोचा नहीं था, उस परिणाम तक पहुंचने का अनायास रास्ता मिला।

न्यूज ब्रीफ

जज प्रशिक्षण कार्यक्रम को बांग्लादेश ने किया रद्द, भारत में होनी थी ट्रेनिंग

ढाका। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने भारत में आयोजित होने वाले न्यायिक प्रशिक्षण कार्यक्रम को रद्द कर दिया है। यह फैसला बांग्लादेश की सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के तहत लिया गया है। इसके तहत 50 बांग्लादेशी जजों को मध्य प्रदेश में राष्ट्रीय न्यायिक अकादमी और राज्य न्यायिक अकादमी में 10 फरवरी को आयोजित एक दिवसीय प्रशिक्षण में भाग लेना था। रद्द करने का यह आदेश बांग्लादेश संगबाद द्वारा रिपोर्ट किए जाने के बाद आया। बांग्लादेश सरकार ने अपने प्रवक्ता के जरिए यह जानकारी दी कि ट्रेनिंग कार्यक्रम के लिए दी गई अधिसूचना को रद्द कर दिया है, लेकिन विस्तृत जानकारी नहीं दी गई। यह कार्यक्रम बांग्लादेशी न्यायाधीशों और न्यायिक अधिकारियों के लिए था, जिसमें जिला और सत्र न्यायाधीश से लेकर सहायक न्यायाधीश तक शामिल थे। भारत सरकार को इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के सभी खर्चों को उठाना था। भारत और बांग्लादेश के रिश्तों में हाल ही में तनाव बढ़ा है, विशेष रूप से जब बांग्लादेश की पीएम शेख हसीना के खिलाफ छात्र आंदोलन हुआ था। इसके बाद बांग्लादेश में हिंदू समुदाय के खिलाफ कई हमले हुए, जिससे भारत ने अपनी चिंता जताई थी।

दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति ने जांच एजेंसी के खिलाफ खोला मोर्चा

सियोल। दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति यून सुक येओल ने भ्रष्टाचार जांच कार्यालय की हिरासत से बचने के लिए कानूनी मोर्चा खोल दिया। येओल के वकीलों ने सोमवार को महाभियोगाधीन राष्ट्रपति को हिरासत में लेने के वारंट को निष्पादित करने के पिछले सप्ताह के प्रयास पर राज्य भ्रष्टाचार विरोधी एजेंसी के प्रमुख और 10 अन्य लोगों के खिलाफ अभियोजन पक्ष में शिकायत दर्ज कराई है। वकील युन गैप-ग्यून ने यह जानकारी दी। उच्च अधिकारियों के भ्रष्टाचार जांच कार्यालय (सीआईओ) ने शुक्रवार को यून के हिरासत वारंट पर तामील करने की कोशिश की। राष्ट्रपति आवास पर सुरक्षा कर्मचारियों के साथ एक घंटे तक टकराव हुआ। अब येओल के वकीलों ने सीआईओ प्रमुख ओह डोंग-वून और अन्य के खिलाफ सियोल सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट अभियोजक कार्यालय में शिकायत दर्ज कराई है। शिकायत में दावा किया गया कि सीआईओ ने राष्ट्रपति को हिरासत में लेने और उसके आवास की तलाशी लेने के लिए अवैध रूप से वारंट निष्पादित किया। वकीलों ने तर्क दिया कि सीआईओ के पास इस प्रयास के लिए पुलिस अधिकारियों को जुटाने का कोई अधिकार नहीं था। टीम ने कार्यवाहक राष्ट्रीय पुलिस एजेंसी के आयुक्त-जनरल ली हो-यंग और कार्यवाहक रक्षामंत्री किम सियोन-हो के खिलाफ भी शिकायतें दर्ज कराई हैं।

बांग्लादेश में चुनाव की तैयारी शुरू, 18 करोड़ लोग डालेंगे वोट

ढाका। बांग्लादेश में हिंसा और तनाव के बीच चुनावी तैयारियां शुरु हो गई हैं। मुख्य चुनाव आयुक्त एएमएम नासिर उद्दीन ने घोषणा की है कि करीब 18 करोड़ लोगों को फिर से उनके मतदान का अधिकार दिया जाएगा। एक रिपोर्ट के मुताबिक चुनाव आयोग इस प्रक्रिया को निष्पक्ष और विश्वसनीय बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। सीईसी ने चुनाव अधिकारियों के लिए आयोजित एक ट्रेनिंग कार्यक्रम में कहा कि आयोग 20 जनवरी से घर-घर जाकर डेटा संग्रह शुरू करेगा। इस प्रक्रिया के जरिए संभावित मतदाताओं की सूची को अद्यतन किया जाएगा। नासिर उद्दीन ने कहा कि हम उन लोगों के अधिकारों की रक्षा के लिए हैं, जो लंबे समय से मतदान से वंचित हैं। चुनाव आयोग ने निष्पक्षता तय करने के लिए कई सुधार शुरू किए हैं। अपदस्थ पीएम शेख हसीना की अवामी लीग पार्टी भी चुनावों में भाग ले सकती है, जब तक कि उस पर कोई कानूनी प्रतिबंध न लगे। नवगठित चुनाव आयोग ने पुराने चुनावों में हुई अनियमितताओं की जांच करने का भी फैसला लिया है। इसमें 2014, 2018 और 2024 में हुए चुनावों की खासतौर पर जांच की जाएगी, जिन्हें बांग्लादेश के इतिहास के सबसे विवादास्पद चुनावों में गिना जाता है। सीईसी नासिर ने कहा कि हम निष्पक्ष और विश्वसनीय चुनाव कराने के लिए प्रतिबद्ध हैं, ताकि देश का लोकतंत्र मजबूत हो।

इजराइल के हमलों में 200 नागरिकों की मौत, मरने वालों में महिलाएं व बच्चे शामिल

यरूशलम, 06 जनवरी (एजेंसियां)।

इजराइली सेना के लड़ाकू विमानों और ड्रोनों ने इस सप्ताह गाजा पट्टी में 100 से ज्यादा रिहायशी इलाकों पर बमबारी की, जिसमें करीब 200 लोगों के मारे जाने की खबर है जिसमें महिलाएं और बच्चे शामिल हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इजराइली सेना ने रविवार को बयान में कहा कि हवाई हमले आतंकवादियों के ठिकानों पर किए गए, जिनमें वह प्रक्षेपण स्थल भी शामिल हैं, जिनका इस्तेमाल इजराइल की ओर तीन रॉकेट दागने के लिए किया गया था। इजराइली रक्षा बलों के मुताबिक इस हमले में कई हमास लड़ाके मारे गए हैं।

मीडिया रिपोर्ट में बताया गया है कि इस सप्ताह करीब 92 इजराइली हवाई हमलों और गोलाबारी की घटनाओं में कम से कम 184 लोग मारे गए हैं। इससे पहले शनिवार को बताया गया था कि इजराइली सेना ने पिछले 72 घंटों में गाजा पट्टी पर 94 हवाई हमले और गोलाबारी की, जिसमें 184 लोग मारे गए। अपने बयान में हमास कार्यालय ने इसे खतरनाक और क्रूर बताया था, जिसमें विशेष रूप से गाजा शहर में निहत्थे नागरिकों और आवासीय क्षेत्रों को निशाना बनाया गया।

इसमें कहा गया है कि कई पीड़ित या तो मारे गए हैं या घायल हो गए हैं। वहीं जो मलबे में फंसे हुए हैं उन्हें बचाने और अस्पताल पहुंचने में बाधा आ रही है। गाजा में फिलिस्तीनी नागरिक सुरक्षा अधिकारियों ने इस बात की पुष्टि की है कि पिछले तीन दिनों में इजराइली हवाई हमले हिंसक रूप से तेज हुए हैं, जिसे स्थानीय लोगों ने बेहद कठिन समय बताया है। बयान में इन भयानक अपराधों के लिए इजराइली सेना को पूरी तरह जिम्मेदार ठहराया है और इजराइल को हथियार और राजनीतिक समर्थन देने के लिए अमेरिकी प्रशासन की भी आलोचना की है। इसने अंतर्राष्ट्रीय समुदाय और संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद से इन जघन्य अपराधों का दस्तावेजीकरण करने और अपराधियों की जवाबदेही तय करने के लिए स्वतंत्र जांच दल भेजकर अपने कानूनी और नैतिक दायित्वों को निभाने का आह्वान किया है।

अमेरिका में एक भारतीय की हत्या के आरोप में 5 भारतीय मूल के लोग गिरफ्तार

न्यूयॉर्क। अमेरिका की न्यू जर्सी पुलिस ने जंगल में एक भारतीय व्यक्ति की हत्या के आरोप में पांच भारतीय मूल के लोगों को गिरफ्तार किया है। मीडिया रिपोर्ट में न्यू जर्सी पुलिस ने बताया कि इनमें से एक और आरोपी संदीप कुमार को भी गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस ने बताया कि कुलदीप कुमार का शव 14 दिसंबर को न्यू जर्सी के ग्रीनवुड वन्यजीव प्रबंधन क्षेत्र में पाया गया था, जिसके शरीर पर गोली के निशान थे। कुलदीप के परिवार ने 26 अक्टूबर को उसके लापता होने की रिपोर्ट दर्ज कराई थी, लेकिन उसका शव करीब दो महीने बाद मिला। पुलिस ने बताया कि हत्या 22 अक्टूबर के आसपास की थी और शव पूरी तरह सड़ चुका था। एफबीआई ने उनकी पहचान में मदद की। मीडिया रिपोर्ट में अभियोजक कार्यालय के मुताबिक कई कानून प्रवर्तन एजेंसियों द्वारा की गई जांच ने पांच आरोपियों को इस हत्या से जोड़ा। इन आरोपियों में चार लोग इंडियाना राज्य के ग्रीनवुड से हैं। सौरव कुमार (23), गौरव सिंह (27), निर्मल सिंह (30), और गुरदीप सिंह (22) और संदीप कुमार (34) न्यूयॉर्क के ओजोन पार्क से है। अमेरिकी कानून के मुताबिक जब किसी आरोपी को दूसरे राज्य से गिरफ्तार किया जाता है, तो अभियोजकों को अदालत में प्रत्यर्पण प्रक्रिया से गुजरना पड़ता है, इसमें गिरफ्तार व्यक्ति प्रत्यर्पण का विरोध कर सकता है।

पाकिस्तानी गैंग ने किया 14000 बच्चों का ब्रिटेन में यौन शोषण

प्रधानमंत्री स्टारमर बर्खास्त करने की मांग

लंदन, 06 जनवरी (एजेंसियां)।

पाकिस्तान के मूल प्रवासियों ने गैंग बनाकर ब्रिटेन में एक घिनौनी हरकत की है इस गैंग ने पिछले 10 साल में 14000 से अधिक नाबालिक बच्चों का यौन शोषण किया है इसकी रिपोर्ट सामने आने के बाद भी ब्रिटेन के प्रधानमंत्री स्टारमर ने कोई कार्यवाही नहीं की इसके कारण ब्रिटेन में प्रधानमंत्री के खिलाफ भारी जनरोष देखने को मिल रहा है ब्रिटेन की सियासत गरमा गई है

मस्क ने की प्रधानमंत्री को बर्खास्त करने की मांग

टेस्ला के सीईओ एलॉन मस्क ने इस मामले में किंग चार्ल्स को पत्र लिखा है उन्होंने प्रधानमंत्री को बर्खास्त करने की मांग की है उन्होंने कहा, स्टारमर अभियोग समिति के अध्यक्ष थे उन्होंने आरोपियों के खिलाफ मुकदमा चलाने की अनुमति नहीं दी जिन लोगों के ऊपर आरोप थे वह पाकिस्तान भाग गए हैं ब्रिटेन में पूर्व प्रधानमंत्री लिज ट्रस ने भी इसे प्रधानमंत्री की शर्मनाक हरकत बताया है।

मशहूर लेखिका जेके रोलिंग ने भी वर्तमान प्रधानमंत्री पर जबरदस्त हमला करते हुए कहा प्रधानमंत्री ने दोषियों पर कोई कार्यवाही ना करके ब्रिटेन को शर्मसार किया है

पाकिस्तानी गूमिंग रेप गिरोह

पाकिस्तान मूल के गूमिंग रेप गिरोह है। जो ब्रिटेन में नाबालिक लड़कियों को पहले नशीली दवाओं का आदी बनाता है। उसके बाद उन्हें पैसा देता है। उसके बाद ब्रेनवास करके गिरोह में शामिल कर लेता है। ब्रिटेन में इसे पाकिस्तान गूमिंग रेप गैंग के नाम से जाना जाता है। यह गिरोह लड़कियों की ट्रैफिकिंग के लिए भी पहचाना जाता है।

दोहरी नागरिकता का फायदा

इस गिरोह के लोग दोहरी नागरिकता का फायदा उठाकर ब्रिटेन में अपराध करते हैं। जब इनके ऊपर कानूनी कार्रवाई शुरू होती है। उसके पहले ही यह पाकिस्तान भाग जाते हैं। ब्रिटेन की वर्तमान सरकार द्वारा रिपोर्ट पर कोई कार्यवाही नहीं की गई। अधिकांश आरोपी भागकर पाकिस्तान चले गए हैं। जिसके कारण अब ब्रिटेन में प्रधानमंत्री के ऊपर लगातार हमले हो रहे हैं। उन्हें बर्खास्त करने की मांग की जा रही है।

गोल्डन ग्लोब अवार्ड

बिवेरली हिल्स में अन्ना सवाई को ड्रामा सीरीज शॉटगन के लिए गोल्डन ग्लोब अवार्ड दिया गया।

पाकिस्तान के कुर्रम में हिंसा पर दो आतंकवादी गिरफ्तार

इस्लामाबाद, 06 जनवरी (एजेंसियां)।

पाकिस्तान के सर्वाधिक अशांत प्रांत खैबर पख्तूनख्वा के कुर्रम में संघर्ष विराम तोड़ते हुए हिंसा करने वाले सशस्त्र हमलावरों में से दो को गिरफ्तार कर लिया गया। यह दोनों आतंकवादी है। प्रांतीय सरकार ने कल कहा था कि हमलावरों में से पांच की पहचान कर ली गई है। इस हिंसा में कुर्रम के उपायुक्त जावेदुल्ला महसूद गोली लगने से घायल हो गए थे।

पुलिस अधिकारियों ने कहा कि दोनों आतंकियों को कुर्रम में तलाशी अभियान के दौरान पकड़ा गया। इससे पहले खैबर पख्तूनख्वा के अतिरिक्त मुख्य सचिव ने कुर्रम जिले में दो महीने की अवधि के लिए धारा 144 लागू करने की अधिसूचना जारी की। क्षेत्र में शांति समझौते को बाधित करने के आतंकवादियों के प्रयासों पर चिंताओं के बीच यह निर्णय लिया गया।

प्रांतीय सरकार ने उपायुक्त पर हमले के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने का फैसला किया है। सरकार ने इसे जिले में प्रतिद्वंद्वी जनजातियों के बीच हाल ही में हस्ताक्षरित शांति समझौते का उल्लंघन करार दिया है। मुख्यमंत्री अली अमीन गंडापुर ने कहा कि हमलावरों को बख्शा नहीं जाएगा। इस हिंसा में उपायुक्त के अलावा छह अन्य घायल हुए हैं। अशांत क्षेत्र में शांति बहाल करने के प्रयासों में अहम भूमिका निभाने वाले घायल उपायुक्त की हालत में धीरे-धीरे सुधार हो रहा है।

बलूचिस्तान में सेना के काफिले पर आत्मघाती हमला, 5 की मौत, 60 घायल

क्वेटा, 05 जनवरी (एजेंसियां)।

बलूचिस्तान के तुरबत इलाके में एक सैन्य काफिले पर घात लगाकर आत्मघाती हमला किया गया। इस हमले में 60 से अधिक लोग घायल हो गए, जबकि कम से कम 5 लोगों की मौत की पुष्टि की गई है। पाकिस्तान प्रशासन ने शुरुआत में इस हमले को एक यात्री वैन और पुलिस गाड़ी पर हमला बताया था। उनका कहना था कि इस घटना में आत्मघाती हमलावर शामिल नहीं थे और मारे गए लोगों में अधिकतर स्थानीय नागरिक थे। लेकिन बीएलए ने इस दावे को नकारते हुए कहा कि यह हमला सैन्य काफिले पर था और इसे बाकायदा योजना बनाकर अंजाम दिया गया।

हालांकि, बलूच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) ने इस हमले की जिम्मेदारी लेते हुए दावा किया है कि इसमें 47 सैन्यकर्मी मारे गए और 30 अन्य घायल हुए। बीएलए ने आत्मघाती हमलावर की पहचान और फोटो भी जारी कर दी है। संगठन के मुताबिक, हमलावर का नाम बाहर अली उर्फ कारवान था, जो बीएलए की कुख्यात मजीद ब्रिगेड का सदस्य था।

मजीद ब्रिगेड आत्मघाती हमलावरों के दस्ते के रूप में जानी जाती है, जो बलूचिस्तान की आजादी के लिए लगातार हमलों को अंजाम देती है। संगठन ने दावा किया है कि कारवान ने यह हमला सैन्य काफिले को निशाना बनाकर किया, जिसमें दर्जनों सैन्यकर्मी मारे गए। इस दावे के साथ ही पाकिस्तान प्रशासन की बयानबाजी पर सवाल खड़े हो गए हैं, क्योंकि पहले उन्होंने इस हमले में आत्मघाती हमलावर की संलिप्तता से इनकार किया था। बीएलए ने यह भी कहा है कि जल्द ही आत्मघाती हमलावर की पूरी जानकारी और इस हमले का वीडियो जारी किया जाएगा। इस घोषणा के बाद पाकिस्तान प्रशासन पर और दबाव बढ़ गया है, जो पहले से ही बलूचिस्तान में बढ़ते हिंसक हमलों से जूझ रहा है। बलूचिस्तान में सक्रिय बलूच लिबरेशन आर्मी लंबे समय से क्षेत्र की आजादी के लिए लड़ाई लड़ रही है। मजीद ब्रिगेड के आत्मघाती हमले पाकिस्तान की सेना और प्रशासन के लिए एक गंभीर चुनौती बनते जा रहे हैं। यह हमला इस बात को फिर से रेखांकित करता है।

ब्रिटेन में 13,000 लोग गुमनामी की मौत का शिकार

लंदन। ब्रिटेन में बर्फीले तूफान के बीच जहां लोग माइनस 10 डिग्री सेल्सियस तक के तापमान से जूझ रहे हैं, वहीं एक और चौंकाने वाला तथ्य सामने आया है। रिपोर्ट्स के अनुसार, 1970 के बाद से ब्रिटेन में 13,000 से अधिक लोग गुमनाम हालातों में मौत के शिकार हुए हैं। इन मृतकों की पहचान न हो पाने के कारण उन्हें उनकी मौत की जगह के नाम से दफनाया गया। इन गुमनाम लोगों में से कुछ को नॉर्थ सी मैन, वेम्बली पॉइंट वूमन, और डेव द बस्कर जैसे नाम दिए गए। ये नाम उनके मृत्यु स्थल या पहचान के किसी छोटे से संकेत से जुड़े हैं। इनमें से अधिकांश के परिवार यह नहीं जान सके कि उनके प्रियजनों के साथ क्या हुआ। इन मामलों में से कई मृतकों के पास कुछ खास पहचान चिह्न, जैसे टैटू या अनोखे कपड़े, थे, लेकिन फिर भी उनकी पहचान नहीं हो सकी। उदाहरण के लिए, एक व्यक्ति समुद्र में मिला, जिसके पतलून की बेल्ट से लोहे के टुकड़े बंधे हुए थे। यह संकेत देता है कि कई मौतें संदिग्ध परिस्थितियों में हुईं, लेकिन उनकी कहानियां अब भी रहस्य बनी हुई हैं। 2019 में, डेव ग्रिमस्टेड ने लोकेट इंटरनेशनल नामक चैरिटी की स्थापना की, जो गुमशुदा लोगों के मामलों को सुलझाने में मदद करती है। यह संगठन विश्वविद्यालयों, कानून प्रवर्तन एजेंसियों, पुलिस विभागों, और सैकड़ों स्वयंसेवी जांचकर्ताओं को जोड़कर काम करता है। इसका उद्देश्य इन गुमनाम लोगों की कहानियों को सुलझाना और उनके परिवारों तक सच्चाई पहुंचाना है।

अफगानिस्तान ने जिम्बाब्वे को हराकर पहली बार बहु-टेस्ट द्विपक्षीय सीरीज जीती

नई दिल्ली, 06 जनवरी (एजेंसियां)।

अफगानिस्तान ने सोमवार को बुलावायो में जिम्बाब्वे को दो मैचों की श्रृंखला में 1-0 से हराकर अपनी पहली द्विपक्षीय टेस्ट श्रृंखला जीत हासिल की। बुलावायो में ही खेला गया पहला टेस्ट ड्रॉ समाप्त हुआ था।

2017 में टेस्ट दर्जा हासिल करने के बाद से यह अफगानिस्तान की 11 मैचों में चौथी जीत है। इसकी एकमात्र बहु-खेल टेस्ट श्रृंखला जिम्बाब्वे के खिलाफ दो बार हुई है, जिसमें से पहली, 2021 में खेली गई थी, जो 1-1 से ड्रॉ पर समाप्त हुई थी।

क्रीज स्पोर्ट्स क्लब में दूसरे टेस्ट मैच में जिम्बाब्वे ने टॉस जीतकर अफगानिस्तान को पहले बल्लेबाजी करने का निमंत्रण दिया। अफगानिस्तान के बल्लेबाज कुछ खास नहीं कर सके और टीम केवल 157 रनों पर ढेर हो गई। अफगानिस्तान के लिए राशिद खान ने सर्वाधिक 25 रन बनाए, वहीं जिम्बाब्वे के लिए सिंकदर रजा और न्यूमन न्यामहुरी ने 3-3 विकेट लिए, जबकि ब्लेसिंग मुजरबानी ने 2 और रिचर्ड नगारवा ने 1 विकेट लिया।

जवाब में जिम्बाब्वे ने कप्तान क्रेग इर्विन (75) और सिकंदर रजा (61) के अर्धशतकऔर सीन विलियम्स के 49 रनों की पारी की बदौलत अपनी पहली पारी में 243 रन बनाए और 46 रनों की बढ़त हासिल की। अफगानिस्तान के लिए राशिद खान ने 4, यामिन अहमदजई ने 3, फरीद अहमद ने 2 और जिया उर रहमान ने 1 विकेट लिया।

इसके बाद अफगानिस्तान ने अपनी दूसरी पारी में रहमत शाह (139) और इस्मत आलम (101) के शतकों की बदौलत 363 रन बनाए और जिम्बाब्वे के सामने 278 रनों का लक्ष्य रखा। दूसरी पारी में जिम्बाब्वे के लिए ब्लेसिंग मुजरबानी ने 6, रिचर्ड नगारवा ने 3 और सिकंदर रजा ने 1 विकेट लिया। 278 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी जिम्बाब्वे की टीम 205 रन पर आउट हो गई। जिम्बाब्वे के लिए क्रेग इर्विन ने 53 रनों की शानदार अर्धशतकीय पारी खेली। इर्विन के अलावा बेन करन और सिंकदर रजा ने 38-38 रन बनाए। अफगानिस्तान के लिए करिश्माई स्पिनर राशिद खान ने 7 विकेट झटके। राशिद के अलावा जिया उर रहमान ने 2 विकेट लिए। राशिद खान को उनकी शानदार गेंदबाजी के लिए मैन ऑफ द मैच और रहमत शाह को मैन ऑफ द सीरीज चुना गया।

न्यूज ब्रीफ

ऑकलैंड ओपन 2025: पहले ही दौर से बाहर हुए सुमित नागल

नई दिल्ली। सुमित नागल का ऑकलैंड ओपन अभियान पहले ही दौर में समाप्त हो गया। सोमवार को पहले दौर के मुकाबले में उन्हें 20 वर्षीय एलेक्स मिशेलसन के खिलाफ 6-7 (8-10), 6-4, 6-2 से हार का सामना करना पड़ा। नागल ने पहले सेट में दमखम दिखाया और छह सेट प्वाइंट बचाकर आखिरकार सेट अपने नाम कर लिया। हालांकि, दुनिया में 41वें नंबर के खिलाड़ी मिशेलसन ने शानदार वापसी करते हुए दूसरा सेट जीतकर मैच बराबर कर दिया। तीसरा सेट पूरी तरह से अमेरिकी खिलाड़ी के नाम रहा, जिन्होंने कई बेहतरीन शॉट लगाए, जिससे कई मौकों पर नागल की भी प्रशंसा हुई। हालांकि भारतीय खिलाड़ी निर्णायक गेम में 2-3 से बराबरी करने में सफल रहे, लेकिन मिशेलसन ने अपना दबदबा बनाए रखा और मैच को अपने नाम कर लिया। इससे पहले विश्व में 96वें नंबर के खिलाड़ी नागल ने रविवार को शानदार खेल दिखाया था, उन्होंने फ्रांस के एड्रियन मानारिनो को सीधे सेटों में हराकर मुख्य ड्रॉ में अपनी जगह पक्की की थी। भारतीय खिलाड़ी अब अपना ध्यान 12 जनवरी से शुरू हो रहे ऑस्ट्रेलियन ओपन पर लगाएंगे, जहां उनका लक्ष्य अपने करियर के सर्वश्रेष्ठ ग्रैंड स्लैम प्रदर्शन (पिछले संस्करण में दूसरे दौर में जगह बनाना) को पीछे छोड़ना होगा।

आयरलैंड के खिलाफ एकदिनी श्रृंखला के लिए भारतीय महिला टीम घोषित हरमनप्रीत कौर बाहर

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) की महिला चयन समिति ने सोमवार को आयरलैंड के खिलाफ होने वाले तीन मैचों की एकदिवसीय घरेलू श्रृंखला के लिए 15 सदस्यीय भारतीय टीम की घोषणा कर दी है। टीम में नियमित कप्तान हरमनप्रीत कौर को शामिल नहीं किया गया है, उनकी जगह स्मृति मंधाना को टीम का कप्तान नियुक्त किया गया है, जबकि दीप्ति शर्मा उपकप्तान होंगी। हरफनमौला खिलाड़ी सायली सतघरे पदार्पण के लिए तैयार हैं। दाएं हाथ की मध्यमगति की गेंदबाज सायली घरेलू क्रिकेट में मुंबई के लिए खेलती हैं, जबकि महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) में वो गुजरात जायंट्स का प्रतिनिधित्व करती हैं। आयरलैंड के खिलाफ तीन एकदिवसीय मैचों की श्रृंखला के मैच 10, 12 और 15 जनवरी को खेले जाएंगे, तीनों मैच राजकोट के निरंजन शाह स्टेडियम में होंगे। आयरलैंड के खिलाफ़ तीन मैचों की वनडे सीरीज के लिए भारत की टीम इस प्रकार है: स्मृति मंधाना (कप्तान), दीप्ति शर्मा (उपकप्तान), प्रतीका रावल, हरलीन देओल, जेमिमा रोड्रिग्स, उमा छेत्री (विकेट कीपर), ऋचा घोष (विकेट कीपर), तेजल हसबनीस, राघवी बिष्ट, मिन्नू मणि, प्रिया मिश्रा, तनुजा कंवर, तीतास साधु, साइमा ठाकोर, सायली सतघरे।

ऋषि धवन ने भारतीय सीमित ओवरों के क्रिकेट से लिया संन्यास

नई दिल्ली। भारतीय ऑलराउंडर ऋषि धवन ने सीमित ओवरों की क्रिकेट से संन्यास की घोषणा कर दी है।

धवन ने यह घोषणा विजय हजारे ट्रॉफी के ग्रुप चरण के अंतिम दिन के बाद की, जिसमें हिमाचल प्रदेश अगले चरण में जगह नहीं बना पाया। हालांकि, सोशल मीडिया हैंडल पर धवन की रिटायरमेंट की घोषणा में सीमित ओवरों के क्रिकेट का विशेष रूप से उल्लेख किया गया है, जिससे पता चलता है कि वह रणजी सीजन के शेष भाग में हिमाचल के लिए खेलने के लिए उपलब्ध रहेंगे। 34 वर्षीय धवन ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चार बार भारत का प्रतिनिधित्व किया है, जिसमें से सभी चार मैच उन्होंने वर्ष 2016 में खेले हैं। वह पहले आईपीएल में मुंबई इंडियंस, पंजाब किंग्स और कोलकाता नाइट राइडर्स का भी हिस्सा रहे हैं, लेकिन हाल ही में हुई नीलामी में उन्हें कोई खरीददार नहीं मिला। धवन ने अपने बयान में कहा, मैं भारी मन से भारतीय क्रिकेट (सीमित ओवर) से संन्यास की घोषणा करना चाहता हूँ, हालाँकि मुझे इसका कोई पछतावा नहीं है। यह एक ऐसा खेल है जिसने पिछले 20 वर्षों से मेरे जीवन को परिभाषित किया है। इस खेल ने मुझे अपार खुशी और अनगिनत यादें दी हैं जो हमेशा मेरे दिल के बहुत करीब रहेंगी।

यूरोपीय टी20 प्रीमियर लीग के सह-मालिक बने बॉलीवुड अभिनेता अभिषेक बच्चन

नई दिल्ली, 06 जनवरी (एजेंसियां)।

बॉलीवुड अभिनेता अभिषेक बच्चन ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) द्वारा अनुमोदित यूरोपियन टी20 प्रीमियर लीग (ईटीपीएल) में निवेश किया है। यह एक निजी स्वामित्व वाली फ्रेंचाइजी टूर्नामेंट है, जिसमें तीन सदस्य क्रिकेट देशों - आयरलैंड, स्कॉटलैंड और नीदरलैंड्स ने को-ऑनर के रूप में निवेश किया है।

ईटीपीएल 15 जुलाई से 3 अगस्त तक चलेगा और इसमें तीनों देशों के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी दुनिया भर के विश्व स्तरीय खिलाड़ियों के साथ मिलकर असली यूरोपीय शैली में खेलेंगे।

यूरोपियन टी20 प्रीमियर लीग में अपने निवेश के बारे में बात करते हुए अभिषेक ने कहा, क्रिकेट सिर्फ़ एक खेल नहीं है; यह एक ऐसी एकीकृत शक्ति है जो सीमाओं से परे है। ईटीपीएल क्रिकेट की बढ़ती वैश्विक अपील को प्रदर्शित करने के लिए आदर्श मंच है। 2028 ओलंपिक में क्रिकेट को शामिल किए जाने के बाद, इसकी लोकप्रियता और भी बढ़ जाएगी।

मैं आयरलैंड, स्कॉटलैंड और नीदरलैंड के क्रिकेट बोर्ड के बीच इस अनूठे सहयोग को लेकर बहुत उत्साहित हूँ। मैं सभी हितधारकों के साथ मिलकर काम करने के लिए समर्पित हूँ ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि ईटीपीएल एक शानदार सफलता बने और क्रिकेट को यूरोप भर में लाखों लोगों के करीब लाए। यह तो बस शुरुआत है। अब समय आ गया है कि हम अपनी आस्तीन ऊपर चढ़ाएँ और खेल शुरू करें।

लीग के विकास का नेतृत्व एक अंतरिम कार्य समूह द्वारा किया गया है, जिसमें भाग लेने वाले क्रिकेट बोर्ड के प्रतिनिधि शामिल हैं। इस कार्य समूह को प्रमुख निर्णय लेने की प्रक्रियाओं को संचालित करने और टूर्नामेंट के प्रबंधन के लिए एक समर्पित प्रशासनिक इकाई की स्थापना और संसाधन की देखरेख करने का काम सौंपा गया है।

क्रिकेट आयरलैंड के सीईओ और ईटीपीएल के अध्यक्ष वारेन ड्यूट्रोम ने अभिषेक की भागीदारी का स्वागत करते हुए कहा, खेल के प्रति उनका गहरा जुनून और उद्यमशीलता की सूझबूझ यूरोपीय क्रिकेट की स्थिति और प्रोफ़ाइल को ऊपर उठाने के हमारे दृष्टिकोण में जबरदस्त मूल्य जोड़ती है।

आईसीसी के समर्थन, हमारे साझा दृष्टिकोण के प्रति अभिषेक की प्रतिबद्धता, साथ ही रूल्स स्पोर्ट टेक के सौरव, प्रियंका और धीरज द्वारा टूर्नामेंट में लाई गई असाधारण विशेषज्ञता के साथ, हमें विश्वास है कि हम एक ऐसा क्रिकेट अनुभव बना सकते हैं जो खेल को ऊपर उठाए, युवा प्रतिभाओं को प्रेरित करे और वैश्विक क्रिकेट मंच पर यूरोपीय क्रिकेट के लिए एक जबरदस्त मंच प्रदान करे।

ईटीपीएल के लिए एक औपचारिक लॉन्च इवेंट का आयोजन समय-समय पर किया जाएगा, जिसमें फ्रैंचाइज़ी स्वामित्व, नाम और ब्रांड सहित प्रमुख फ्रैंचाइज़ी और प्रशंसक जानकारी का खुलासा किया जाएगा, साथ ही खिलाड़ियों के ड्राफ्ट के बारे में विवरण दिया जाएगा।

ईटीपीएल की निदेशक प्रियंका कौल ने कहा, छह टीमों - डबलिन, बेलफास्ट, एम्स्टर्डम, रॉटरडैम, एडिनबर्ग और ग्लासगो - के साथ शुरू होने और प्रमुख मीडिया भागीदारों द्वारा व्यापक कवरेज सुनिश्चित करने के साथ, टूर्नामेंट दुनिया भर के दर्शकों तक पहुँचेगा, जिसमें यूरोप, भारत, ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड कुछ प्रमुख बाजार हैं। अभिषेक का खेलों के प्रति गहरा जुनून और इस पहल में उनका उत्साह अमूल्य है। हम इस यात्रा में उनके साथ इस रोमांचक सहयोग को जारी रखने के लिए तत्पर हैं।

विश्व स्तर पर दूसरा सबसे अधिक देखा जाने वाला खेल

ईटीपीएल के निदेशक सौरव बनर्जी ने इस क्षेत्र की संभावनाओं पर प्रकाश डालते हुए कहा, क्रिकेट, जो विश्व स्तर पर दूसरा सबसे अधिक देखा जाने वाला खेल है, यूरोप में महत्वपूर्ण गति प्राप्त कर रहा है। इस क्षेत्र से 108 आईसीसी सदस्यों में से 34 के साथ, हमारा लक्ष्य क्रिकेट को यहाँ एक प्रमुख खेल बनाना है, एक ऐसी विरासत का निर्माण करना है जिसका खिलाड़ी, प्रशंसक और हितधारक गर्व से जश्न मना सकें। क्रिकेट आयरलैंड के समर्थन के बिना यह संभव नहीं होता, जो पिछले एक साल से हमारे साथ अथक प्रयास कर रहा है। हम अभिषेक के साथ मिलकर काम करने के लिए भी उत्सुक हैं, जिनकी खेलों के प्रति प्रतिबद्धता और सक्रिय भागीदारी वास्तव में प्रेरणादायक रही है।

कोपा डेल रे से बाहर हुए लास पालमास, वलाडोलिड

मैड्रिड, 06 जनवरी (एजेंसियां)।

कोपा डेल रे के तीसरे दौर में रविवार को दो और उलटफेर देखने को मिले, जिसमें ला लीगा की टीमें निचली लीग की प्रतिद्वंद्वी टीमों से हार गईं।

दूसरे डिवीजन की एल्चे ने शीर्ष स्तर की लास पालमास के खिलाफ घरेलू मैदान पर 4-0 से जोरदार जीत दर्ज की, जिसमें घरेलू टीम ने शुरू से अंत तक दबदबा बनाए रखा और हाफटाइम के स्ट्रोक पर रोड्रिगो मेंडोजा के गोल से बढ़त हासिल की। इसके बाद एल्चे ने ब्रेक के बाद डेविड एफेंग्रुबर, जोस सेलिनास और निकोलस फ़र्नांडीज़ के गोल की मदद से शानदार जीत दर्ज कर अंतिम-16 में प्रवेश किया।

तीसरे दर्जे की ओरेंस ने दो बार पीछे से वापसी की और फिर ला लीगा के सबसे निचले क्लब वलाडोलिड को 3-2 से हरा दिया।

राउल मोरो और सेलिम अमाल्लाह ने पहले हाफ में दो बार वलाडोलिड को आगे किया, लेकिन जैरो नोरिएगा और जेरिन रामोस ने गोल कर अपनी टीम को बराबरी दिला दी और फिर एंजेल सांचेज ने ब्रेक के सात मिनट बाद घरेलू टीम के लिए विजयी गोल किया।

सेल्टा विगो भी नॉकआउट होने के करीब था, क्योंकि यह रेसिंग सैंटेंडर से 2-1 से पीछे था, हालांकि जब सामान्य समय के सिर्फ़ चार मिनट बचे थे, रेसिंग ने आत्मघाती गोल कर लिया और फिर उसके बाद अल्फ़ोन ने 92वें मिनट में गोल कर सेल्टा विगो को 3-2 से जीत दिला दी।

अन्य मैचों में लेगनेस ने दूसरे डिवीजन के संघर्षशील कार्टाजेना के खिलाफ 2-1 से जीत हासिल की।

रियल सोसिएदाद ने दूसरे हाफ में मिकेल ओयारज़ाबल और ब्राइस मेंडेज़ के गोल की बदौलत तीसरे स्तर के पोनफेराडिना पर 2-0 से आसान जीत दर्ज की।

शनिवार को, एफसी बार्सिलोना ने चौथे स्तर के बारबास्ट्रो को 4-0 से हराया, जबकि खिताबधारी एथलेटिक बिलबाओ ने यूडी लॉग्रोन्स को पेनल्टी शूटआउट में शिकस्त दी। वहीं, टलेटिको मैड्रिड ने मार्बेला के खिलाफ 1-0 से जीत हासिल की। सेविला ने दूसरे डिवीजन के लीडर अल्मेरिया को 4-1 से हराया।

यूनाइटेड कप टेनिस

स्पेन में ला लिगा फुटबॉल मैच में खेलते हुए रियल मैड्रिड की ओल्गा कैमरुन और एटलिटको मैड्रिड के जेनसन।

लीजेंड 90 लीग: चमक बिखेरने को तैयार शिखर धवन, हरभजन सिंह और सुरेश रैना

नई दिल्ली, 06 जनवरी (एजेंसियां)।

लीजेंड 90 क्रिकेट लीग का उद्घाटन संस्करण फरवरी में शुरू हो रहा है। 90 गेंदों वाले इस लीग में दुनिया भर के क्रिकेट दिग्गज एक साथ खेल के मैदान में उतरेंगे और यह लीग खेल को पूरी तरह से बदल देगी। सात फ्रैंचाइजी- छत्तीसगढ़ वॉरियर्स, हरियाणा ग्लेडिएटर्स, दुबई जायंट्स, गुजरात सैम्प आर्मी, दिल्ली रॉयल्स, बिग बॉयज और राजस्थान किंग्स के साथ खेल के अविस्मरणीय जश्न के लिए मंच तैयार है।

शिखर धवन और रॉस टेलर दिल्ली रॉयल्स का प्रतिनिधित्व करेंगे, जबकि क्रिस गेल बिग बॉयज़ के लिए अपनी ताकत दिखाने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। वेस्टइंडीज के पूर्व ऑलराउंडर ड्वेन ब्रावो राजस्थान किंग्स की कमान संभालेंगे और हरभजन सिंह हरियाणा ग्लेडिएटर्स के लिए अपना जादू बिखेरेंगे। लीग में सुरेश रैना, मोइन अली और मार्टिन गुप्टिल जैसे क्रिकेट के दिग्गज भी शामिल होंगे, जो प्रशंसकों को क्रिकेट की प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन देखने का मौका देंगे।

लीजेंड 90 लीग के निदेशक शिवैन शर्मा ने लीग के अभिनव दृष्टिकोण और दुनिया भर के प्रशंसकों को लुभाने की इसकी क्षमता पर जोर दिया।

उन्होंने कहा, लीजेंड 90 लीग क्रिकेट के कालातीत आकर्षण का उत्सव है, जिसमें पुरानी यादों को नवीनता के साथ जोड़ा गया है। सात अविश्वसनीय फ्रैंचाइज़ और क्रिस गेल, सुरेश रैना और शिखर धवन जैसे दिग्गजों के नेतृत्व में, यह 90-गेंद का प्रारूप सीट-ऑफ-द-सीट एक्शन का वादा करता है। यह खेल के कुछ महानतम खिलाड़ियों को क्रिकेट मनोरंजन में एक रोमांचक नए अध्याय के लिए एक साथ आते देखने का अवसर है।

मार्टिन गुप्टिल, सुरेश रैना और अंबाती रायुडू जैसे मार्की खिलाड़ियों के साथ छत्तीसगढ़ वॉरियर्स एक मजबूत प्रभाव डालने के लिए तैयार हैं। छत्तीसगढ़ वॉरियर्स के मुख्य परिचालन अधिकारी तरुणेश सिंह परिहार ने कहा, यह लीग एक अभूतपूर्व मंच है, और मैं गुप्टिल और रैना जैसे दिग्गजों को फिर से मैदान में देखकर रोमांचित हूँ।

90 गेंदों का प्रारूप एक नया परिप्रेक्ष्य लेकर आता है, और मुझे विश्वास है कि प्रशंसक अविस्मरणीय क्षणों के साक्षी बनेंगे क्योंकि ये खिलाड़ी अपनी स्थायी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे।

मेसी अमेरिका के सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'प्रेसिडेंशियल मेडल ऑफ फ्रीडम' जीतने वाले पहले पुरुष फुटबॉलर बने

नई दिल्ली, 06 जनवरी (एजेंसियां)।

लियोनेल मेसी ने 4 जनवरी को अपनी उपलब्धियों में एक और उपलब्धि जोड़ ली जब उन्हें संयुक्त राज्य अमेरिका के सर्वोच्च नागरिक सम्मान, प्रेसीडेंशियल मेडल ऑफ फ्रीडम से सम्मानित किया गया। व्हाइट हाउस ने अपने आधिकार एक्स हैंडल पर पुरस्कर विजेताओं के नामों की घोषणा की।

यह पदक उन व्यक्तियों को प्रदान किया जाता है जिन्होंने संयुक्त राज्य अमेरिका की समृद्धि, मूल्यों या सुरक्षा, विश्व शांति या अन्य महत्वपूर्ण सामाजिक, सार्वजनिक या निजी प्रयासों में योगदान दिया हो।

मेसी यह पुरस्कार जीतने वाले पहले पुरुष फुटबॉलर (सॉकर खिलाड़ी) बन गए और 2022 में मेगन रेपिनो के बाद इस खेल से दूसरे खिलाड़ी बन गए।

अमेरिकी राष्ट्रपति जो बिडेन ने पुरस्कार प्रदान किया, जिसमें अर्जेंटीना के खिलाड़ी 19

प्राप्तकर्ताओं में से एक थे।

मेसी के क्लब इंटर मियामी ने एक बयान में कहा, मेसी ने कार्यक्रम से पहले व्हाइट हाउस को बताया कि वह बहुत सम्मानित महसूस कर रहे हैं और यह सम्मान प्राप्त करना उनके लिए बहुत बड़ा सम्मान है। हालांकि, शेड्यूल में टकराव और पूर्व प्रतिबद्धताओं के कारण, वे इसमें शामिल नहीं हो पाए। उन्होंने इस कदम की सराहना की और कहा कि उन्हें निकट भविष्य में मिलने का अवसर मिलने की उम्मीद है।

मेसी जुलाई 2023 में पेरिस सेंट-जर्मेन से फ्री ट्रांसफर पर इंटर मियामी में शामिल हुए और मेजर लीग सॉकर (एमएलएस) की ओर से 39 मैचों में 34 गोल और 18 असिस्ट किए हैं। उन्होंने अब तक टीम के साथ लीग कप और एमएलएस सपोर्टर्स शील्ड जीती है।

अमेरिका में अपने समय के दौरान, उन्होंने 2023 में एक बार बैलन डीओर और फीफा मेन्स बेस्ट प्लेयर का खिताब जीता और पिछले साल अर्जेंटीना को कोपा अमेरिका खिताब का सफलतापूर्वक बचाव करने में मदद की। मियामी के नियमित सत्र के 15 मैच मिस करने के बावजूद वे एमएलएस मोस्ट वैल्यूबल (सबसे बहुमुखी खिलाड़ी) भी रहे।

चोट से जूझ रहे थंडर की मदद के लिए रिटायरमेंट से वापस लौटे डैन क्रिस्टियन

सिडनी। ऑस्ट्रेलियाई टी20 के दिग्गज डैन क्रिस्टियन संन्यास से वापस आ गए हैं और बिग बैश लीग (बीबीएल) में चोट से जूझ रहे सिडनी थंडर की मदद के लिए आगे आए हैं। 41 वर्षीय ऑलराउंडर ने आखिरी बार दो साल पहले सिडनी सिक्सर्स के लिए पेशेवर रूप से खेला था और तब से थंडर में सहायक कोच के रूप में काम कर रहे हैं। क्रिस्टियन ने सिक्सर्स की बीबीएल 12 सेमीफाइनल में ब्रिसबेन हीट से हार के बाद से कोई पेशेवर क्रिकेट मैच नहीं खेला है, लेकिन वह एनएसडब्ल्यू प्रीमियर क्रिकेट प्रतियोगिता में यूएनएसडब्ल्यू के साथ फिट रहने में लगे हुए हैं। वह 40 की उम्र में बीबीएल में खेलने वाले खिलाड़ियों के एक विशिष्ट क्लब में शामिल हो जाएंगे, जिसमें ब्रैड हॉज, पीटर सिडल, फवाद अहमद और दिवंगत शेन वार्न शामिल हैं - जो 43 साल की उम्र में लीग के इतिहास में सबसे उम्रदराज खिलाड़ी हैं। क्रिस्टियन टूर्नामेंट के शेष भाग के लिए उपलब्ध हैं, जिसमें पहले से ही थंडर के शानदार प्रदर्शन से काफी सुधार हुआ है। क्रिस्टियन की वापसी डेनियल सैम्स और कैमरन बैनक्रॉफ्ट की चोटों के बाद हुई है, जो पिछले हफ्ते पर्थ स्कॉर्चर्स पर जीत के दौरान मैदान में एक भयानक टक्कर के बाद बाहर हो गए थे। क्रिस्टियन ने क्लब की ओर से जारी एक बयान में कहा, मैंने ऑफ सीजन के दौरान ही यह फैसला कर लिया था कि बीबीएल या किसी अन्य टी20 लीग में वापसी मेरे लिए कभी भी पूरी तरह से संभव नहीं है। शरीर बहुत अच्छा महसूस कर रहा है, और मैं यह सुनिश्चित करना चाहता था कि अगर कोई अवसर आया तो मैं तैयार रहूँ। कैम बैनक्रॉफ्ट और डैन सैम्स के साथ हुई घटना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण थी, लेकिन मैं इस अवसर के लिए वास्तव में आभारी हूँ।

स्टैंडर्ड ग्लास लाइनिंग टेक्नोलॉजी का आईपीओ खुला, निवेशक 8 जनवरी तक लगा सकेंगे बोली

नई दिल्ली,06 जनवरी (एजेंसियां)।

स्टैंडर्ड ग्लास लाइनिंग टेक्नोलॉजी लिमिटेड का पहला आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) सोमवार को निवेशकों के लिए खुल गया है। कंपनी ने इसके लिए मूल्य दायरा (प्राइस बैंड) 133-140 रुपये प्रति शेयर तय किया है। इस इश्यू के जरिए कंपनी की योजना 410.05 करोड़ रुपये जुटाने की है। कंपनी के शेयर 13 जनवरी को बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) पर सूचीबद्ध होंगे।

स्टैंडर्ड ग्लास लाइनिंग टेक्नोलॉजी का नए साल में लॉन्च होने वाला ये पहला आईपीओ है, जिसमें निवेशक 8 जनवरी, 2025 तक निवेश कर सकते हैं। इंजीनियरिंग इक्यूपमेंट बनाने वाली कंपनी के 10 रुपये अंकित मूल्य वाले इश्यू में निवेशक न्यूनतम 107 इक्विटी शेयरों और उसके बाद 107 इक्विटी शेयरों के गुणकों में बोली लगा सकते हैं। यह 210 करोड़ रुपये मूल्य वाले 1.50 करोड़ शेयरों का फ्रेश इश्यू और 200.05 करोड़ रुपये के 1.43 करोड़ ऑफर फॉर सेल शेयरों का कॉम्बिनेशन है।

कंपनी इस निर्गम से प्राप्त 10 करोड़ रुपये का इस्तेमाल मशीनरी और उपकरणों की खरीद, कुछ बकाया उधारों और भुगतान के लिए 130 करोड़ रुपये और इंजीनियरिंग इंडस्ट्री प्राइवेट लिमिटेड में निवेश के लिए 30 करोड़ रुपये तथा 20 करोड़ रुपये सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्य के लिए करेगी।

उल्लेखनीय है कि स्टैंडर्ड ग्लास लाइनिंग टेक्नोलॉजी लिमिटेड भारत में फार्मास्यूटिकल और रासायनिक क्षेत्रों के लिए शीर्ष 5 विशेष इंजीनियरिंग उपकरण निर्माताओं में से एक है। इस कंपनी के पास पूरी उत्पादन प्रक्रिया को इन-हाउस प्रबंधित करने की क्षमता है। कंपनी के पास हैदराबाद (तेलंगाना) में आठ मैन्युफैक्चरिंग यूनिट्स हैं। ये कंपनी फार्मास्यूटिकल और केमिकल निर्माताओं के लिए डिज़ाइन, इंजीनियरिंग, निर्माण, असेंबली, इंस्टॉलेशन और स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीज़र सहित टर्नकी सॉल्यूशन प्रदान करती है।

न्यूज ब्रीफ

ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेत एशिया में भी मिला-जुला कारोबार

नई दिल्ली। ग्लोबल मार्केट से अभी तक मिले-जुले संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान मजबूती के साथ कारोबार करने के बाद बंद हुए। हालांकि डाउ जॉन्स फ्यूचर्स में गिरावट नजर आ रही है। अमेरिकी बाजार के विपरीत यूरोपीय बाजार में पिछले सत्र के दौरान लगातार बिकवाली का दबाव बना रहा। एशियाई बाजारों में भी मिला-जुला कारोबार होता हुआ नजर आ रहा है। अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान उत्साह का माहौल बना रहा, जिसके कारण वॉल स्ट्रीट के सूचकांक मजबूती के साथ कारोबार करने के बाद बंद हुए। एसएंडपी 500 इंडेक्स 1.26 प्रतिशत की मजबूती के साथ 5,942.47 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह नैस्डेक ने 338.38 अंक यानी 1.75 प्रतिशत उछल कर 19,619.17 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स फिलहाल 108.57 अंक यानी 0.25 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 42,624.55 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। अमेरिकी बाजार के विपरीत यूरोपीय बाजार में पिछले सत्र के दौरान दबाव बना रहा। एफटीएसई इंडेक्स 0.44 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 8,223.98 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 111.54 अंक यानी 1.53 प्रतिशत की बड़ी गिरावट के साथ 7,282.22 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 118.58 अंक यानी 0.60 प्रतिशत फिसल कर 19,906.08 अंक के स्तर पर बंद हुआ। एशियाई बाजारों में मिला-जुला कारोबार होता हुआ नजर आ रहा है। एशिया के 9 बाजारों में से 6 के सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि 3 सूचकांक बढ़त के साथ हरे निशान में बने हुए हैं। स्ट्रेट्स टाइम इंडेक्स 0.28 प्रतिशत की मजबूती के साथ 3,812.34 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। वहीं ताइवान वेटेड इंडेक्स ने जोरदार छलांग लगाई है।

निगेटिव सेंटिमेंट्स से ध्वस्त हुआ बाजार सेंसेक्स और निफ्टी में बड़ी गिरावट

ऊपरी स्तर से सेंसेक्स में 1,751 अंक और निफ्टी में 538 अंक तक की गिरावट

नई दिल्ली,06 जनवरी (एजेंसियां)।

भारत में भी कोरोना जैसे संक्रामक ह्यूमन मेटा न्यूमो वायरस (एचएमपीवी) के मामले मिलने, तिमाही नतीजे में गिरावट आने की आशंका बढ़ने और कमजोर वैश्विक संकेतों की वजह से घरेलू शेयर बाजार बड़ी गिरावट का शिकार हो गया। बाजार में मची अफरा तफरी के कारण सेंसेक्स ऊपरी स्तर से 1,750 अंक से भी अधिक टूट गया। इसी तरह निफ्टी भी ने भी ऊपरी स्तर से 535 अंक से अधिक का गोता लगाया। हालांकि कारोबार के अंत में इंट्रा-डे सेटलमेंट के दौरान हुई खरीदारी के कारण सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांक दिन के निचले स्तर से मामूली रिकवरी करने में सफल रहे। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 1.59 प्रतिशत और निफ्टी 1.62 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुए।

दिनभर के कारोबार के दौरान बीएसई के सभी सेक्टोरल इंडेक्स गिरावट के साथ लाल निशान में बंद हुए पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज और पीएसयू बैंक इंडेक्स 3.5 प्रतिशत से अधिक टूट गए। इसी तरह रियल्टी, एनर्जी और मेटल इंडेक्स में भी करीब 3 प्रतिशत तक की गिरावट दर्ज की गई। इसके अलावा ऑटोमोबाइल, एफएमसीजी, टेक, ऑयल एंड गैस, कंज्यूमर ड्यूरेबल, कैपिटल गुड्स और आईटी सेक्टर के शेयरों में भी लगातार बिकवाली का दबाव बना रहा। ब्रॉडर मार्केट में भी चौतरफा बिकवाली होती रही, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 2.14 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 3.17 प्रतिशत की गिरावट के साथ के कारोबार का अंत किया।

शेयर बाजार में आई कमजोरी के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में 10 लाख करोड़ रुपये से भी अधिक की कमी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन के कारोबार के बाद घट कर 439.03 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया। जबकि पिछले सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन यानी शुक्रवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 449.78 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को के कारोबार से करीब 10.75 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हो गया।

दिनभर के कारोबार में बीएसई में 4,244 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 657 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 3,471 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 116 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में 2,575 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 276 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 2,299 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 3 शेयर बढ़त के साथ और 27 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 4 शेयर हरे निशान में और 46 शेयर लाल निशान में बंद हुए।

बीएसई का सेंसेक्स 58.54 अंक की मामूली बढ़त के साथ 79,281.65 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होने के बाद खरीदारी के सपोर्ट से ये सूचकांक 309.56 अंक की तेजी के साथ 79,532.67 अंक तक पहुंचने में सफल रहा। पहले घंटे का कारोबार होने के बाद बाजार पर पूरी तरह से मंदड़िये हावी हो गए। लगातार हो रही बिकवाली के कारण का कारोबार खत्म होने के थोड़ी देर पहले ये सूचकांक ऊपरी स्तर से 1,751.05 अंक टूट कर 1,441.49 अंक की कमजोरी के साथ दिन के सबसे निचले स्तर 77,781.62 अंक तक पहुंच गया। हालांकि आखिरी वक्त में हुई मामूली खरीदारी के कारण ये सूचकांक निचले स्तर से करीब 180 अंक की रिकवरी करके 1,258.12 अंक की गिरावट के साथ 77,964.99 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने 41.05 अंक की तेजी के साथ 24,045.80 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलने के बाद खरीदारी के सपोर्ट से ये सूचकांक सुबह 10:15 बजे तक 85.20 अंक उछल कर 24,089.95 अंक तक पहुंचने में सफल रहा, लेकिन इसके बाद बाजार पर नेगेटिव सेंटीमेंट्स हावी हो गए, जिसकी वजह से चौतरफा बिकवाली होने लगी। लगातार हो रही बिकवाली के कारण ये सूचकांक का कारोबार खत्म होने के थोड़ी देर पहले ऊपरी स्तर से 538.05 अंक लुढ़क कर 452.85 अंक की गिरावट के साथ 23,551.90 अंक तक आ गया। हालांकि अंतिम वक्त में इंट्रा-डे सेटलमेंट की वजह से हुई खरीदारी के कारण ये सूचकांक निचले स्तर से 60 अंक से अधिक की रिकवरी करके 388.70 अंक की कमजोरी के साथ 23,616.05 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

भारत में पेट्रोलियम उत्पादों की मांग में वृद्धि का अनुमानः रिपोर्ट

नई दिल्ली,06 जनवरी (एजेंसियां)।

यह वृद्धि मुख्य रूप से उपभोक्ता, औद्योगिक और बुनियादी ढांचे की बढ़ती मांग के कारण होगी

फिच रेटिंग्स ने हाल ही में एक रिपोर्ट जारी की है, जिसमें 2025 में समाप्त होने वाले वित्तीय वर्ष में भारत में पेट्रोलियम उत्पादों की मांग में 3 से 4 फीसदी तक की वृद्धि का अनुमान जताया गया है। इसके आधार पर, फिच ने दर्शाया है कि यह वृद्धि मुख्य रूप से उपभोक्ता, औद्योगिक और बुनियादी ढांचे की बढ़ती मांग के कारण होगी। रिपोर्ट के अनुसार, इस वृद्धि से भारत की जीडीपी में 6.4 फीसदी तक का इजाफा हो सकता है। डीजल और पेट्रोल की मांग के कारण, जो भारतीय पेट्रोलियम उत्पादों का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं, पेट्रोलियम उत्पादों की खपत में यह वृद्धि होने का अनुमान है। फिच ने बताया कि वित्त वर्ष 25 के पहले सात महीनों में पेट्रोलियम उत्पादों की खपत में 3 फीसदी की वृद्धि हुई है, जबकि वित्त वर्ष 24 में यह वृद्धि 5 फीसदी रही थी। हालांकि, रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि भारतीय तेल विपणन कंपनियां वित्तीय वर्ष 2025 में रिफाइनिंग मार्जिन पर दबाव का सामना कर सकती हैं।

रिपोर्ट के अनुसार, रिफाइनिंग मार्जिन मध्य-चक्र स्तर से नीचे गिर सकते हैं, जो क्षेत्रीय स्तर पर अति आपूर्ति, कम उत्पाद दरों और कच्चे तेल की किस्मों के बीच मूल्य अंतर के कारण हो सकता है। अगले वर्ष में सुधार की संभावना है, जो क्षेत्रीय ओवरसप्लाई में कमी और ब्रेंट कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट के साथ आ सकता है। फिच रेटिंग्स के अनुसार, भारतीय तेल विपणन कंपनियों को रिफाइनिंग और विपणन के बीच संतुलन बनाना चुनौतीपूर्ण हो सकता है, लेकिन लंबी अवधि में स्थिति में सुधार के संकेत भी मिल रहे हैं। एचपीसीएल-मित्तल एनर्जी लिमिटेड जैसी शुद्ध रिफाइनर कंपनियों को अपनी मार्केटिंग ऑपरेशंस की कमी के कारण अधिक लाभप्रदता की समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। फिच की रिपोर्ट में पेट्रोलियम सेक्टर में भारत की वित्तीय मजबूती के संकेत छुपे हैं, जो आसपासी और अंतरराष्ट्रीय दौरों में एक गंभीर विषय है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

हमारे देश में अब...

प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत की रेलवे प्रणाली में इस तरह की प्रगति न केवल उनके लिए बल्कि पूरे देश के लिए गर्व का विषय है। उन्होंने कहा कि 2-3 दिन पहले, मैं एक वीडियो देख रहा था- वंदे भारत ट्रेन का नया स्लीपर वर्जन ट्रायल में 180 किमी/ घंटा की गति से चल रहा था। यह मुझे अच्छा महसूस कराता है, न केवल मुझे बल्कि निश्चित रूप से सभी को। यह तो बस शुरुआत है- वह समय दूर नहीं जब देश में पहली बुलेट ट्रेन चलेगी।

उन्होंने कहा पिछला दशक भारतीय रेलवे में स्पष्ट बदलाव का दशक रहा है। जो बदलाव लाए गए हैं, उन्होंने देश की छवि बदली है और देशवासियों को आत्मविश्वास दिया है। प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, पठानकोट, जम्मू, उधमपुर, श्रीनगर और बारामुल्ला, भोगपुर सिरवाल-पठानकोट, बटाला-पठानकोट और पठानकोट से जोगिंदर नगर सेक्शन को मिलाकर 742.1 किलोमीटर लंबे जम्मू रेलवे डिवीजन के निर्माण से जम्मू-कश्मीर और आसपास के क्षेत्रों को काफी लाभ होगा। इस बीच, तेलंगाना के मेडचल-मलकजगिरी जिले में चेर्लापल्ली न्यू टर्मिनल स्टेशन को लगभग 413 करोड़ रुपये की लागत से दूसरे प्रवेश द्वार के प्रावधान के साथ एक नए कोचिंग टर्मिनल के रूप में विकसित किया गया है। यह पर्यावरण अनुकूल टर्मिनल, जिसमें अच्छी यात्री सुविधाएं हैं, शहर में सिकंदराबाद, हैदराबाद और काचीगुडा जैसे मौजूदा कोचिंग टर्मिनलों पर भीड़भाड़ को कम करेगा। ईस्ट कोस्ट रेलवे के रायगढ़ रेलवे डिवीजन भवन से ओड़ीशा, आंध्र प्रदेश और आस-पास के इलाकों में कनेक्टिविटी बेहतर होगी और इस क्षेत्र का समग्र सामाजिक-आर्थिक विकास होगा।प्रधानमंत्री मोदी ने गुरु गोविंद सिंह के प्रकाश उत्सव के अवसर पर भी बधाई दी, जो 10वें सिख गुरु की जयंती है। उन्होंने गुरु गोविंद सिंह के विचारों की प्रशंसा की, जो देश को समृद्ध और सशक्त भविष्य की ओर ले जाने के लिए प्रेरित करते हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि आज गुरु गोविंद सिंह का प्रकाश उत्सव है - उनके विचार हमें समृद्ध और सशक्त भारत बनाने के लिए प्रेरित करते हैं। मैं इस अवसर पर सभी को शुभकामनाएं देता हूं।

यह पाकिस्तान...

के बीच सीमा पर हुईं।भारत ने इस घटना पर गहरी संवेदना व्यक्त की है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि निर्दोष नागरिकों पर हमला किसी भी सूरत में स्वीकार नहीं है। यह पाकिस्तान की आंतरिक विफलताओं का प्रमाण है कि वह अपने पड़ोसी देशों पर दोष मढ़ता है। यह घटना न केवल अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बीच तनाव को उजागर करती है। बल्कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय को भी इस पर ध्यान देने की जरूरत है। महिलाओं और बच्चों की मौत से मानवाधिकारों का गंभीर उल्लंघन हुआ है।

राज्यपाल रवि ने विधानसभा...

राज्यपाल ने सदन को सम्मानपूर्वक संवैधानिक कर्तव्य की याद दिलाई और राष्ट्रगान के वादन की मांग की, लेकिन उनकी अपील को मुख्यमंत्री एमके स्टालिन और सदन के स्पीकर ने खारिज कर दिया। यह गंभीर चिंता की बात है। ऐसे में राष्ट्रगान और भारत के संविधान के अपमान का हिस्सा न बनते हुए राज्यपाल ने कड़ी नाराजगी जाहिर करते हुए सदन छोड़ दिया।

गौरतलब है कि बीते दो साल से विधानसभा सत्र में राज्यपाल के संबोधन के दौरान खासा विवाद देखने को मिला है। पिछली बार राज्यपाल ने संबोधन के दौरान सरकार के बयान की कुछ लाइनें पढ़ने से इनकार कर दिया था। जिस पर खूब विवाद हुआ था। इस साल भी विधानसभा सत्र के दौरान हंगामे की उम्मीद है क्योंकि तमिलनाडु में अन्ना विश्वविद्यालय में छात्रा से दुष्कर्म का मामला गरमाया हुआ है और विपक्षी पार्टियां राज्य सरकार पर हमलावर हैं। अब राज्यपाल की नाराजगी से हंगामा और बढ़ने की आशंका है।

राज्यपाल के इस तरह सदन छोड़कर जाने पर सत्ताधारी डीएमके और कांग्रेस के नेताओं ने नाराजगी जाहिर की। तमिलनाडु कांग्रेस अध्यक्ष के सेल्वापेरुन्थगई ने कहा, राज्यपाल तमिलनाडु के लोगों और पुलिस के खिलाफ हैं। वह विधानसभा से कोई प्रस्ताव स्वीकार नहीं करते। राज्यपाल के जाने के तुरंत बाद अन्ना विश्वविद्यालय की छात्रा के कथित यौन उत्पीड़न के खिलाफ एआईएडीएमके ने विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। स्पीकर ने मार्शलों को प्रदर्शनकारी विधायकों को बाहर निकालने का आदेश दिया। पीएमके और भाजपा ने भी अन्ना विश्वविद्यालय मुद्दे पर वॉकआउट किया।राज्यपाल के विधानसभा संबोधन दिए बगैर ही सदन से चले जाने की तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने कड़ी आलोचना की और उन्होंने इसे बचकाना बताया। उन्होंने राज्यपाल पर राज्य के लोगों का लगातार अपमान करने का आरोप लगाया। स्टालिन ने पूछा कि 'रवि अपने राज्यपाल पद पर क्यों बने हुए हैं? जब उनके पास अपने संवैधानिक कर्तव्यों का निर्वहन करने का दिल नहीं है।' स्टालिन ने कहा कि राज्यपाल बीते वर्ष अपने संबोधन में कुछ अंशों को पढ़ने से मना कर दिया था। इस साल राज्यपाल रवि अभिभाषण पढ़े बिना ही सदन से चले गए, यह बचकाना है।

बीजापुर में ...

हमले में दंतेवाड़ा डीआरजी के 8 जवान और एक ड्राइवर की जान चली गई।

छत्तीसगढ़ विधानसभा अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह ने इस घटना पर कहा कि जब भी इनके खिलाफ बड़े ऑपरेशन होते हैं तो ये नक्सली कायराना हमले पर उतर आते हैं। मैं इस हमले में शहीद हुए जवानों के परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त करता हूं। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार और केंद्र सरकार जो बड़ा कदम उठा रही है। इस कदम को और आगे बढ़ायें। छत्तीसगढ़ के उपमुख्यमंत्री अरुण साव ने बीजापुर आईईडी विस्फोट पर कहा कि बीजापुर से नक्सलियों की कायराना हरकत की जानकारी आई है। यह नक्सलियों की कायराना हरकत है। यह हताशा, निराशा में की गई कार्रवाई है। इन जवानों की शहादत ज़ाया नहीं जाएगी और बहुत जल्द छत्तीसगढ़, बस्तर नक्सल मुक्त होगा।

एचएमपीवी के बढ़ते ...

भर्ती कराया गया था। वह हवाई मार्ग से मुंबई से कोलकाता आई थी। उसे फीवर और सांस लेने में कठिनाई हो रही थी। इसके बाद हालत बिगड़ने पर बच्ची को अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां वह एचएमवी वायरस से संक्रिमत पाई गई। 10-12 दिन के इलाज के बाद बच्ची ठीक हो गई, जिसके बाद वह वापस मुंबई लौट गई है। बच्चों की डॉक्टर दासगुप्ता ने कहा कि पिछले छह महीनों में दिसंबर में यह एक बच्ची एचएमवीपी वायरस पॉजिटिव था। इसके अलावा पिछले साल भी उनके पास ऐसे एक-दो मामले आए थे। इस वायरस से डरने की कोई बात नहीं है। उन्होंने कहा कि इलाज मिलने पर मरीज 10 से 12 दिन में ठीक हो जाएगा। सावधान रहना चाहिए। जिनके शरीर में रोग प्रतिरोधक क्षमता अधिक होती है उनके संक्रमित होने की संभावना कम होती है।

औपनिवेशिक युग के ...

भारत के अटॉर्नी जनरल, भारत के सॉलिसिटर जनरल, विभिन्न उच्च न्यायालयों के माननीय मुख्य न्यायाधीश और न्यायाधीश शामिल और अपने-अपने विचार रखे।उनके अलावा सम्मेलनों में आईटीएटी के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष और सदस्य, अधिवक्ता, शिक्षाविद, कानून प्रवर्तन एजेंसियों के प्रतिनिधि, पुलिस अधिकारी, सरकारी अभियोजक, जिला न्यायाधीश और अधीनस्थ न्यायालयों के अन्य अधिकारी, शिक्षाविद और विभिन्न राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालयों (एनएलयू) और अन्य विधि संस्थानों आदि के छात्र शामिल हुए।सम्मेलनों में भारतीय न्याय संहिता 2023, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 और भारतीय साक्ष्य अधिनियम पर तीन तकनीकी सत्र आयोजित किए गए। इन सत्रों में नए युग के अपराधों पर कानून के प्रभाव, न्यायपालिका और कानून प्रवर्तन एजेंसियों को प्रभावित करने वाले प्रक्रियात्मक परिवर्तनों और कानूनी प्रक्रिया में साक्ष्य स्वीकार्यता की महत्वपूर्ण भूमिका पर चर्चा की गई।नई भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) डिजिटल युग में अपराधों से निपटने के लिए समग्र दृष्टिकोण प्रदान करती है। बीएनएसएस से यह भी निर्धारित होता है कि आपराधिक मुकदमों की सुनवाई तीन साल में पूरी हो जानी चाहिए और निर्णय सुरक्षित रखे जाने के 45 दिनों के भीतर सुना दिया जाना चाहिए।इससे बड़े पैमाने पर लंबित मामलों को निपटाने और न्याय प्रक्रिया को तेजी से पूरा करने में मदद मिलेगी। बीएनएसएस की धारा 530 वर्तमान समय की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए सभी परीक्षणों, पूछताछ और कार्यवाही को इलेक्ट्रॉनिक तरीके से संचालित करने की अनुमति देती है।इन सम्मेलनों ने न केवल हितधारकों को संवेदनशील बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया, बल्कि नागरिकों के बीच जागरूकता का माहौल बनाने में भी मदद की, जो इन नए कानूनों के अंतिम उपयोगकर्ता हैं और कार्यान्वयन को निर्बाध बनाते हैं।

2024 में केंद्रीय...

अनुच्छेद 172 राज्यों की विधान सभाओं की अवधि और अनुच्छेद 372 विधायिका के चुनाव से जुड़े प्राविधान करने की संसद की शक्ति से जुड़े हैं।

मंत्रालय की ओर से जारी एक वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार एक राष्ट्र एक चुनाव के विषय में सिफारिश के लिए पूर्व राष्ट्रपति श्री कोविंद की अध्यक्षता में 02 सितंबर 2023 को एक साथ चुनाव कराने को लेकर उच्च स्तरीय समिति का गठन किया गया। समिति ने अपने गठन के बाद से 191 दिनों तक विभिन्न हितधारकों और विशेषज्ञों के साथ व्यापक विचार-विमर्श तथा शोध के बाद 14 मार्च 2024 को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु को 18,626 पृष्ठों की रिपोर्ट सौंपी।समिति ने रिपोर्ट को अंतिम रूप देने से पहले विभिन्न हितधारकों के विचारों को जानने के लिए व्यापक चर्चा की थी। इस दौरान 47 राजनीतिक दलों ने अपने विचार और सुझाव प्रस्तुत किए, जिनमें से 32 ने एक साथ चुनाव कराने का समर्थन किया। कई राजनीतिक दलों ने इस मामले पर उच्च-स्तरीय समिति के साथ विस्तार से विचार-विमर्श किया।सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के समाचार पत्रों में प्रकाशित एक सार्वजनिक सूचना के प्रत्युत्तर में संपूर्ण भारत से नागरिकों से 21,558 प्रतिक्रियाएं प्राप्त हुईं। इसमें से 80 प्रतिशत लोगों ने एक साथ चुनाव कराने का समर्थन किया।समिति द्वारा भारत के चार पूर्व मुख्य न्यायाधीशों और प्रमुख उच्च न्यायालयों के बारह पूर्व मुख्य न्यायाधीशों, भारत के चार पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्तों, आठ राज्य चुनाव आयुक्तों और भारत के विधि आयोग के अध्यक्ष जैसे प्रतिष्ठित न्यायविदों और विशेषज्ञों को भी व्यक्तिगत रूप से बातचीत के लिए आमंत्रित किया गया था। इस पर भारत के चुनाव आयोग के विचार भी मांगे गए।भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई), भारतीय वाणिज्य एवं उद्योग महासंघ (फिक्की), भारतीय वाणिज्य एंव उद्योग मंडल (एसोचैम) जैसे शीर्ष व्यापारिक संगठनों और प्रख्यात अर्थशास्त्रियों से भी एक साथ चुनाव कराने के आर्थिक परिणामों पर अपने विचार प्रस्तुत करने के लिए कहा गया। उन्होंने एक साथ चुनाव कराने की वकालत करते हुए इसे आर्थिक रूप से आवश्यक बताया, क्योंकि इससे मुद्रास्फीति और अर्थव्यवस्था की गति पर असर पड़ता है।इन संगठनों ने समिति को बताया कि बीच-बीच में चुनाव कराने से आर्थिक विकास, सार्वजनिक व्यय की गुणवत्ता, शिक्षा और अन्य मामलों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है, साथ ही सामाजिक सद्भाव भी बिगड़ता है। उन सभी सुझावों और दृष्टिकोणों पर सावधानीपूर्वक विचार करने के बाद समिति ने एक साथ चुनाव कराने के लिए दो-चरण वाले दृष्टिकोण की सिफारिश की है।रिपोर्ट के अनुसार, पहले चरण में लोकसभा और राज्य विधानसभाओं के लिए एक साथ चुनाव कराए जाएंगे। दूसरे चरण में, नगर पालिकाओं और पंचायतों के चुनाव इस तरह से कराए जाएंगे कि यह प्रक्रिया लोकसभा और राज्य विधानसभाओं के चुनाव के सौ दिनों के भीतर संपन्न हो जाएं। समिति ने यह भी सिफारिश की है कि सरकार के तीनों स्तरों के चुनावों में उपयोग के लिए एक ही मतदाता सूची और मतदाता फोटो पहचान पत्र (ईपीआईसी) होना चाहिए।वर्ष के दौरान केंद्रीय विधि विभाग ने भारत सरकार (कार्य आवंटन) नियम 1961 के अनुसार आवंटित व्यापक गतिविधियों को संपन्न किया है।

साधु संत और ऋषि-मुनियों का संगम है महाकुंभ

कुंभ मेला हमारी गौरवशाली संस्कृति का अभिन्न अंग है, जो भारतीय समाज के धार्मिक, सांस्कृतिक और सामाजिक जीवन के प्रत्येक पहलू को संजोए हुए है। यह मेला केवल एक धार्मिक आयोजन या स्नान का पर्व नहीं, बल्कि समाज के सुधार, सामाजिक समरसता और आध्यात्मिक उन्नति का महत्वपूर्ण मंच है। कुंभ मेला भारतीय संस्कृति की धरोहर है, जो प्रत्येक पीढ़ी को अपनी जड़ों से जुड़ने का अवसर प्रदान करता है। यह मेला भारतीय संस्कृति और समाज के लिए एक अद्भुत अवसर है, जहां समस्त समाज के समक्ष कई महत्वपूर्ण समस्याओं का समाधान प्रस्तुत किया जाता था। यहां संत-महात्मा और ऋषि-मुनियों का संगम होता है, जो समाज का मार्गदर्शन और व्याप्त समस्याओं का समाधान प्रस्तुत करते थे।

सनातन धर्म, ऐसी दिव्य परंपरा है, जो कालांतर से आस्था और मानवता के सर्वोत्तम आदर्शों को संगठित करती आ रही है। सनातन धर्म की जड़ें इतनी गहरी हैं कि यह न केवल व्यक्ति को, बल्कि समाज और राष्ट्र को भी दिशा प्रदान करता है। इसके भीतर निहित प्रत्येक तत्व, परंपरा, उत्सव, पर्व, अनुष्ठान का उद्देश्य जीवन को श्रेष्ठ, पवित्र और दिव्य बनाना है। कुंभ मेला, सनातन धर्म का अभिन्न अंग है।

आस्था का प्रतीक है महाकुंभ

कुंभ मेला, भारतीय समाज में व्याप्त शुद्धता, समानता, भाईचारा और दिव्यता के संदेश को प्रसारित करता है। प्रत्येक 12 वर्ष में आयोजित होने वाला कुंभ मेला न केवल व्यक्तिगत आस्था, बल्कि सामाजिक एकता का भी प्रतीक है। यहां सभी धर्म, जाति, वर्ग और समुदायों के लोग एकत्र होते हैं। इस एकता में न केवल सामाजिक समरसता की भावना होती है, बल्कि यहां भारतीय संस्कृति के मूल्यों की भी अभिव्यक्ति होती है।

कुंभ मेला वह अवसर है, जिसमें हम तनाव और अपनी व्यक्तिगत समस्याओं को त्यागकर आत्मशुद्धि के लिए गंगा स्नान करते हैं, ताकि हमारी आत्मा पवित्र हो सके और हम अंतर्मन की गहराई में जाकर आत्म साक्षात्कार करने का प्रयास करें। साथ ही इस मेले में एक-दूसरे के प्रति प्रेम, सम्मान और भाईचारे का भाव जाग्रत होता है। यही है सनातन धर्म का संदेश 'वसुधैव कुटुंबकम अर्थात संपूर्ण पृथ्वी एक परिवार है'। कुंभ मेला भारतीय संस्कृति का प्रतीक है, क्योंकि यहां प्रत्येक व्यक्ति अपने दायित्वों को आत्मसात कर धर्म के प्रति जागरूक होता है।

सनातन धर्म के अनुसार, जीवन केवल भौतिक सुखों के लिए नहीं है, बल्कि आत्मा के शुद्धीकरण और जीवन को उच्चतम आदर्शों पर जीने के लिए है। कुंभ मेले में श्रद्धालु कल्पवास कर इस भाव को जाग्रत करते हैं और जीते हैं। कुंभ मेला सिखाता है कि हर व्यक्ति में समान दिव्यता और परमतत्व का समावेश है, फिर चाहे वह किसी भी जाति, धर्म या समुदाय से हों। कुंभ मेला समाज में प्रेम, एकता, भाईचारा और रिश्तों के दिव्य संबंध का उदाहरण भी है। यहां लोग अपनी सभी भौतिक चिंताओं को त्यागकर आत्मा के उत्थान और मानवता की सेवा के लिए आते हैं। कुंभ मेला सिखाता है कि अगर हम समाज के हर व्यक्ति से प्रेम और सम्मान नहीं करेंगे तो हमारी संस्कृति व आस्थाएं अधूरी रहेंगी।

एक महोत्सव है कुंभ मेला

यह भारतीय संस्कृति के मूल्यों को जीवंत और जाग्रत रखने का सशक्त माध्यम है। यही कारण है कि कुंभ मेला केवल एक धार्मिक उत्सव नहीं, बल्कि दिव्य महोत्सव है, क्योंकि यहां सब समान और सबका सम्मान है। यहां चारों ओर एक ही भाव व्याप्त होता है कि किस माध्यम से आने वाले श्रद्धालुओं की सेवा करें, क्योंकि हम सभी एक ही ब्रह्मांड का अंग हैं और हमारा दायित्व है कि दूसरों का सहयोग करें और उनके सुख-दुख में भागीदार बनें। यह मेला मानवता के उच्चतम आदर्शों का प्रतीक है, जो बताता है कि सच्ची पूजा और धर्म वही है, जो दूसरों के कल्याण के लिए काम करे। यहां आकर श्रद्धालु केवल आध्यात्मिक उन्नति नहीं करते, बल्कि एक-दूसरे की मदद करने और समाज में सकारात्मक बदलाव लाने का संकल्प भी लेते हैं।

कुंभ मेला एक आदर्श उदाहरण करता है प्रस्तुत

कुंभ मेला एक आदर्श उदाहरण प्रस्तुत करता है कि कैसे विभिन्न संस्कृति और पृष्ठभूमि के लोग एकजुट होकर आध्यात्मिक एवं सामाजिक उद्देश्य को पूरा करते हैं। यह दिखाता है कि कैसे हजारों वर्ष पुरानी आस्थाएं न केवल धार्मिक जीवन को, बल्कि सामाजिक, सांस्कृतिक व पर्यावरणीय जीवन को भी प्रभावित करती हैं। यह मेला एकात्मता, समरसता और परंपराओं के संरक्षण का प्रतीक है, साथ ही यह मानवता और पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी का भी संदेश देता है।कुंभ मेला हर 12 वर्ष में आयोजित होने वाला ऐसा अद्वितीय धार्मिक एवं सामाजिक आयोजन है, जो भारतीय सभ्यता व संस्कृति के अस्तित्व को जीवित रखता है और उसे समय के साथ समृद्ध बनाता है। इस बार का कुंभ तो अद्भुत, अलौकिक और अवर्णनीय होने जा रहा है। भारत के यशस्वी, ऊर्जावान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उत्तर प्रदेश को उत्तम प्रदेश बनाया है। उन्होंने पूरी शक्ति लगा दी कि सनातन का पर्व समरसता एवं एकता का पर्व बने और संगम के तट से संगम का संदेश प्रसारित हो।

महाकुंभ को ये चीजें बनाती हैं बेहद खास

परमात्मा ने इस पवित्र धरा का सृजन लोकोपकारी मूल्यों के प्रसार हेतु किया है। हमारी जीवन पद्धति, पर्व, परंपरा और प्रार्थनाओं में व्यक्तिगत अभ्युदय के साथ-साथ समष्टि के सामूहिक कल्याण एवं लोकमंगल के स्वर समाहित होते हैं। परमात्मा ने गुण, कर्म और विभाग के अनुसार इस सृष्टि का सृजन किया और अपनी प्रकृति के अनुरूप सबका अपना अलग वैशिष्ट्य भी है। जैसे अग्नि की दाहकता और जल की शीतलता भिन्न-भिन्न कार्य हैं और दोनों की प्रकृति भी अलग है। सर्प, बिच्छू आदि विषधर जीव भी पारिस्थितिक संतुलन और आहार शृंखला की दृष्टि से उपयोगी होते हैं। जैसी दृष्टि होगी, तदानुकूल परिवेश की निर्मिति होती जाएगी। हमें अन्यों में केवल दुर्गुण और दोष ही न दिखें, अपितु दूसरों की श्रेष्ठता, सद्गुण और महानता की अनुभूति भी होनी चाहिए।

परमार्थ प्रकृति का मूल स्वर है। धरती, अंबर, जल, पवन, प्रकाश आदि के रूप में परमात्मा स्वयं भी पारमार्थिक कार्यों में संलग्न है। भगवान नारायण लोक कल्याण की संसिद्धि के लिए मदरांचल पर्वत को अपनी पीठ पर धारण कर समुद्र मंथन में कूर्म का रूप धारण कर देवगणों के सहायक हुए, जिसकी मूल भावना सृजन की ही थी। समुद्र मंथन अर्थात मनोमन्थन! अर्थात हम जब भी मंथन करते है तो निश्चित रूप से कोई संकल्प लेते हैं। यदि संकल्प शुभ व पारमार्थिक हो तो नियंता, नियति, परमात्मा, प्रकृति व सकल दैव सत्ता अभीप्सित लक्ष्य की संप्राप्ति में सहायक बनने लगते हैं।

वेदों में कहा गया है कि 'तन्मे मनः शिवसंकल्पमस्तु' अर्थात जो मनोजयी है, वही अमृतत्व का अधिकारी है। निरभिमानिता ईश अनुग्रह और समस्त लौकिक-पारलौकिक अनुकूलताओं का मूल है। समुद्र मंथन के समय निकला अमृत श्रम की ही निष्पत्ति थी। देव और दानव संग्राम में अमृत घट से छलकी बूंदों से महिमामंडित चार स्थानों यथा प्रयाग, हरिद्वार, उज्जैन एवं नासिक में कुंभ राग गूंजता है। इस पर्व के दौरान कालगणना के अनुरूप पवित्र सलिलाओं का जल अमृत तुल्य हो जाता है। इसके अतिरिक्त वैचारिक मंथन से सत्संग रूपी अमृत भी प्राप्त होता है।

आत्मपरिष्करण और जीवन निर्माण की आधारशिला है सत्संग। सत्संग की महिमा अद्भुत व अकथनीय है। विवेक जागरण, दिव्यता के प्रस्फुटन, भगवत्प्राप्ति आदि श्रेष्ठ पुरुषार्थों के मूल में सत्संग ही है। जीवन सिद्धि रूपी पुष्प का अंकुरण सत्संग, स्वाध्याय और सद्विचारों के बीजारोपण से ही सहज संभव है। शास्त्रों में उल्लेख है कि संत व सत्पुरुषों के सान्निध्य में श्रद्धा एवं विश्वास की मथानी और सत्संग, स्वाध्याय से उपार्जित विचार-अमृत ही अनंतता, अपराजेयता, अमृतत्व व जीवन सिद्धि का मूल है।

मनुष्य में अंतर्निहित श्रेष्ठता का प्रकटीकरण ही सत्संग की फलश्रुति है। जिस प्रकार क्षीर का मंथन करने से उसमें दही, मक्खन, घृत आदि औषधीय गुणों से युक्त पदार्थ प्रकट होते हैं, उसी प्रकार सत्संग, स्वाध्याय और सत्पुरुषों के सान्निध्य में जीवन की संपूर्णता प्रकट होती है। भारत की कालजयी, मृत्युंजयी संस्कृति की दिव्य अभिव्यक्ति कुंभ पर्व में गिरि, कंदरा, मठ, मंदिर और आश्रमों में रहने वाले लाखों तपःपूत संन्यासियों और संतों का दर्शन व सान्निध्य त्रिविध तापों का शमन करने वाला और इहलौकिक एवं पारलौकिक प्रयोजनों की सिद्धि करने वाला होता है। यह कुंभ पर्व का अनुपम वैशिष्ट्य है।

इस नश्वर जगत में ज्ञान, विवेक और विचार सत्ता ही चिरस्थायी है। सृष्टि के स्वाभाविक क्रम में जन्म, विकास, ह्रास और अंत सभी अनंत में विसर्जित होते रहते हैं। सनातन धर्म का वैशिष्ट्य व अप्रतिम सौंदर्य आह्वान और विसर्जन की प्रक्रिया में सहज दृष्टिगोचर है। विसर्जन ही श्रेष्ठ सृजन की भूमिका तैयार करता है। हमारी संस्कृति में विसर्जन का अर्थ है, पुनः सृजन। हमारे देश में विसर्जन के बाद भी पत्र, पुष्प इत्यादि को आदरपूर्वक सहेज कर रखने की परंपरा है।

आध्यात्मिक मूल्यों के प्रस्फुटन, निर्बाध ज्ञान परंपरा के विकास, जल संरक्षण और समष्टि के कल्याण को समर्पित कुंभ पर्व इसका सर्वश्रेष्ठ उदाहरण हैं, जहां उत्सवकाल में अनेक धार्मिक, आध्यात्मिक, सांस्कृतिक एवं वैचारिक आयोजनों की शृंखला के लिए जनमानस का आह्वान कर स्वस्थ व सकारात्मक विचारों का सृजन किया जाता है। तदुपरांत विश्व को प्रेम, शांति, सद्भाव और समरसता के अनेक सूत्र देकर कुंभ पर्व का विसर्जन कर दिया जाता है।

भारत उत्सव प्रिय देश है, जो सदैव उत्सवों में रत नजर आता है। यहां जन्म से मृत्यु तक हर गतिविधि, उत्सव का विषय है। इसकी उत्सव प्रियता केवल उल्लास और आनंद से ही नहीं उपजती, अपितु इसमें आत्म संघर्ष का गौरव, अपराध बोध का तर्पण और पीड़ा का निरसन भी लक्ष्य होता है। इन्हीं उत्सवों के भीतर भारतीय समाज के विकास की यांत्रिकी

भी छिपी हुई है। यदि किसी को सृजन और विसर्जन की कला सीखनी है तो संन्यासियों की जीवनशैली का दर्शन करना चाहिए।

प्रकाश रश्मियों के साथ सूर्य का उदय, आरोहण और नित्य प्रति अस्त होना इस बात का परिचायक है कि उद्भव, उत्कर्ष और पराभव प्रकृति का शाश्वत नियम है। वस्तुतः रात्रि के घने अंधकार में ही सूर्योदय के संकेत छिपे होते हैं। उसी प्रकार असफलता कुछ और नहीं, अपितु सफलता प्राप्ति की संसूचना ही है। जीवन का प्रत्येक सूर्योदय हमें हमारे लक्ष्य और संकल्पनाओं की संपूर्ति के नवीन अवसर प्रदान करता है, इसलिए सदैव नव सृजन, नवोन्मेषी विचार एवं अवसरों का स्वागत करना चाहिए। यह कहना सर्वथा उचित होगा कि भारत की सामाजिक समरसता, सांस्कृतिक एकता और दिव्यता की अनुपम अभिव्यक्ति कुंभ पर्व सृजन से विसर्जन की यात्रा है।

महाकुंभ का समुद्र मंथन से है गहरा नाता

हिंदू धर्म में महाकुंभ किसी पर्व से कम नहीं है। इसे लेकर यह मान्यता है कि जो भी व्यक्ति महाकुंभ में स्नान करता है, उसके सभी पाप धुल जाते हैं और उसे जन्म और मृत्यु के चक्र से मुक्ति मिल जाती है। कुंभ से संबंधित एक प्रचलित दंतकथा भी मिलती है, जिसके अनुसार चंद्रमा द्वारा की गई एक गलती की वजह से कुंभ का आयोजन होता है। हालांकि इस कथा का वर्णन पुराणों में नहीं मिलता। बल्कि इस दंतकथा का वर्णन इलाहाबाद यूनिवर्सिटी में प्राचीन इतिहास के प्रोफेसर डॉ. डी.पी. दुबे की पुस्तक कुंभ मेला: पिलग्रिमेज टू द ग्रेटेस्ट कॉस्मिक फेयर' में किया गया है। चलिए जानते हैं इसके बारे में।

दंतकथा के अनुसार – पौराणिक कथा के अनुसार, एक बार अमृत पाने की चाह में देवताओं और असुरों के बीच समुद्र मंथन हुआ। इस दौरान कई तरह के रत्नों की उत्पत्ति हुई, जिन्हें सहमति के साथ देवताओं और असुरों ने आपस में बांट लिया। लेकिन जब आखिर में भगवान धन्वंतरि अमृत कलश लेकर बाहर निकले, तो अमृत को पाने के लिए देवताओं और असुरों के बीच युद्ध छिड़ गया।

चंद्र देव को मिली थी ये जिम्मेदारी – असुरों से अमृत को बचाने के लिए इंद्र के पुत्र जयंत अमृत कलश लेकर भागने लगे। इस अमृत तो संभालने की जिम्मेदारी चंद्रमा को दी गई थी, लेकिन छीना-झपटी में वह कलश को संभाल नहीं सके, जिस कारण अमृत की कुछ बूंदें प्रयागराज, हरिद्वार, उज्जैन और नासिक में गिर गईं। आज इन्हीं चार स्थानों पर 12 साल के अंतराल में महाकुंभ का आयोजन किया जाता है। इस दंतकथा के अनुसार यह कहा जा सकता है कि चंद्रमा जी की गलती के कारण ही आज महाकुंभ का आयोजन होता है।

शाही स्नान की तिथियां

महाकुंभ में डुबकी लगाने के लिए श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ती है। ऐसे में शाही स्नान की तिथियां कुछ इस प्रकार रहने वाली हैं –

- सोमवार, 13 जनवरी 2025 – लोहड़ी
- मंगलवार, 14 जनवरी 2025 – मकर संक्रांति
- बुधवार, 29 जनवरी 2025 – मौनी अमावस्या
- सोमवार, 3 फरवरी 2025 – बसंत पंचमी
- बुधवार, 12 फरवरी 2025 – माघी पूर्णिमा
- बुधवार, 26 फरवरी 2025 – महाशिवरात्रि

112वीं पुण्यतिथि समारोह पर विशेष

परमहंस पंडित श्री गणेश नारायणजी का कौटुंबिक पृष्ठभूमि एवं सांसारिक जीवन

हमारे राष्ट्र की सदैव ही यह विशेषता रही है कि हमारी पावन संस्कृति तथा प्राचीन सभ्यता एवं वैदिक साहित्य की शिक्षाओं से अनुप्रमाणित होकर, कितने ही महापुरूषों ने अपने जीवन को तपा कर इतना श्रेष्ठ बना डाला कि उनकी गणना देवात्मा के रूप में होने लगी।समाज ईश्वर के स्वरूप में ही उनके दर्शन करने लगा और पूजा करने लगा, इसी प्रकार शूरों और संतों की धरती राजस्थान के कण-कण में बलिदान की रंगत और प्रभु-भक्त संतों की वाणी गुंजायमान है। राजस्थान के मरुस्थल ने अनेक संत, महात्मा, योद्धा, विद्वान, कवि, विश्व प्रमुख उद्योगपतियों को जन्म दिया है।

इसी क्रम में विक्रम संवत 1903 पौष कृष्णा प्रतिपदा, गुरुवार बुगाला के पंडित घनश्याम दास के यहां पुत्र रत्न ने जन्म लिया, पिता ने पुत्र का नाम गणेश नारायण रखा। उनकी विलक्षण कुंडली को देखकर उस समय के ज्योतिषी भी चकित रह गये, जन्मांक एंव राशि चक्र के अनुसार पंडित गणेश नारायण जी के सभी शुभ ग्रह केन्द्र में स्थित है, धर्म एंव कर्म के स्वामी का परसपर संबंध है, केन्द्र का मालिक शुक्र, त्रिकोण का मालिक मंगल है इसलिए यह राजयोग कारक है। ज्योतिषियों ने कहा, यह बालक राजा जैसे बड़े लोगों का पुज्यनीय होते हुए भी निराभिमान, दयालु, देवताओं के समान मांगे सो देने वाला, पर अपने पास कुछ भी संग्रह न करे, पूरा सा अंग ढकने का वस्त्र भी अपने पास न रखे, यह कोई वचन सिद्ध एंव अवतारी पुरुष की ही जन्मपत्री हो सकती है। इतना ही नहीं यह बालक महामान्य, कोविद, ज्ञानी, सर्वजनप्रिय, देवपूजक, त्यागशील, मतिमान, सरल अल्पभोगी, महाप्रज्ञ और देवतावत, जपध्यानसमाधिमान होगा ।

पिता ने पुत्र को विद्याध्ययन के लिये विद्वान गुरु रुडेन्द्रजी के पास भेजा। होनहार, वीरवान के होत चिकने पात के अनुसार आपकी प्रतिभा एवं कुसाग्र बुद्धि से गुरु रुडेन्द्रजी प्रभावित हुये बिना नहीं रह सके। बालक गणेश नारायण का विद्याध्ययन सिद्धहस्त गुरु रुडेन्द्र शास्त्री के सानिध्य मे होने लगा, उन्होने बहुत ही अल्प आयु में संस्कृत, गणीत, वेदांग, तंत्र-मंत्र, व्याकरण, छंदशास्त्र एंव ज्योतिषशास्त्र तथा कर्म काण्ड की शिक्षा पूर्ण करके, श्री द्वारकाधीश एंव एकादशशिव मन्दिर के पवित्र प्रांगण मे कर्मकाण्ड एंव ज्योतिष विद्या का चमत्कार दिखाने लगे । फारसी एवं अरबी भाषा का भी अध्ययन करने के बाद सफल अनुष्ठानो से यजमानो एंव आम लोगों को कृतार्थ करने लगे। पिता की आज्ञा के अनुसार शादी कर के ग्रहस्थ जीवन में एक लड़के एंव दो लड़कियों को जन्म दिया, लेकिन शिव और शक्ति की आराधना के प्रभाव ने उन्हे ग्रहस्थ जीवन त्यागने पर मजबूर कर दिया ।

आप तीव्र बुद्धि व ईश्वर चिन्तन में लीन रहने से प्रतिभा व ज्ञानार्जन करने के लिये दुर्गाजी (अम्बे) व शिवजी (शंकर) की घोर उपासना करने लगे। विशेषकर आप मां दुर्गा का नवरात्रा उद्यापन अनुष्ठान बडे ही तन्मय, दतचित होकर भाव भक्ति एवं विधि विधान से शास्त्रोक्त विधि से किया करते थे। एक समय की बात है पंडित गणेश नारायण जी का मां भगवती की पूजा-अर्चना, आराधना एंव अनुष्ठान कर रहे थे उसी समय शिव की सहचरी शक्ति की असीम अनुकम्पा से उनका हृदय पूर्ण विरक्ति से प्लावित हो उठा। यह असाधारण, अव्दितीय और अलौकिक स्थिति उनकी जीवन मुक्ति के लिए सब कुछ त्याग कर मोह-माया के बन्धन तोडकर, उस मंजिल की ओर चल पडने के लिए थी, जिसकी उपलब्धि का ध्येय लेकर वह महान आत्मा बुगाला आयी थी ।

विक्रम संवत 1942 में एक यजमान ने परिवार के स्वास्थय एंव कल्याण के लिए विशेष अनुष्ठान करने का आग्रह किया। मंत्रज्ञ पंडित गणेश नारायण ने विधिवत अनुष्ठान प्रारंभ किया, यजमान के नौनिहाल को स्वंय काल के मुख से खींच लाना कोई सरल कार्य नहीं था, किन्तु मंत्र मे अपार शक्ति होती है। भक्ति और उपासना, विधिवत होने पर असफलता कहाँ? अनुष्ठान का नौवां दिन उपासना कक्ष के द्वार बंद, अनुष्ठान पूरा होने वाला था। संकल्प, आसन शुद्धि, न्यास, देवता ध्यान, मंत्र, जाप आदि प्रक्रियाएं पूर्ण, नैवेद्ध का क्षण था, पंडित गणेश नारायण ने देवि को साक्षात प्रकट हो कर नैवेद्ध ग्रहण करने के लिए विह्वल भाव से आग्रह किया। और आशचर्य देवी साक्षात उनके सामने प्रकट हो गई। पंडित गणेश नारायण गद-गद भाव से नैवेद्ध समर्पित करने के लिये आतुर हुए, किंतु दुर्भाग्यवश उसी समय प्रार्थना कक्ष के द्वार खुल गये। पंडित गणेश नारायण यह अप्रत्याशित घटना होते देख, सिर्फ इतनी ही विनती कर सके- अंबे, मेरी लाज रखना। कहने कि आवश्यकता नहीं मां अंबे ने उपासक की प्रार्थना स्वीकार कर उसे कृर्तार्थ किया एंव यजमान के परिवार मे खुशियां छाः गयी।

परमहंस जी दृढ़निश्चयी तथा सच्चे साधक थे, अपने जीवन की समस्त शक्तियों से लगातार मां दुर्गा एवं शिव की उपासना करते रहते थे, आप जाप व मंत्रो से ड डकार से जो शिव का बीज मंत्र है का जाप तथा शिव का ध्यान करते थे। अघोर साधना, साधक की अंतिम सिद्धी सोपान है। सत्य एवं शिव के प्रत्यक्ष, और प्रमाणित दर्शन होते है साधक की आत्मा अनंत, अखंड, अगोचर और अनादि परमात्मा से मिलकर एकाकार हो जाती है। आप त्रिकालदर्शी हो गये थे, पूर्व की, वर्तमान एवं भविष्य में घटने वाली घटनाओं के बारे में श्रद्वालु भक्तों को बताने लगे थे। आप वि.सं. 1944 को नवलगढ़ से जसरापुर होते हुये, गुढ़ा-गौड़जी को त्यागकर वि. सं. 1947 में चिड़ावा पधारे तथा जीवन पर्यन्त चिड़ावा में रहकर साधना में लीन रहते थे।

-विकास मोदी
9246885011

क्रमशः

बॉलीवुड में हुआ था बुरा हश्र

अब 69 की उम्र में 70 करोड़ की फीस ले रहे सुपरस्टार चिरंजीवी

साउथ सुपरस्टार्स की फीस से तो अब हर कोई वाकिफ है, चिरंजीवी एक ऐसे स्टार हैं जो किसी भी बड़े स्टार से ज्यादा फीस चार्ज कर रहे हैं। सिर्फ इतना ही नहीं ये साउथ सुपरस्टार रोज अपनी ही इंडस्ट्री का रिकॉर्ड ब्रेक करने में लगे हैं, यानी कौन कितनी फीस डिमांड कर सकता है ये किसी को भी नहीं पता है। चिरंजीवी को लेकर अब जो रिपोर्ट सामने आई है, उसे लेकर आप भी यही कहेंगे। बताया जा रहा है कि मेगास्टार चिरंजीवी ने श्रीकांत ओडेला के डायरेक्शन में बन रही फिल्म में काम करने के लिए हामी भर दी है। जिसमें वो करीब 70 करोड़ रुपये की फीस ले रहे हैं।

फैंस के लिए बड़ी खुशखबरी

ये वही डायरेक्टर हैं जिन्होंने नानी के साथ मिलकर हिट फिल्म दसरा बनाई थी। पिछले महीने फिल्म की घोषणा की गई थी, जिससे फैंस को बहुत खुशी हुई, और सबसे खास बात ये है कि नानी ही इस फिल्म के प्रजेंटर होंगे। यही वजह है कि चिरंजीवी और नानी के तमाम फैंस को अब आने वाली फिल्म के नाम और इसकी रिलीज डेट का इंतजार है। हालांकि इसमें अभी वक्त लग सकता है। बताया जा रहा है कि फिल्म को रिलीज होने में अभी कुछ साल भी लग सकते हैं।

फीस की खबर हो रही वायरल

फिल्म से ज्यादा चर्चा चिरंजीवी की भारी भरकम फीस की हो रही है, उनके तमाम फैंस इसे सोशल मीडिया पर खूब शेयर कर रहे हैं। अगर वाकई 70 करोड़ की बात सही साबित होती है तो ये मेगास्टार चिरंजीवी के लिए सबसे बड़ी फीस होगी। हालांकि अब तक सुपरस्टार और फिल्म मेकर्स की तरफ से इसे लेकर कोई भी जानकारी नहीं दी गई है। बताया जा रहा है कि इस फिल्म में चिरंजीवी एक नए अवतार में दिखाई देंगे, जो 2027 में रिलीज होने वाली है।

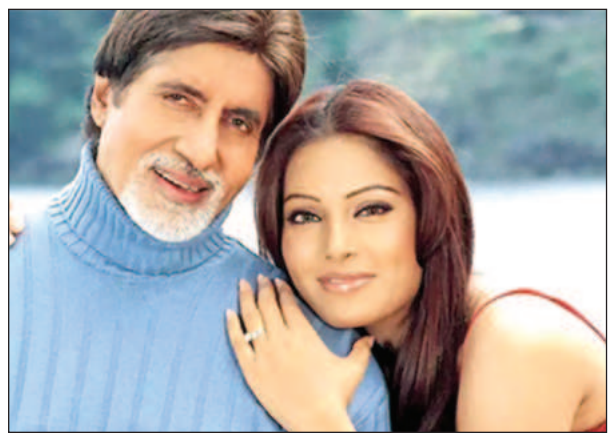

जब अमिताभ बच्चन ने बिपाशा बसु पर किया था मजाकिया कमेंट!

अमिताभ बच्चन का एक पुराना वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया है, जिसमें बिग बी अभिनेत्री बिपाशा बसु के बारे में मजाकिया बातचीत करते और उन पर कमेंट करते नजर आए।

सामने आया पुराना वीडियो सिमी ग्रेवाल के लोकप्रिय चैट शो, 'रेंडेजवस विद सिमी ग्रेवाल' से है, जिसमें बच्चन अपने परिवार के सदस्यों बेटे अभिषेक, बेटी श्वेता और पत्नी जया बच्चन के साथ बैठे दिखाई दे रहे हैं।

सामने आया वीडियो स्पेशल पार्ट साल 2004 में आई थ्रिलर-रोमांटिक फिल्म 'एतबार' से जुड़ा है। फिल्म में अमिताभ बच्चन के साथ बिपाशा बसु और जॉन अब्राहम अहम भूमिका में थे। जानकारी के अनुसार उस वक्त जॉन और बिपाशा कथित तौर पर रिलेशनशिप में थे। 'एतबार' में बिग बी ने बिपाशा के पिता की भूमिका निभाई थी। वायरल फुटेज में अमिताभ सिमी के साथ 'एतबार' के सेट से एक मजाकिया घटना को याद करते नजर आए। इस दौरान बिग बी बताते नजर आए कि जब जॉन को कंजंक्टिवाइटिस (आंखों में होने वाला एक प्रकार का संक्रमण) हो गया था, तब उन्होंने टीम को चिढ़ाते हुए चेतावनी दी कि अमिताभ ने जो कुछ भी छुआ है उसे छूने से बचें, क्योंकि संक्रमण होने का डर है।

इस पर बिना किसी देरी के बच्चन ने जवाब दिया, मैंने तो किया ही नहीं कुछ (मैंने कुछ नहीं किया)। फिर उन्होंने हंसते हुए कहा, साड़ी छूना तो बिपाशा करती हैं, मैं थोड़े ना करता हूं।पिछले साल, सिमी ग्रेवाल ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर इस थ्रोबैक वीडियो को कैप्शन के साथ शेयर करते हुए लिखा था, दोस्तों के बीच थोड़ी गपशप क्या होती है? मिलन स्थल।

इस बीच अमिताभ बच्चन के वर्कफ्रंट की बात करें तो वह हाल ही में फिल्म 'वेट्टैयान' में नजर आए थे, जहां उन्होंने रजनीकांत, फहाद फासिल और राणा दग्गुबाती के साथ स्क्रीन शेयर की थी। टीजे ज्ञानवेल के निर्देशन में बनी फिल्म का निर्माण सुभास्करन अलीराजा के लाइका प्रोडक्शंस ने किया था।

एक्शन-थ्रिलर फिल्म रजनीकांत के इर्द-गिर्द घूमती है, जो एक अनुभवी पुलिस अधिकारी अथियन की भूमिका में है, जो अनजाने में एक मुठभेड़ के दौरान एक निर्दोष व्यक्ति को गोली मार देता है।

अमिताभ बच्चन के पास 'द इंटर्न' भी है। फिल्म में अमिताभ के साथ दीपिका पादुकोण अहम रोल में दिखाई देंगी। अमिताभ के पास 'कल्कि 2898 एडी' का दूसरा भाग भी है।

नोरा फतेही ने साड़ी पहने इंटरनेट का चढ़ाया पारा

बी-टाउन की ग्लैमरस क्वीन और बैली डांसर नोरा फतेही हमेशा अपने ठुमको से सभी फैंस को दीवाना बनाती रहती हैं। उनका कातिलाना अवतार इंटरनेट पर आते ही तेजी से वायरल होने लगता है। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं। इन फोटोज में उनका खूबसूरती भरा अंदाज देखकर फैंस दीवाने हो गए हैं।

अपनी एक्टिंग से ज्यादा डांसिंग स्टाइल को लेकर लाइमलाइट में रहने वाली एक्ट्रेस नोरा फतेही सोशल मीडिया पर काफी पॉपुलर हैं। वो जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो वो चंद ही मिनटों में वायरल होने लगती हैं।अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें फैंस के बीच साझा की हैं। इन फोटोज में उनका कातिलाना अंदाज देखकर फैंस की नजरें उन पर से हटने का नाम नहीं ले रही हैं।अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें फैंस के बीच साझा की हैं। इन फोटोज में उनका कातिलाना अंदाज देखकर फैंस की नजरें उन पर से हटने का नाम नहीं ले रही हैं।हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं, जिसमें वो साड़ी पहनकर कैमरे के सामने बलखाती हुई अदाओं से पोज दे रही हैं।फोटोज में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस मोनालिसा ने लेटेस्ट फोटोशूट के दौरान व्हाइट कलर की नेट लुक में साड़ी पहनी हुई है और उसके साथ गोल्डन कलर का रिवीलिंग ब्लाउज कैरी किया है।खुले बाल, कानों में इयररिंग्स और लाइट मेकअप कर के एक्ट्रेस नोरा फतेही ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है।नोरा फतेही सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। इंस्टाग्राम पर उनकी फैन फॉलोइंग लिस्ट भी काफी जबरदस्त है।

दोबारा ब्लॉकडस्टर बनने जा रहे है साउथ डायरेक्टर शंकर

पहले डुबोए 250 करोड़ अब दांव पर 450 करोड़

हर साल भारत में कई फिल्में बनती हैं। इनमें से कुछ बिग बजट होती हैं तो कुछ कम बजट वाली फिल्में भी होती हैं। हालांकि बड़े बजट की फिल्मों से हीरो-हीरोइन के अलावा डायरेक्टर और प्रोड्यूसर को भी काफी उम्मीदें होती हैं। उस वक्त मेकर्स भी काफी निराश हो जाते हैं जब उनकी बिग बजट फिल्म फ्लॉप हो जाती हैं। अब हम आपको साउथ के एक ऐसे डायरेक्टर के बारे में बताने वाले हैं जो 250 करोड़ की बड़ी फ्लॉप फिल्म दे चुका है और अब 400 करोड़ रुपए दांव लगाए हैं।

इस डायरेक्टर का नाम शंकर है। शंकर साउथ के बड़े डायरेक्टर्स में से एक हैं। वह कई फिल्मों का निर्देशन कर चुके हैं। शंकर पिछले साल फिल्म इंडियन 2 लेकर आए थे।यह फिल्म साल 1996 में आई इंडियन का सीक्वल थी।जिसमें कमल हासन मुख्य भूमिका में थे। पहली फिल्म की सफलता को देखते हुए इंडियन 2 से मेकर्स को काफी उम्मीद थी, लेकिन जब यह फिल्म सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी तो बुरी तरह से फ्लॉप साबित हुई। इंडियन 2 के बाद शंकर अब फिल्म गेम चेंजर लेकर आए हैं।

गेम चेंजर इस साल की मोस्ट अवेटेड फिल्मों में से एक है। जिसमें राम चरण और कियारा आडवाणी जैसे कलाकार मुख्य भूमिका में हैं। गेम चेंजर का बजट 400 करोड़ रुपये के आसपास बताया जा रहा है। हाल ही में इस फिल्म का ट्रेलर रिलीज हुआ है। जिस पर दर्शकों की कोई खास और बड़ी प्रतिक्रिया नहीं मिली है। इसके अलावा गेम चेंजर का ट्रेलर थोड़ा-थोड़ा शंकर की फिल्म इंडियन 2 का जैसा लगता है। वहीं अभी तक फिल्म के ट्रेलर में वो खास बात नहीं दिखी जो 400 करोड़ की फिल्म लगती हो।

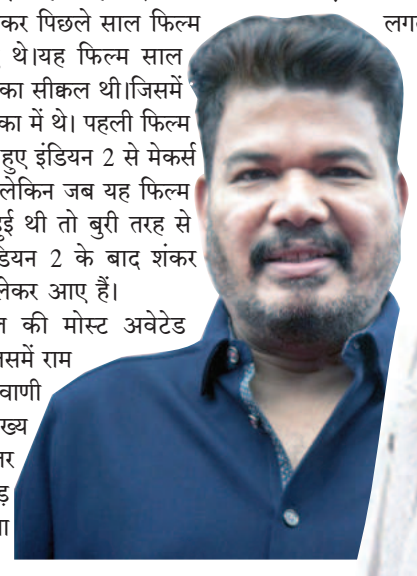

ईशा ने बताया, 48 की उम्र में भी कैसे बरकरार है चेहरे की चमक

अभिनेत्री ईशा कोप्पिकर ने सोशल मीडिया पर तरोताजा, चमकदार और सदाबहार बने रहने का अपना राज शेयर किया। पोस्ट में अभिनेत्री ने बताया कि 48 की उम्र में भी उनके चेहरे की चमक क्यों बरकरार है।सोशल मीडिया पर एक्टिव अभिनेत्री ईशा कोप्पिकर ने इंस्टाग्राम पर पोस्ट शेयर कर मजाकिया अंदाज में फैंस को अपनी चमक का राज बताया। आम सवाल का जवाब देते हुए अभिनेत्री ने कहा, क्या मैं रेफ्रिजरेटर में रहती हूं? क्योंकि लोग अक्सर आश्चर्य करते हैं कि मैं अपनी खूबसूरती को कैसे बनाए रखती हूं?

वीडियो शेयर करते हुए अभिनेत्री ने कैप्शन में लिखा, क्या मैं रेफ्रिजरेटर में रहती हूं? लोग हमेशा मुझसे पूछते हैं कि मैं इतनी फ्रेश और सदाबहार कैसे दिखती हूं। खैर, इसका राज खुल चुका है। शायद यह सिर्फ अच्छी वाइब्स और थोड़ी-बहुत सेल्फ-केयर की वजह से है! चमकते रहिए, चाहे कोई भी मौसम हो।

वहीं, वीडियो में ईशा ने खुलासा करते हुए बताया कि उनकी बेदाग खूबसूरती केवल पानी पीने की वजह से नहीं है बल्कि इसके लिए वह खुद की देखभाल, कड़ी मेहनत और स्वास्थ्य के प्रति सही नजरिया रखती हैं और यह बड़ी वजह है।

क्लिप में अभिनेत्री ने अपनी चमक की ओर इशारा करते हुए कहा, यह केवल पानी पीने से नहीं है। इसके पीछे बहुत मेहनत है। आपको इसके लिए बहुत सावधान रहना होगा। यह कुछ हद तक जेनेटिक भी हो सकता है।ईशा ने संतुलित आहार के महत्व पर जोर देते हुए बताया कि पपीता, स्ट्रॉबेरी, ब्लूबेरी, रास्पबेरी और संतरे जैसे खट्टे फल के साथ ही उन्हें हर तरह के फल बहुत पसंद हैं। कोप्पिकर ने बताया कि वह अपने शरीर को पोषित और एनर्जी से भरपूर बनाए रखने के लिए रोजाना कम से कम एक कच्ची सब्जी का जूस भी पीती हैं। अभिनेत्री ने कहा, मुझे फल पसंद हैं और मैं पपीता, स्ट्रॉबेरी, ब्लूबेरी, रास्पबेरी, खट्टे फल, संतरे के साथ ही बहुत सारे फल खाती हूं। मैं कम से कम 4 या 5 अलग-अलग तरह के फल खाती हूं। मैं दिन में कम से कम एक कच्ची सब्जी का जूस पीती हूं और स्वस्थ रहने के लिए अपने शरीर की आवाज सुनती हूं। ईशा ने हाल ही में जिम में वर्कआउट करते हुए अपना एक वीडियो पोस्ट किया था। पोस्ट को उन्होंने कैप्शन दिया था, 2025 बदलाव के बारे में है - चुनौतियों को स्वीकार करना और उन्हें अपनी सबसे बड़ी उपलब्धियों में बदलना। इसे संभावनाओं का साल बनाने के लिए आप लोग तैयार हैं? आइए हम सब मिलकर ये कदम उठाएं और इसे घटित होते हुए देखें।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आपके पास आज अतिरिक्त ऊर्जा है, जो आपको किसी पार्टी या कार्यक्रम का आयोजन करने के लिए प्रेरित करेगी। आप अपने पहनावे और बरताव में नयापन रखें। सेमिनार में हिस्सा लेकर आज आप कई नए विचार पा सकते हैं। वक्त से हर काम को पूरा करना ठीक होता है अगर आप ऐसा करते हैं तो आप अपने लिए भी वक्त निकाल पाते हैं। अगर आप हर काम को कल पर टालते हैं तो अपने लिए आप कभी समय नहीं निकाल पाएंगे। दाम्पत्य जीवन मे नयापन होगा चहरे पर मुस्कुराहट होगी । बच्चों के साथ गौशाला मे जाकर सेवा करें और दान करें

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

शारीरिक तौर पर तंदुरुस्त रहने के लिए शाकाहारी भोजन की आदत अपनाए । अगर आप सूझ–बूझ से काम लें, तो आज अतिरिक्त धन कमा सकते हैं। आज न सिर्फ़ अजनबियों से, बल्कि दोस्तों से सावधान रहने की ज़रूरत भी है। प्यार के नज़रिए से यह दिन बेहद ख़ास रहेगा। किसी साझीदारी वाले व्यवसाय में जाने से बचें – क्योंकि मुमकिन है कि भागीदार आपका फ़ायदा उठाने की कोशिश करें। ज़रूरतमंदों की मदद करने की आपकी ख़ासियत आपको सम्मान दिलाएगी। आज आप महसूस करेंगे कि जीवनसाथी के साथ की एहमियत कितनी हैं ।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ङ,छ,के,को,ह

आज अगर आप दूसरों की बात मानकर निवेश करेंगे, तो आर्थिक नुक़सान तक़रीबन पक्का है। आज के दिन बिना कुछ ख़ास किए आप आसानी से लोगों का ध्यान अपनी ओर आकर्षित करने में क़ामयाब रहेंगे। आज आप कुछ अलग क़िस्म के रोमांस का अनुभव कर सकते हैं। योग्य कर्मियों को पद–ोन्नति या आर्थिक मुनाफ़ा हो सकता है। आज आपको ढेरों दिलचस्प निमंत्रण मिलेंगे– साथ ही आपको एक आकस्मिक उपहार भी मिल सकता है। यह एहसास आज अपने जीवनसाथी से मिल सकता है।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

बहुत ज़्यादा चिंता करना मानसिक शांति को बर्बाद कर सकता है। इससे बचें, क्योंकि ज़रा–सी चिंता और मानसिक तनव भी शरीर पर ख़राब असर डालते हैं। नौकरी पेशा से जुड़े लोगों को आज धन की बहुत आवश्यकता पड़ेगी जितना आपने सोचा था, आपका भाई उससे ज़्यादा मददगार साबित होगा। आपका प्रेमी या प्रेमिका आज बहुत गुस्से में नजर आ सकते हैं । अगर वो गुस्से में हैं तो उन्हें शांत करने की कोशिश करें। काम में आपकी दक्षता की आज परीक्षा होगी। आज आप सबसे दूर होकर अपने आप के लिए वक्त निकाल पाएंगे।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज परिवार के सदस्यों के साथ कुछ आराम के पल बिताएँ। आज आप अपने किसी वादे को पूरा नहीं कर पाएंगे जिसकी वजह से आपका प्रेमी आपसे नाराज हो जाएगा। आज आप नए विचारों से परिपूर्ण रहेंगे और आप जिन कामों को करने के लिए चुनेंगे, वे आपको उम्मीद से ज़्यादा फ़ायदा देंगे। आध्यात्म की ओर आज आपका झुकाव देखा जा सकता है और आप किसी आध्यात्मिक गुरु से मिलने जा सकते हैं। परिवार के सदस्यों की बातों को नजरअंदाज करना आप को नुकसानदेह साबित हो सकती हैं पहली प्राथमिकता परिवार को देनी चाहिए।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज धन का आगमन आपको कई आर्थिक परेशानियों से दूर कर सकता है। आज के दिन बिना कुछ ख़ास किए आप आसानी से लोगों का ध्यान अपनी ओर आकर्षित करने में क़ामयाब रहेंगे। उदास न हों, कभी–कभी विफल होना कोई ख़राब बात नहीं है। वक्त के साथ चलना आपके लिए अच्छा है लेकिन साथ ही आपको यह समझना भी जरुरी है कि जब कभी आपके पास खाली समय हो अपने करीबियों के साथ वक्त बिताएं। आज आपका मन धार्मिक कार्यों में रमेगा जिससे आपको मानसिक शांति का अनुभव होगा।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

जो लोग लघु उद्योग करते हैं उन्हें आर्थिक लाभ होने की संभावना है। दोस्तों और परिवार के साथ मज़ेदार समय बीतेगा। जो अपने प्रिय के साथ छुट्टियाँ बिता रहे हैं, ये उनकी ज़िन्दगी के सबसे यादगार लम्हों में से होंगे। संतोषजनक परिणाम पाने के लिए काम को योजनाबद्ध तरीक़े से करें, दफ़्तर की परेशानियों को हल करने में आपको मानसिक तनाव का सामना करना पड़ सकता है। आपको और आपके जीवनसाथी को कोई बहुत सुखद ख़बर सुनने को मिल सकती है। जिससे शाम का वक्त बहुत ही खुशनुमा बितेगा आप एकदम रिलैक्स फील करेंगे।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज आपकी कोई चल संपत्ति चोरी हो सकती है इसलिए जितना हो सके इनका ध्यान रखें। एक बेहतरीन शाम के लिए रिश्तेदार/दोस्त घर आ सकते हैं। शाम ढलते–ढलते कोई आकस्मिक प्यारभरा झुकाव आपके दिलोदिमाग़ पर छा सकता है। कार्यक्षेत्र के नज़रिए से आज का दिन आपका है। इसका भरपूर फ़ायदा उठाएँ। दूसरों की राय को ग़ौर से सुनें– अगर आप आज वाक़ई फ़ायदा चाहते हैं तो। आज आपको सच्चे प्यार का एहसास होगा। बच्चों की पढाई पर आप को बहुत महनत करनी पडेगी , अन्यथा बच्चों को भविष्य मे अधिक परिश्रम करना पडेगा ।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज किसी करीबी से आपका झगड़ा हो सकता है और बात कोर्ट कचहरी तक जा सकती है। जिसकी वजह से आपका अच्छा खास धन खर्च हो सकता है। कुल मिलाकर फ़ायदेमंद दिन है। लेकिन आप समझते थे जिसपर आप आँखें बंद करके यक़ीन कर सकते हैं, वह आपके भरोसे को तोड़ सकता है। आपकी क़ामयाबी में महिलाएँ अहम किरदार अदा करेंगी, चाहे आप किसी भी क्षेत्र में क्यों न हों। अगर आप ख़रीदारी पर जाएँ तो ज़रूरत से ज़्यादा जेब ढीली करने से बचें। अपने जीवनसाथी से बात करें और कुछ मस्तीभरी योजना बनाएँ।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज आप उचित बचत कर पाने में सक्षम होंगे। आपके पास आज अतिरिक्त ऊर्जा है आप आज प्यार की मनोदशा में होंगे– और आपके लिए काफ़ी मौक़े भी होंगे। भागीदार आपकी योजनाओं और व्यावसायिक ख़यालों के प्रति उत्साही होंगे। दिन उम्दा है, आज के दिन अपने लिए समय निकालें और अपनी कमियों और खुबियों पर गौर फर्माएं। इससे आपके व्यक्तित्व में सकारात्मक परिवर्तन आएंगे। आज आपका वैवाहिक जीवन हँसी–ख़ुशी, प्यार और उल्लास का केन्द्र बन सकता है

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आपको कमीशन, लाभांश या रोयल्टी के ज़रिए फ़ायदा होगा। आपके जीवनसाथी की सेहत आपको चिंता में डाल सकती है। आज कार्यक्षेत्र में आपकी ऊर्जा घर के किसी मसले को लेकर कम रहेगी। इस राशि के कारोबारियों को आज के दिन अपने साझेदारों पर नजर बनाए रखने की जरुरत है, वो आपको नुक्सान पहुंचा सकते हैं। अपने शरीर को दुरुस्त करने के लिए आज भी आप कई बार सोचेंगे लेकिन बाकी दिनों की तरह भी आज यह प्लान धरा का धरा रह जाएगा। आपका जीवनसाथी आपको प्यार का एहसास देना चाहता है, उसकी मदद करें।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

ख़र्चों में हुई अप्रत्याशित बढ़ोत्तरी आपके मन की शांति को भंग करेगी। आपका मज़ाकिया स्वभाव आपके चारों ओर के वातावरण को ख़ुशनुमा बना देगा। फूल देकर अपने प्यार का इज़हार करें। कार्यक्षेत्र में समझ–बूझ के उठाए गए आपके क़दम फलदायी होंगे। इससे आपको समय पर योजनाएँ पूरी करने में मदद मिलेगी। साथ ही नई परियोजनाएँ शुरू करने के लिए सही समय है। आज आप अपने जीवनसाथी को सरप्राइज दे सकते हैं, अपने सारे कामों को छोड़कर आज आप उनके साथ वक्त बिता सकते हैं।

मंगलवार का पंचांग

दिनांक : 07 जनवरी 2025, मंगलवार
विक्रम संवत : 2081
मास : पौष , शुक्ल पक्ष
तिथि : अष्टमी सायं 04:29 तक
नक्षत्र : रेवती सायं 05:50 तक
योग : शिव रात्रि 11:15 तक
करण : बव सायं 04:29 तक
चन्द्रराशि : मीन सायं 05:50 तक
सूर्योदय : 06:48 , सूर्यास्त 05:56 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:43 , सूर्यास्त 06:08 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:37 , सूर्यास्त 05:59 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:37 , सूर्यास्त 05:49 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
चल : 09:00 से 10:30
लाभ : 10:30 से 12:00
अमृत : 12:00 से 01:30
राहुकाल : सायं 03:00 से 04:30
दिशाशूल : उत्तर दिशा
उपाय : गुड खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : दुर्गा अष्टमी , पंचक चालू है
धनुर्मास चालू है

पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

बंडारू ने श्री गुरु गोबिन्द सिंह को उनके प्रकाश पर्व पर श्रद्धांजलि अर्पित की

चंडीगढ़,06 जनवरी (एजेंसियां)। हरियाणा के राज्यपाल श्री बंडारू दत्तात्रेय ने आज 10वें सिख गुरु, श्री गुरु गोविंद सिंह जी को उनके प्रकाश पर्व के पावन अवसर पर अपनी भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की और श्री गुरु गोविंद सिंह जी की शिक्षाओं, सद्भाव, साहस और सार्वभौमिक भाईचारे को बढ़ावा देने में उनके महत्व पर प्रकाश डाला। बंडारू दत्तात्रेय ने मानवता के लिए श्री गुरु गोविंद सिंह जी के अद्वितीय योगदान, विशेष रूप से निस्वार्थता, समानता और सेवा के उनके आदर्शों पर जोर डालते हुए देश के नागरिकों से समाज के कल्याण के लिए इन शिक्षाओं को अपने दैनिक जीवन में आत्मसात करने का आग्रह किया। श्री गुरु गोविंद सिंह जी का जीवन मानव समाज के लिए प्रेरणा का प्रतीक है। सार्वभौमिक कल्याण, सामाजिक न्याय और एकता का उनका दृष्टिकोण आज की दुनिया में भी अत्यंत प्रासंगिक है।

दत्तात्रेय ने कहा कि आइए हम सब उनके सिद्धांतों पर चलने के लिए प्रतिबद्ध हों और एक दयालु और सामंजस्यपूर्ण समाज के निर्माण में योगदान दें। बंडारू दत्तात्रेय ने सिख समुदाय की त्याग, वीरता और निस्वार्थ सेवा के मूल्यों के प्रति दृढ़ प्रतिबद्धता की भी प्रशंसा की, जो गुरु के जीवन और विरासत में परिलक्षित होते हैं।

उन्होंने लोगों से इस शुभ अवसर को भक्ति और श्री गुरु गोविंद सिंह जी द्वारा सिखाए गए मूल्यों को बनाए रखने के संकल्प के साथ मनाने के लिए एक साथ आने का आह्वान किया। राज्यपाल ने लोगों को शुभकामनाएं दी और हरियाणा एवं देश के लिए शांति, समृद्धि और एकता की प्रार्थना की।

एचएमपी वायरस सामान्य रोग, घबराने की आवश्यकता नहीं: चिकित्सा मंत्री

जयपुर,06 जनवरी (एजेंसियां)। प्रदेश के चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर ने कहा है कि देश में कुछ राज्यों में ह्यूमन मेटान्यूमो वायरस (एचएमपीवी) के कुछ केस सामने आए हैं, लेकिन इससे घबराने की कोई आवश्यकता नहीं है। खींवसर ने कहा कि चिकित्सा विशेषज्ञों के अनुसार यह वायरस वर्ष 2001 से मौजूद है, लेकिन रोगियों पर इसका प्रभाव सामान्य रहा है। इस वायरस से मौत का कोई मामला और चिंताजनक स्थिति सामने नहीं आई है।

खींवसर ने कहा है कि प्रतिवर्ष की भांति सर्दी के मौसम को देखते हुए बच्चे, बुजुर्ग, गर्भवती महिलाएं एवं गंभीर रोगों से ग्रसित व्यक्ति सर्दी, खांसी, जुकाम, बुखार आदि होने पर अस्पताल में चिकित्सक से परामर्श लें। उन्होंने कहा कि केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की ओर से सोमवार को इस वायरस के संबंध में सभी राज्यों के स्वास्थ्य सचिवों के साथ एक वीडियो कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया, जिसमें भी रपष्ट किया गया है कि यह वायरस घातक नहीं है। खांसी–जुकाम जैसे सामान्य लक्षणों के साथ सर्दी के मौसम में आमतौर पर कुछ केस इस वायरस के सामने आते रहे हैं, जिस कम में विगत कुछ माह में मार्च से दिसम्बर तक देशभर में 9 केस चिन्हित हुए हैं।

चिकित्सा मंत्री ने कहा है कि केंद्र सरकार के अनुसार एचएमपी वायरस का प्रसार वर्तमान में नगण्य है, लेकिन फिर भी एहतियात के तौर पर प्रदेशभर में चिकित्सा अधिकारियों को सजग एवं सतर्क रहने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही, जांच, उपचार सहित अन्य आवश्यक तैयारियां सुनिश्चित करने को भी कहा गया है। उन्होंने बताया कि प्रदेश में वर्तमान में इस वायरस की प्रमाणिक जांच के लिए 5 वीआरडीएल लैब एम्स जोधपुर, सवाई मानसिंह, अस्पताल जयपुर, आरएनटी मेडिकल कॉलेज उदयपुर, सरदार पटेल मेडिकल कॉलेज बीकानेर । एवं एसएन मेडिकल कॉलेज जोधपुर में उपलब्ध हैं।

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की प्रमुख शासन सचिव गायत्री राठौड ने कहा कि डूंगरपुर का दो माह का एक बच्चा अहमदाबाद में उपचाराधीन है। प्री–मैच्योर डिलीवरी से जन्मे इस बच्चे में एचएमपी वायरस के लक्षण सामने आए हैं, लेकिन बच्चे की स्थिति वर्तमान में सामान्य है। सर्दी, खांसी–जुकाम से पीड़ित यह बच्चा उपचार के दौरान अहमदाबाद में निजी अस्पताल में 26 दिसम्बर को एचएमपीवी से पॉजिटिव पाया गया था, जिसका उपचार चल रहा है और वह फिलहाल ठीक है। राजस्थान में अभी तक इस वायरस का कोई केस सामने नहीं आया है।

राज्य सरकार आधारभूत ढाँचे को मज़बूत कर अर्थव्यवस्था को गति देने के लिए कटिबद्ध : दिया कुमारी

जयपुर,06 जनवरी (एजेंसियां)। वर्ष 2024 को राजस्थान के इतिहास में विकास वर्ष के रूप में जाना जायेगा। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने राजस्थान में एक ऐतिहासिक बजट पेश किया गया, जिसमें राज्य में आधारभूत ढांचे के विकास की महत्वकांक्षी परियोजनाओं को शामिल किया गया। ख़ास बात ये कि राज्य सरकार ने बजट में घोषित इन योजनाओं के क्रियान्वयन के लिए मजबूती से प्रयास किये और यही कारण है कि सार्वजनिक निर्माण विभाग ने राज्य में बन रहे नौ ग्रीनफील्ड एक्सप्रेस हाईवेज् के लिए 30 करोड़ की लागत से डीपीआर बनाने का काम शुरु कर दिया है।

उन्होंने बताया कि राज्य में टोल कलेक्शन को पारदर्शी बनाने के लिए सभी टोल प्लाजा पर फास्ट–टेग अनिवार्य कर दिया गया है। इससे राज्य राज–मार्गों से होने वाली आय में 15 प्रतिशत बढ़ोतरी हुई है। दिया कुमारी ने कहा कि फास्ट–टेग से टोल कलेक्शन का फ़ैसला, राजस्थान में पीपीपी मोड पर आधारभूत ढाँचे के विकास में, एक दूरगामी फ़ैसला साबित होगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विजन के अनुसार टेक्नोलोजी और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए सार्वजनिक निर्माण विभाग की सेवा एप्प को लांच किया गया है, जिस पर आम नागरिक सड़कों की स्थिति के बारे में शिकायत अधिकारियों तक पहुँचा सकता है और उस पर त्वरित कार्यवाही की जा रही है। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने सड़कों की स्थिती को सुधारने के लिए अधिकारियों को लगातार फील्ड में रहने के भी निर्देश दिये है।

उपमुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में आधारभूत ढाँचे के विकास से अर्थव्यस्था की नसों को मज़बूत किया जा रहा है, जिससे शहरी और ग्रामीण क्षेत्र के युवाओं को रोज़गार के भरपूर अवसर मिले और उद्योग धंधो के विकास के साथ साथ स्वरोजगार के अवसरों में भी उत्तरोत्तर वृद्धि हो।

स्कूलों में शीतकालीन अवकाश दो दिन और बढ़ाया गया

जयपुर,06 जनवरी (एजेंसियां)। शीतलहर को देखते हुए कक्षा 1 से 8 तक के बच्चों को राहत दी गई है । अब राज्य सरकार ने शीतकालीन अवकाश को दो दिन और बढ़ा दिया है । 7 जनवरी एवं 8 जनवरी 2024 को भी अवकाश रहेगा । जिला कलेक्टर के निर्देश पर मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी ने आदेश जारी कर दिए है । यह आदेश जयपुर जिले और सभी राज्य के एवं गैर राजकीय विद्यालय के लिए मान्य होंगे ।

10 लाख की रिश्वत से तैयार हुआ यूडी टैक्स टेंडर

चूरू,06 जनवरी (एजेंसियां)। नगर परिषद में यूडी टैक्स टेंडर को लेकर भ्रष्टाचार की नई परतें खुल रही हैं। महज 1 करोड़ के अनुमानित राजस्व वाले इस प्रोजेक्ट के लिए 10 लाख की रिश्वत लेकर विशेष शर्तें तय की गईं, ताकि एक विशेष फर्म को ठेका दिया जा सके।

इस फर्म पर पहले भी जयपुर, उदयपुर, और कोटा निगम में सेटिंग के माध्यम से ठेके लेने के आरोप लगे हैं। इस फर्म के सर्वेयर भ्रष्टाचार निर–ोधक ब्यूरो द्वारा तीन अलग–अलग मौकों पर टैक्स घटाने के लिए जालसाजी में रंगे हाथों पकड़े जा चुके हैं। हाल ही में ब्यावर और किशनगढ़ में भी इस फर्म को लाभ पहुंचाने के लिए विशेष योग्यता शर्तें रखी गई थीं, लेकिन प्रमुख सचिव स्थानीय निकाय के तुरंत कार्यवाही से टेंडर अगले दिन ही निरस्त करना पड़ा।

ब्यावर की तरह अब चूरू नगर परिषद ने 6 जिसमें से 5 वर्षों का अनुभव केवल राजस्थान में ही हो जैसी शर्तें जोड़ दीं, जो केवल इस फर्म के पास मौजूद थीं। जबकि स्थानीय निदेशालय ने पहले ही यूडी टैक्स के लिए योग्यता की स्पष्ट गाइडलाइन तय कर रखी है जिनको पूर्ण रूप से दरकिनार कर इस टेंडर को लाखों रुपये ज्यादा की फीस पर देने की रूपरेखा बना डाली है।

अब कोई भी अधिकारी बताए कि बिना पैसों की सेटिंग के योग्यता के लिए ऐसी शर्तों को कौन डालेगा, जबकि स्थानीय निदेशालय ने पहले ही यूडी टैक्स के लिए योग्यता की स्पष्ट गाइडलाइन तय कर रखी है। इस टेंडर प्रक्रिया को लेकर भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो में शिकायत दी जा चुकी है। मामले की गंभीरता को देखते हुए निदेशक स्तर पर वार्ता शुरू हो गई है। अब देखना होगा कि प्रमुख शासन सचिव और –उइ की जांच में क्या खुलासे होते हैं और क्या चूरू में भी अनियमितता पाए पर इस फर्म को ठढझझ नियमों के तहत सदा के लिए बाहर किया जा सकेगा।

हरियाणा के कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा का बड़ा बयान

इंडोनेशिया के साथ समझौते से किसानों को होगा लाभ

चंडीगढ़,06 जनवरी (एजेंसियां)। हरियाणा के कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा ने कहा कि हरियाणा सरकार और केंद्र सरकार मिलकर प्रदेश के किसानों की समस्याओं का समाधान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा ने कहा कि हरियाणा सरकार ने गैर–बासमती चावल के निर्यात के लिए इंडोनेशिया के साथ ऐतिहासिक समझौता किया है। इस समझौते के तहत दस लाख मीट्रिक टन गैर–बासमती चावल का निर्यात किया जाएगा। मंत्री ने कहा, कि इस समझौते से हरियाणा के किसानों को सीधा फायदा होगा। उनके उत्पादों की मांग वैश्विक स्तर पर बढ़ेगी, और उन्हें अपनी फसलों का उचित मूल्य मिलेगा।

कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा ने कहा कि हाल ही में केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज चौहान के साथ एक ऑनलाइन बैठक हुई थी। इस बैठक में हरियाणा सरकार ने किसानों से जुड़े कई महत्वपूर्ण मुद्दे उठाए। उन्होंने कहा कि इस बैठक में हमने जो बातें रखी हैं, उन्हें आगामी केंद्रीय बजट में शामिल किया जाएगा। यह किसानों के हितों के लिए एक बड़ी उपलब्धि होगी। हरियाणा सरकार इस बार राज्य में शून्य पराली जलाने को सुनिश्चित करने का प्रयास कर रही है। मंत्री ने कहा कि हमारा उद्देश्य पराली जलाने की समस्या का समाधान करना है। इसके लिए किसानों को जागरूक किया जाएगा और उन्हें वैकल्पिक समाधान मुहैया कराए जाएंगे। उन्होंने कहा कि सरकार इस दिशा में तकनीकी और वित्तीय सहायता भी उपलब्ध कराएगी। बारिश और ओलावृष्टि से फसलों को नुकसान पिछले दिनों हुई बारिश और ओलावृष्टि से किसानों की फसलें बुरी तरह प्रभावित हुई हैं। इस पर बोलते हुए राणा ने कहा, फसल के नुकसान का सत्यापन किया जा रहा है। सरकार प्रभावित किसानों को मुआवजा देने के लिए हर संभव कदम उठा रही है। कृषि मंत्री ने किसान नेता जगजीत सिंह दल्लेवाल के स्वास्थ्य पर चिंता जताई। हरियाणा के कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा के इन बयानों से साफ है कि सरकार किसानों की समस्याओं के समाधान और उनके विकास के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। चाहे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर फसलों का निर्यात हो, पराली जलाने की समस्या का समाधान हो, या प्राकृतिक आपदाओं से प्रभावित किसानों की मदद हो, सरकार हर क्षेत्र में सक्रिय भूमिका निभा रही है। यह किसानों के लिए उम्मीद की किरण है कि उनकी मेहनत को सही कीमत मिलेगी और उनके हितों की रक्षा होगी।

गुरु गोबिन्द सिंह के साहिबजादों ने समाज और धर्म के लिए सर्वस्व न्यौछावर किया : सैनी

चंडीगढ़,06 जनवरी (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने श्री गुरु गोबिन्द सिंह जी के प्रकाश उत्सव की लख–लख बधाई देते हुए कहा कि हमें गर्व है कि श्री गुरु गोबिंद सिंह जी के साहिबजादों ने समाज व धर्म के लिए सर्वस्व न्योछावर कर दिया था। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी आज नाडा साहिब गुरुद्वारे में श्री गुरु गोबिंद सिंह के 358 वें प्रकाशोत्सव पर पहुंचकर श्रद्धासुमन अर्पित कर रहे थे। उन्होंने गुरु ग्रंथ साहिब पर शीश नवाया और अखण्ड पाठ में भी शामिल हुए। इसके बाद उन्होंने निशान साहिब पर भी मत्था टेका और प्रदेश के नागरिकों की खुशहाली व समृद्धि की कामना की। पत्रकारों द्वारा पूछे गए सवाल पर मुख्यमंत्री ने कहा कि श्री गुरु गोबिंद सिंह जी ने खालसा पंथ की नींव रखी और समाज व राष्ट्र के लिए अपने परिवार की कुर्बानी दी थी।उन्होंने कहा कि जनता ने प्रदेश व केंद्र में तीसरी बार भाजपा की सरकार बनाई है। इस बार भी तीव्र गति से विकास के कार्य किये जायेंगे। इसलिए सरकार ने निर्णय लिया है कि सभी उपायुक्त व पुलिस अधीक्षक हर माह गांव में जाकर लोगों की समस्याएं सुनेंगे और उनका मौके पर ही निपटारा सुनिश्चित करेंगे।

लोहारू प्रकरण पर सवाल के जवाब में मुख्यमंत्री ने कहाकि सीबीआई जांच करवाने से पहले हरियाणा की एजेंसियां कार्य कर रही हैं। उन्होंने कहा कि सरकार पारदर्शी ढंग से काम कर रही हैं। प्रदेश का नागरिक बिना भय के सुखमय जीवन व्यतीत करे, यह सरकार का प्रयास है। उन्होंने कहा कि किसी भी अपराध को सहन नहीं किया जाएगा और अपराधी के खिलाफ सख्त कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में सरकारी और गैर सरकारी कॉलेजों में लड़कियों को निशुल्क शिक्षा मुहैया करवाई जा रही है। इस मौके पर नाडा साहिब गुरुद्वारा जत्थेदार बलजीत सिंह ने मुख्यमंत्री का अभिवादन करते हुए प्रकाश पर्व पर मुख्यमंत्री को सरोपा भेंट कर सम्मानित भी किया।

उन्होंने कहा कि सरकार ने हरियाणा सिख गुरुद्वारा प्रबंधन कमेटी का चुनाव करवाने का निर्णय किया है, इसके लिए मुख्यमंत्री बधाई के पात्र हैं। प्रदेश के 40 वार्डों में पहली बार 19 जनवरी को मतदान होगा। इस मौके पर पूर्व मंत्री कंवरपाल गुर्जर सहित अन्य गणमान्य मौजूद रहे।

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय में श्री गुरु गोबिंद सिंह जी के नाम पर शोध पीठ की होगी स्थापना

कुरुक्षेत्र,06 जनवरी (एजेंसियां)। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय में दसवें गुरु श्री गुरु गोबिंद सिंह जी के नाम पर शोध पीठ की स्थापना की जाएगी। जमुना ऑटो इंडस्ट्री लिमिटेड ने आज इस उद्देश्य के लिए हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को 25 लाख रुपए का चेक भेंट किया। श्री गुरु गोबिंद सिंह जी के जीवन और शिक्षाओं से संबंधित शैक्षणिक अनुसंधान और सांस्कृतिक अध्ययन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से इस शोध पीठ को जमुना ऑटो इंडस्ट्री लिमिटेड द्वारा उनके कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) कार्यक्रम के तहत वित्त पोषित किया जाएगा।

इस अवसर पर पर्यटन मंत्री अरविंद शर्मा और ओएसडी डॉ. प्रभलीन सिंह भी मौजूद रहे। शोध पीठ की स्थापना से न केवल श्री गुरु गोबिंद सिंह जी की विरासत का सम्मान होगा, बल्कि कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय में शैक्षिक और अनुसंधान के अवसरों को बढ़ावा मिलेगा।

शुभ लाभ DAILY
खबरें जो सोच बदल दे

प्रशांत किशोर को थप्पड़ मार पुलिस ने अनशन से उठाया, गिरफ्तार

पटना (एजेंसियां)।

बिहार लोक सेवा आयोग परीक्षा रद्द कराने की मांग को लेकर अनशन पर बैठे प्रशांत किशोर अब राज्य सरकार के लिए और बड़ा सिरदर्द बन सकते हैं। गांधी मैदान में आमरण अनशन पर से उठाने के दौरान अड़ने पर एक पुलिसकर्मी ने उनपर थप्पड़ चला दिया।

इसके बाद प्रशांत किशोर के समर्थकों ने साफ शब्दों में पुलिस को वहीं धमकी दी कि हाथ मत चलाइए, बड़ा बवाल हो जाएगा। गिरफ्तारी के दौरान प्रशांत किशोर पर हाथ चलाने वाला यह वीडियो अब वायरल हो रहा है। इससे तनाव बढ़ने की आशंका है। उन्हें एम्स ले जाने की बात थी, लेकिन कहां ले जाया गया है- इसकी जानकारी किसी के पास नहीं है और न कोई दे रहा है। अनशन सुबह करीब चार से पांच बजे के बीच बलपूर्वक खत्म कराया गया।

प्रशांत किशोर की तबीयत अनशन के दौरान बिगड़ रही थी। डॉक्टरों ने स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए उन्हें बोलने से रोक दिया। भाषण देने या लंबी बातचीत

से उन्हें मना किया गया था ताकि कंठ नहीं सूखे। बीपीएससी परीक्षार्थियों की पुनर्परीक्षा की मांग और पेपर लीक के आरोपों के समर्थन में पीके आमरण अनशन पर थे। सोमवार सुबह उनके साथ रहे तमाम प्रदर्शनकारियों को पुलिस ने गांधी मैदान से तितरबितर कर दिया। उन्हें एम्स ले जाने की बात बताई गई, लेकिन हंगामे को देखते हुए उन्हें कहीं और ले जाए जाने की जानकारी आ रही है। इस बारे में किसी के पास पक्की और औपचारिक जानकारी नहीं है। हाथ चलाए जाने के बाद हंगामे की आशंका को देखते हुए उन्हें नौबतपुर ले जाए जाने की सूचना आ रही है।

उन्हें एम्स ले जाया गया था, लेकिन वहां इलाज से मना करने और भीड़ जुटने की आशंका को देखते हुए पुलिस टीम नौबतपुर की ओर लेकर बढ़ गई। रविवार को पीके ने कहा था कि नवगठित वाईएसएस के 51 सदस्यों में से 42 ने इस अंदोलन को जारी रखने का फैसला किया। वाईएसएस के सभी सदस्य अलग-अलग राजनीतिक संगठनों का हिस्सा हैं और छात्र-हित में आंदोलन के लिए एकजुट हैं।' पटना में 29 दिसंबर को पुलिस ने बीपीएससी प्रदर्शनकारियों पर लाठीचार्ज किया था, जिसके विरोध में पीके आमरण अनशन पर बैठे थे।

पटना के डीएम डॉ. चंद्रशेखर सिंह ने बताया कि प्रशांत किशोर एवं कुछ अन्य लोगों के द्वारा अपनी पाँच सूत्री माँगों को लेकर प्रतिबंधित क्षेत्र गांधी मैदान के गांधी मूर्ति के समक्ष अवैध ढंग से धरना दिया जा रहा था।

प्रशासन ने वहां से हटकर धरना के लिए निर्धारित स्थल गर्दनीबाग में जाने के लिए नोटिस दिया था। प्रतिबंधित क्षेत्र में धरना देने के कारण प्राथमिकी दर्ज की गई थी। आग्रह करने तथा पर्याप्त समय देने के बाद भी नहीं जाने के कारण सोमवार सुबह में उन्हें कुछ समर्थकों के साथ गिरफ़्तार किया गया। सभी लोग पूरी तरह से स्वस्थ हैं। इन्हें कोर्ट के समक्ष प्रस्तुत करने की कार्यवाही की जा रही है।

लालू यादव के ऑफर पर सीएम नीतीश बोले-

कौन क्या कहता है, हमें कोई फर्क नहीं पड़ता

वैशाली (एजेंसियां)।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार बिहार में हो रहे राजनीतिक चर्चाओं पर अब विराम लगा दिए हैं। वैशाली जिले के नगमा गांव पहुंचे, जहां पर मुख्यमंत्री नीतीश ने लालू प्रसाद यादव के द्वारा दिए गए ऑफर पर खुलकर बोला है। मुख्यमंत्री ने कहा है कि अब वापस जाने का सवाल ही उत्पन्न नहीं होता है।

अटल बिहारी वाजपेई पर मुख्यमंत्री नीतीश ने कहा है कि हमें बहुत सम्मान दिए हैं। हमको मुख्यमंत्री अटल बिहारी वाजपेई ने ही बनाया है। प्रगति यात्रा के दौरान मुख्यमंत्री के द्वारा कई विभागों के बने स्टॉल का भी निरीक्षण किया है। मुख्यमंत्री बेलसर के नगमा गांव में बने कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय में पहुंचे थे।

मुख्यमंत्री नीतीश ने कहा है कि अब जीविका समूह शहरों में भी शुरू किया जाएगा। हमारी आदत है कि हम घूम-घूम कर सब कुछ

देखते रहते हैं। हमारे खिलाफ कौन क्या कहता है, हमें कोई फर्क नहीं पड़ता है। हमारे पार्टी में रहने वाले दो लोग गड़बड़ी कर रहे थे।

हमने दोनों को निकाल दिया है। अटल बिहारी वाजपेई का मन था कि हम मुख्यमंत्री बने और हम बन गए, हम जिस समय विभाग में थे तो हमारा सारा काम समय पर होता था और काफी तेजी में सारा काम होता था। अभी हम सब जिले में घूम-घूम कर खुद देख रहे हैं, इन सब लोग को कहे हैं कि जितना ज्यादा से ज्यादा हो सके हमको दिखाएं।

बता दें कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का वैशाली जिले में कई जगह पर आज कार्यक्रम है। मुख्यमंत्री 278 करोड़ की सौगात वैशाली जिले को देंगे। वहीं, वैशाली के महनार में आईआईटी कॉलेज का भी उद्घाटन मुख्यमंत्री के द्वारा किया जाएगा। हाजीपुर में मुख्यमंत्री बिका में अधिकारियों के साथ बैठक भी करेंगे।

बिहार में रातोंरात पीला हुआ हैंडपंप का रंग

सौ घरों के दरवाजे पर लगा चापाकल रंगीन

वैशाली (एजेंसियां)।

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार आज वैशाली जिले में प्रगति यात्रा पर पहुंचे। इसको लेकर वैशाली जिला प्रशासन की ओर से समुचित व्यवस्था वैशाली जिले के नगमा गांव में की गई है। लेकिन, सरकार के आंख में धूल झोंकने के लिए अधिकारियों ने फर्जी काम किया है। पीएचडी की ओर से नल जल योजना वाले नलकूप को पीले रंग से रंग दिया। साथ ही कई लोगों निजी हैंड पंप को भी पीले रंग से रंग दिया गया। अब इसकी तस्वीर वायरल हो रही है।

लोगों का आरोप है कि जब

हमलोग रात में सोए हुए थे तभी निजी हैंड पंप जो कि घर के आगे लगा हुआ था उसे भी अधिकारियों द्वारा रंगवा दिया गया। ग्रामीणों का आरोप है कि अधिकारियों ने निजी हैंडपंप को भी सरकारी पंप दिखाने की कोशिश की। अधिकारियों ने हैंडपंपों को रंगवा कर नीतीश सरकार को यह दिखाने की कोशिश की जा रही है कि नगमा गांव में जो भी हैं हैंड पंप लगे हुए हैं, वह सभी सरकारी है। स्थानीय सद्दाम हुसैन ने बताया कि यह प्राइवेट हैंड पंप है।

वहीं राबिया खातून ने कहा यह हमारा प्राइवेट हैंड पंप है। प्रशासन की ओर से इसे पेंट करवा दिया गया। हम लोग घर पर नहीं थे। इसी दौरान पेंट करने वाले आया और पेंट कर के चला गया। उर्मिला देवी ने बताया कि यह हमलोगों का अपना निजी चापाकल है। हमलोग सोए हुए थे। रात में किसी समय पेंटर आया और निजी चापाकल को रंग कर चला गया। हमलोग देखे भी नहीं कौन आया था और रंग कर चला गया। इसकी जांच होनी चाहिए।

बालू लोड हाइवा ट्रक ने बालक को कुचला मौके पर हुई मौत, परिवार में मचा कोहराम

वैशाली (एजेंसियां)।

वैशाली जिले में सोनपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत लालू यादव चौक के निकट अनियंत्रित बालू लोड हाइवा ने एक बालक को कुचल दिया। मौके पर बालक की मौत हो गई। हादसे की जानकारी मिलते ही मौके पर आसपास के लोग जुट गए। लोगों ने घटना की जानकारी सोनपुर थाना पुलिस को दी।

घटना की जानकारी मिलते ही सोनपुर थाने की पुलिस मौके पर पहुंचकर शव की पहचान कर हादसे की जानकारी मृतक के स्वजन को दी। हादसे की जानकारी मिलते ही स्वजन घटना स्थल पर पहुंच गए। पुलिस ने शव

को पोस्टमॉर्टम के लिए सदर अस्पताल हाजीपुर भेज दिया। सदर अस्पताल में शव का पोस्टमॉर्टम कराने के बाद स्वजन शव लेकर गांव चले गए। मृतक सोनपुर थाना क्षेत्र के खरिका बरबिगहवा निवासी मिथुन राय का 15 वर्षीय पुत्र मिलन कुमार बताया गया।

घटना के बाद स्वजन का रोते-रोते बुरा हाल है। घटना के संबंध में बताया गया कि मिलन कुमार बाकरपुर चौक दुकान से सामान लाने के लिए गया था। दुकान से वह सामान लेकर अपने घर लौट रहा था। इसी दौरान लालू यादव चौक के निकट अनियंत्रित हाइवा ने कुचल दिया, जिसमें घटना स्थल पर ही बालक की मौत हो गई। मौके पर मौजूद लोगों ने बताया कि हाइवा ने बालक का सिर और दोनों पैर बुरी तरह कुचल दिया। घटना को अंजाम देने के बाद चालक गाड़ी लेकर मौके से फरार हो गया। घटना के संबंध में मृतक के दादा उपेंद्र यादव ने बताया कि बालक बाकरपुर चौक पर दुकान से कुछ सामान लाने गया था। दुकान से लौट के दौरान लालू यादव चौक के निकट अनियंत्रित हाइवा ने कुचल दिया। घटना के बाद चालक वाहन लेकर मौके से फरार हो गया। मृतक तीन भाइयों में दूसरे नंबर पर था, वह पढ़ाई करता था। घटना के संबंध में सोनपुर थाना अध्यक्ष राजनंदन ने बताया कि सड़क हादसे में एक बालक की मौत की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंच कर मामले की जांच पड़ताल की गई। घटना की जानकारी मृतक के परिवार वालों को दी गई। घटना की सूचना पर मृतक के परिवार वाले पहुंच गए। शव को पोस्टमॉर्टम के लिए सदर अस्पताल हाजीपुर भेज दिया गया। पोस्टमॉर्टम के बाद स्वजन शव लेकर गांव चले गए। इस मामले में आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।

सीएम नीतीश ने अटल कलाभवन के कार्य का किया शुभारंभ

पटना (एजेंसियां)।

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार द्वारा अपनी प्रगति यात्रा के क्रम में मुजफ्फरपुर में 'अटल कला-भवन' का कार्य शुभारंभ किया गया।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के साथ इस अवसर पर मौजूद उपमुख्यमंत्री-सह कला संस्कृति एवं युवा मामलों के मंत्री विजय कुमार सिन्हा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रेरणा से मुख्यमंत्री के नेतृत्व में बिहार ने विरासत के साथ विकास की दिशा में कदम बढ़ा दिया है।

उन्होंने आगे कहा कि हम अपने गौरवशाली सांस्कृतिक विरासत की बहुरंगी छवि तो दुनिया के सामने प्रस्तुत करेंगे ही, साथ ही कला-संस्कृति से जुड़ी प्रतिभाओं को उपयुक्त मंच उपलब्ध कराया जाएगा। इसी

सोच के साथ राज्य के हर जिले में हम प्रेक्षागृह एवं कलाभवन विकसित करने जा रहे हैं। जिसका नाम अटल कला भवन होगा।

विजय सिन्हा ने आगे कहा कि अटल कला-भवन के निर्माण से जिले की सांस्कृतिक गतिविधियों को नई ऊंचाई मिलेगी। इस कला भवन में परंपरागत एवं आधुनिक प्रदर्शन कलाओं तथा ऑडियो-विज़ुअल कलाओं के प्रस्तुतियों के लिए तमाम सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। साथ ही यहां से जिले में सांस्कृतिक गतिविधियों को भी प्रोत्साहित किया जाएगा।

मनोज सिन्हा ने कहा कि सांस्कृतिक विरासत और कला-संस्कृति से जुड़ी गतिविधियों से समाज में सकारात्मक गतिशीलता आती है। इसका अनुकूल प्रभाव हमारे आर्थिक और राजनीतिक क्षेत्रों पर भी पड़ता है। हमारी संस्कृति ही हमें राम और रावण के बीच अंतर बताती है। इसी से हम सीता और मंथरा में फर्क कर पाते हैं। आज जो माहौल देश में बनाने का प्रयास किया जा रहा, उसमें देश को सुरक्षित रखने के लिए इन अंतरों की सही पहचान जरूरी है।

मनोज सिन्हा ने कहा कि हमारा इतिहास भी हमें यही बताता है कि भारत की एकता, अखंडता को निर्धारित करने में सांस्कृतिक चेतना ने निर्णायक भूमिका निभायी है। इसी चेतना के कारण हम आक्रांताओं की लाख कोशिशों के बावजूद सुरक्षित रह पाए। हमारे विरासत स्थल खंडित कर दिए गए, हमारे महत्वपूर्ण ग्रथों को नष्ट किया गया, लेकिन भारतीय समाज में फैली सांस्कृतिक चेतना ने हमें एकसूत्र में पिरो दिया।

वैशाली की सांसद वीणा देवी को जान से मारने की मिली धमकी, जांच में जुटी पुलिस

वैशाली (एजेंसियां)।

वैशाली की सांसद वीणा देवी को जान से मारने की धमकी मिली है। रविवार की दोपहर 12.36 बजे अज्ञात नंबर से धमकी भरा कॉल आया था। इस संबंध में सांसद वीणा देवी का कहना है कि उनके नंबर पर कई बार कॉल आया। जब उन्होंने कॉल रिसीव किया तब फोन करने वाले ने उधर से अपशब्द बोलते हुए उन्हें धमकी दी।

वीणा देवी ने सदर थाना में शिकायत दर्ज कराते हुए बताया कि आज तकरीबन 12 बज 36 मिनट पर उनके मोबाइल नंबर 9162065579 पर मोबाइल नंबर 8539019720 से अज्ञात लोगों ने कई बार फोन किया है। बार-बार कॉल पर आने पर सांसद ने जब कॉल रिसीव किया

तो कॉल करने वाले अपशब्द बोलते हुए उन्हें धमकी दी। पुलिस कॉल करने वाले नंबर की सीडीआर और लोकेशन के आधार पर छानबीन कर रही है।

सांसद वीणा देवी ने पुलिस को बताया है कि रविवार को उनके मोबाइल पर एक अंजान नंबर से बार-बार कॉल आ रहा था। कई बार उन्होंने कॉल रिसीव नहीं की। लेकिन लगातार रिंग होने पर उन्होंने कॉल रिसीव किया। कॉल रिसीव करने वह गाली गलौज करते हुए उन्हें गोली मारकर जान मारने की धमकी दी। इसके बाद फोन काट दिया। धमकी भरी कॉल आने के बाद सांसद ने वरीय पुलिस अधिकारियों को इसकी जानकारी दी और शाम में सदर थाने में आवेदन देकर पूरे मामले से अवगत कराया। पुलिस महकमे में अलर्ट हो गया। वरीय अधिकारी सांसद के आवास पर पहुंचकर मामले की जानकारी ली। आवास पर तैनात सुरक्षा कर्मी और उनके बॉडीगार्ड को चौकन्ना कर दिया गया है। मुजफ्फरपुर सिटी एसपी विश्वजीत दयाल ने बताया है कि सांसद के पत्र पर सदर थाना में मामला दर्ज किया गया है। पुलिस सीडीआर के आधार पर आगे की कार्रवाई में जुट गई है। शीघ्र मामले का उद्भेदन कर लिया जाएगा।

मॉरीशस के पूर्व राष्ट्रपति राजकेश्वर पुरयाग ने गया में किया पिंडदान

फल्गु नदी में जल तर्पण किए

गया (एजेंसियां)।

मॉरीशस के पूर्व राष्ट्रपति राजकेश्वर पुरयाग सोमवार को मोक्षभूमि गयाजी पहुंचे। जहां उन्होंने प्रसिद्ध विष्णुपद मंदिर के गर्भगृह में भगवान विष्णु की विशेष पूजा अर्चना की। इसके बाद वे देवघाट पहुंचे, जहां उन्होंने अपने पितरों की आत्मा की शांति के लिए पिंडदान कर्मकांड किया। साथ ही फल्गु नदी के जल

से तर्पण भी किया।

स्थानीय गयापाल गाजो पंडा के द्वारा पूरे विधि-विधान से पिंडदान की प्रक्रिया संपन्न कराई गई।

गाजो पंडा ने बताया कि मॉरीशस के पूर्व राष्ट्रपति के द्वारा अपने पितरों की मोक्ष कामना के साथ पिंडदान कर्मकांड किया गया है। साथ ही मोक्षदायनी फल्गु नदी के जल से तर्पण कर्मकांड भी किया गया है।

गौरतलब है कि पूर्व राष्ट्रपति राजकेश्वर पुरयाग वर्ष 2012 से 2015 तक मॉरिशस के 5वें राष्ट्रपति के रूप में कार्य किया था। उन्हें नैतिकनल असेंबली द्वारा मॉरिशस का राष्ट्रपति चुना गया था।

सोमवार को वे सर्वप्रथम सड़क मार्ग से बोधगया पहुंचे, जहां एक निजी होटल में उन्होंने विश्राम किया। इसके बाद पिंडदान कर्मकांड को लेकर प्रसिद्ध विष्णुपद मंदिर पहुंचे थे। उनके आगमन को लेकर सुरक्षा के कड़े प्रबंध किए गए थे। पूरे विधि-विधान से अपने पितरों के मोक्ष की प्राप्ति के लिए उन्होंने पिंडदान कर्मकांड किया।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com